शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने सभी वादे भूल गई: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-98

दुनिया की चौथी सबसे बड़ी 'कमजोर' भारतीय वायुसेना

राष्ट्रवाद की सियासत आबाद, सेना बर्बाद

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रवाद का खामियाजा भारतीय सेना भुगत रही है। मोदी सरकार के कार्यकाल में सबसे पहले भारतीय सेना के गौरवशाली वेटनेरी कोर को खत्म कर उसकी लाखों एकड़ बेशकीमती जमीनों और दुधारू साहीवाल गायों का सत्यानाश किया गया। उसके बाद सेना की मर्यादा और गोपनीयता को छावनी बोर्डों की परिधि में रखने का प्रावधान खत्म कर छावनी बोर्डों की बेशकीमती जमीनों को रीयल इस्टेट के धंधेबाजों के आगे खोल दिया गया। मोदी सरकार के तथाकथित राष्ट्रवादी सिपहसालारों ने उसके बाद देश के फौजियों को निशाने पर लिया और अग्निवीर का शब्द रच कर पूरे सैन्य ढांचे को तहस-नहस कर दिया। सांसदों को वेतन और उनकी पेंशन पुनरावृत्तियों को लगातार बढ़ाने में लगी सरकार को सैनिकों की पेंशन भी बर्दाश्त नहीं हुई और देश की रक्षा करने वाले सैनिकों को दिहाड़ी मजदूर से भी खराब स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। अब सेना के तकनीकी ढांचे को खोखला किया जा रहा है। इस क्रम में हम अभी भारतीय वायुसेना का क्रमिक क्षय किए जाने की सरकारी हरकतों पर बात करेंगे। सेना के अन्य अंगों को किस तरह सुनियोजित रूप से कमजोर और लचर बनाया जा रहा है, इस पर भी हम विस्तार से बात करेंगे।

शुभ-लाभ सरोकार

बस कहने मात्र के लिए भारतीय वायुसेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना रह गई है। मौजूदा वास्तविकता यह है कि भारतीय वायुसेना की दशा अत्यंत खराब है। भारतीय वायुसेना ने कई युद्धों में अपनी अहम भूमिका निभाई है। पायलटों के शौर्य पर कभी किसी को कोई शक नहीं रहा, लेकिन उन्हें जर्जर विमान उड़ाने के लिए कहेंगे तो वे हादसे का शिकार होंगे और उनकी तस्वीरें शहीदों के फ्रेम में कसी जाती रहेंगी। आप खबरें देख रहे हैं कि लगातार कई फाइटर जेट क्रैश हो रहे हैं, लगातार हादसे हो रहे हैं और लगातार वायुसेना के विमान मलबे के ढेर में तब्दील हो रहे हैं। हादसे के कारणों में कभी तकनीकी खराबी तो कभी मानवीय भूल बता कर मामला बता कर लीपापोती कर दी जाती है। लेकिन हादसे की आपराधिक वजहों और पायलटों की बेमानी शहादतों को लेकर उठते सवाल वैसे ही अनुत्तरित रह जाते हैं।

हम सरकार के ही आधिकारिक आंकड़े की बात करते हैं। वर्ष 2000 से लेकर 2020 के बीच में भारतीय वायुसेना ने 200 एयरक्राफ्ट गंवा दिए। इसमें कई फाइटर जेट हैं। बड़ी संख्या में हेलीकॉप्टर और ट्रांसपोर्ट प्लेन भी हैं। संसद की रक्षा मामलों की स्थायी समित भी कहती है कि 2017 से 2022 के बीच यानि महज पांच साल की अवधि में भारतीय वायुसेना ने अपने 34 विमान गंवाए। वर्ष 2017-18 में आठ हादसे हुए। 2018-19 में 11 हादसे हुए। 2019-20 में तीन हादसे हुए। 2020-21 में तीन हादसे हुए और 2021-22 में नौ हादसे हुए।

भारतीय वायुसेना के विमानों के हादसों में नष्ट होने के कारण बड़े ही घिसे-पिटे ▶10 पर

ट्रंप ने चीन पर खेला उल्टा दांव, टैरिफ 125% किया

चीन छोड़ कर अन्य देशों को दी 90 दिन की छूट

वाशिंगटन, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

विभिन्न देशों पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ की चीन द्वारा की जा रही घेरेबंदी को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जबरदस्त दांव खेल दिया है। ट्रंप ने चीन पर टैरिफ शुल्क 104 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया और अन्य देशों को 90 दिनों के लिए टैरिफ शुल्क से छूट दे दी। इस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर ज्यादातर देशों पर टैरिफ लगाने में 90 दिनों के विराम की घोषणा कर दी है। ट्रंप ने कहा कि वह बाजार में मंदी के बीच 90 दिनों के लिए अधिकांश देशों के टैरिफ वापस ले रहे हैं, लेकिन चीन के टैरिफ को बढ़ा रहे हैं। चीन द्वारा अमेरिका पर 84 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका ने चीन पर टैरिफ शुल्क 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया।

अमेरिका में चीन की लूट हम नहीं चलने देंगे : ट्रंप

चीन किसी देश के साथ धोखाधड़ी नहीं कर सकता

डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध और अधिक गहराता हुआ दिख रहा है। ट्रंप ने कहा, चीन ने दुनिया के बाजारों के प्रति सम्मान नहीं दिखाया है। इसके मद्देनजर मैं अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए गए टैरिफ को 125 फीसदी तक बढ़ा रहा हूं, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उम्मीद है कि चीन भविष्य में इस बात को समझेगा कि अब वह अमेरिका और अन्य देशों से धोखाधड़ी नहीं कर सकता। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ट्रंप ने कहा, इसके विपरीत, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि 75 से अधिक देशों ने अमेरिका ▶10 पर

ट्रंप-इफेक्ट : अब भारत से मदद मांग रहा है चीन

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव ने एक नया मोड़ ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित वस्तुओं पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। जब यह शुल्क 104 प्रतिशत था, तभी से चीन की बौखलाहट दिख रही थी। तब वह सारी शैतानियां छोड़ कर मदद के लिए भारत की ओर देख रहा था। टैरिफ 125 प्रतिशत बढ़ने के बाद अब तो चीन की परेशानियां और बढ़ गई हैं। बीजिंग ने टैरिफ के धुंधलके से बाहर निकलने में मदद के लिए भारत से गुहार की है। चीन के प्रवक्ता यू जिंग ने भारत से अपील की है कि भारत और चीन, दोनों मिलकर इस चुनौती का सामना करें। अमेरिका द्वारा लगाए गए इस टैरिफ का उद्देश्य बेशक, चीन पर ▶10 पर

पीएम मोदी ने किया नवकार महामंत्र का जाप

भारत ऊंचाइयां छुएगा पर जड़ों से नहीं कटेगा

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में कहा कि नवकार महामंत्र का दर्शन विकसित भारत के विजन से जुड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने नवकार महामंत्र का जाप किया और कहा, भारत रुकेगा नहीं, भारत थमेगा नहीं। भारत ऊंचाइयां छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से कटेगा नहीं।

पीएम मोदी ने कहा, मैं नवकार महामंत्र की आध्यात्मिक शक्ति को अपने भीतर अनुभव कर रहा हूं। कुछ वर्ष पूर्व मैं बेंगलुरु में ऐसे ही एक सामूहिक मंत्रोच्चार का साक्षी बना था, आज वही अनुभूति हुई और उतनी ही गहराई से हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, नवकार महामंत्र सिर्फ मंत्र नहीं है। यह

दुश्मन बाहर नहीं है, दुश्मन अपने भीतर है

हमारी आस्था का केंद्र है। हमारे जीवन का मूल स्वर है। इसका महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। ये स्वयं से लेकर समाज तक सबको राह दिखाता है, जन से जग तक की यात्रा है। इस मंत्र का प्रत्येक पद ही नहीं, बल्कि प्रत्येक अक्षर अपने आप में मंत्र है। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र एक मार्ग है। ऐसा मार्ग जो इंसान को भीतर से शुद्ध करता है, जो इंसान को सौहार्द की राह दिखाता है। नवकार महामंत्र सही मायने में मानव, ध्यान, साधना और आत्मशुद्धि का मंत्र है। हम जानते हैं कि जीवन के 9 तत्व हैं। ये 9 तत्व जीवन को पूर्णता की ओर ले जाते हैं। इसलिए हमारी संस्कृति में नव का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र कहता है कि ▶10 पर

देश में वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 लागू

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया कैविएट

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 मंगलवार 8 अप्रैल से देश में लागू हो गया। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर इसे कानून में बदल दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 अप्रैल को इसे मंजूरी दे दी थी। अब अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने इसे लागू कर दिया है।

इस बीच, इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 10 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं। डीएमके, कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, राजद के मनोज झा, फैयाज अहमद और आपा के अमानतुल्ला खान ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जमीयत उलमा-ए-हिंद और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी इसके खिलाफ है। इनका कहना है कि ये कानून गलत है और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चोट करेगा। ▶10 पर

शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने बताई मुसलमानों की इच्छा

भारत में शामिल हो जाए पाकिस्तान

नई दिल्ली/लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तीन दिन के कश्मीर दौरे के दौरान घाटी में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से जुड़े तीन प्रमुख संगठन अब उससे अलग हो गए हैं और अलगाववाद को खारिज कर दिया है। इसे लेकर शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने कहा, यह बहुत ही अच्छी बात है, हम इसका स्वागत करते हैं। हमने हमेशा कहा है कि कश्मीर हमारे दिल का टुकड़ा है। हम भारतीय हैं और अपने देश के प्रति वफादार हैं। भारत हमारा देश है।

मौलाना कल्बे जव्वाद ने अलगाववादी सोच पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बनाना चाहते हैं, वे बिल्कुल गलत हैं। हमने हमेशा इस बात का समर्थन किया है कि कश्मीर भारत का हिस्सा है और हमेशा रहेगा। हम तो यह भी चाहते हैं कि पाकिस्तान भी भारत का हिस्सा बने क्योंकि वह भी हमारे ही शरीर का ही अंग है।

उल्लेखनीय है कि कश्मीर घाटी के तीन प्रमुख अलगाववादी नेता, हकीम अब्दुल रशीद, मोहम्मद यूसुफ नकाश और बशीर अहमद अंद्राबी ने अब अलगाववाद को छोड़ दिया है और हुर्रियत कांफ्रेंस के विभिन्न गुटों से खुद को अलग कर लिया है। हकीम अब्दुल रशीद जम्मू-कश्मीर मुस्लिम डेमोक्रेटिक लीग के अध्यक्ष थे, मोहम्मद यूसुफ नकाश जम्मू-कश्मीर इस्लामिक राजनीतिक पार्टी के प्रमुख थे, और बशीर अहमद अंद्राबी कश्मीर फ्रीडम फ्रंट के अध्यक्ष थे। इन नेताओं ने अपने बयानों में भारत के संविधान के प्रति अपनी निष्ठा जताई और अलगाववादी विचारधारा से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया। इससे पहले भारत विरोधी समूह के 23 में से 11 सदस्य भी इस समूह से अलग हो चुके थे। उन्होंने कहा कि जो संगठन अब हुर्रियत को छोड़कर मुख्यधारा में आ रहे हैं, उनका हम दिल से स्वागत करते हैं और उनके इस साहसी कदम की सराहना करते हैं।

अहमदाबाद में हुआ कांग्रेस का 84वां राष्ट्रीय अधिवेशन

भाजपा के विरोध पर ही लक्षित रहा अधिवेशन

अहमदाबाद, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अहमदाबाद में हुए कांग्रेस का 84वां राष्ट्रीय अधिवेशन में भाजपा के विरोध पर ही लक्षित रहा। भाजपा के विरोध की रणनीति अख्तियार करते हुए कांग्रेस ने तुष्टिकरण वाली धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय सद्भाव की वकालत की।

तुष्टिकरण की नीति और धर्मनिरपेक्षता का घालमेल

राष्ट्रवाद हमेशा से ही भाजपा के लिए एक अहम राजनीतिक मुद्दा रहा है और इसी पर कांग्रेस पार्टी भाजपा को घेरती रही है। कांग्रेस ने भाजपा को छद्म राष्ट्रवादी बताया और कहा कि कांग्रेस के मुख्य एजेंडे में सामाजिक न्याय और जातिगत जनगणना के आधार पर आरक्षण देना भी है। अधिवेशन में राहुल गांधी ने पार्टी को ओबीसी तक पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि पार्टी को निजी क्षेत्र में वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछड़े, अत्यंत पिछड़े और सबसे पिछड़े समुदायों तक पहुंच बनाकर कांग्रेस उत्तर प्रदेश में चुनावी वापसी भी कर सकती है। लोकसभा सांसद शशि थरूर ने पार्टी को उन मतदाताओं को आकर्षित करने की बात की, जो कांग्रेस को वोट देते थे, लेकिन पिछले तीन चुनावों में इसे छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि यही एकमात्र तरीका है, जिससे पार्टी 2014 से प्राप्त 19-20% वोट शेयर से आगे बढ़ सकती है। ▶10 पर

राहुल खुद सोफे पर बैठे, खड़गे को कुर्सी पर बिठाया

अहमदाबाद, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अधिवेशन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद सोफे पर बैठे, लेकिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कुर्सी पर बैठे दिखे। भाजपा नेता और आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में मल्लिकार्जुन खड़गे एक कुर्सी पर अलग बैठे नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी ▶10 पर

अब संघ और सरकार मिलकर तैयार करेंगे 2027 का रोडमैप

चुनावी दंगल में पहलवान को मिलेगा गुरु का साथ

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

संघ परिवार और योगी सरकार मिलकर विधानसभा चुनाव 2027 का रोडमैप तैयार करेंगे। उत्तर प्रदेश के चुनावी दंगल में पहलवान को गुरु का सीधा संरक्षण मिलेगा। लोकसभा चुनाव 2024 में स्वयंसेवकों की निष्क्रियता के असर से सचेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) उनको फिर सक्रिय करेगा। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को राजधानी पहुंचकर प्रचारकों व अन्य पदाधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों को ऐसे स्वयंसेवकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जो अब अलग-थलग हैं।

स्वयंसेवकों को सक्रिय करने पर संघ प्रमुख का जोर

भागवत ने कहा, निष्क्रिय स्वयंसेवकों को सक्रिय करने के लिए पदाधिकारी उनके घर जाकर उनसे संवाद करें। उन्हें कार्यक्रमों में शामिल कराएं। राजधानी पहुंचे संघ प्रमुख सबसे पहले भारती भवन गए। लखीमपुर रवाना होने से पहले उन्होंने संघ के पदाधिकारियों व प्रचारकों से मुलाकात की। कहा, पहले संगठन का काम करने वाले स्वयंसेवकों से समस्या पूछकर निस्तारण कराएं। संघ प्रमुख ने गांवों में शाखाओं के विस्तार पर भी जोर दिया। उन्होंने संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष पर पूरे साल चलने वाले अभियानों व कार्यक्रमों की ▶10 पर

वक्फ कानून के लाभ गिनाएगा संघ दूर करेगा भ्रांतियां

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ विधेयक को कानूनी जामा पहनाने के बाद संघ और सरकार ने इस मामले में विपक्ष से दो-दो हाथ करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस क्रम में राष्ट्रीय मुस्लिम मंच जहां देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस और सेमिनारों के जरिए कानून के संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियां दूर करेगा, वहीं इसके लाभ भी गिनाएगा। वहीं सरकार की रणनीति वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इसमें सिर्फ अशराफ (ऊंची जातियों) ▶10 पर

विशेष डाक टिकट का विमोचन

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर फ्रीडम पार्क में उमड़ा जन सैलाब

गुरुभगवंतों ने की जीतो की अनुमोदना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन बुधवार को वैश्विक स्तर पर अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ किया गया। यह आयोजन विश्व के 108 देशों और भारत के 6000 से अधिक स्थलों पर एक साथ आयोजित किया गया, जिसमें करोड़ों श्रद्धालुओं ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप कर विश्वशांति, करुणा और एकता का संदेश दिया। मुख्य कार्यक्रम गांधीनगर स्थित फ्रीडम पार्क में आयोजित हुआ। प्रातः 7 बजे से ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। इस कार्यक्रम का प्रारंभ गुरु भगवंतों के पावन सान्निध्य में हुआ। बेंगलूरु के 12 पंजीकृत स्थानों एवं 30 अन्य स्थलों जैसे महावीर धर्मशाला वी वी पुरम, गणेश बाग, मेवाड़ भवन यशवंतपुरा, श्री संभवनाथ जैन मंदिर, श्री धर्मनाथ जैन मंदिर जयनगर, श्री वर्धमान स्थानकवासी संघ हनुमंथनगर, तेरापंथ सभा भवन राजराजेश्वरीनगर, खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर विल्सन गार्डन, मेवाड़ पैलेस राजाजीनगर, श्री ज्ञनोदय दिगंबर जैन मंदिर व्हाइटफील्ड, श्री हीरा बाग स्थानक कोल्स पार्क और श्री विमलनाथ जैन मंदिर बसवनगुड़ी पर भी प्रातः 7:30 से 9:45 तक नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस आयोजन की शोभा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति ने बढ़ाई। उन्होंने इस आयोजन को विश्वशांति और आध्यात्मिक एकता का प्रेरक प्रयास बताते हुए सभी देशवासियों को इससे जुड़ने का आह्वान किया। इसका सीधा प्रसारण विश्व के सभी 6000 केन्द्रों पर किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा नवकार महामंत्र केवल एक जप नहीं, बल्कि सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन और सम्यक् चारित्र के साथ मोक्ष मार्ग की ओर जाने का एक दिव्य मार्ग है। लोकतंत्र के मंदिर, संसद भवन में भी जैन धर्म की आध्यात्मिक आभा दिखाई देती है, जहाँ चारों ओर जैन प्रतीक चिन्ह, तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ और समेत शिखर तीर्थ के दर्शन होते हैं। नवकार महामंत्र भीतर के प्रकाश को जागृत करने वाला मंत्र है, जो व्यक्ति को आत्मचिंतन और आत्मसुधार की ओर प्रेरित करता है। जैन प्रतीक लोकतंत्र में मार्गदर्शक की

भूमिका निभाते हैं। सरकार वेद-पुराणों और आगमों की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। भारत की भौतिक समृद्धि की रीढ़ उसका आध्यात्मिक और धार्मिक आधार है, जिसे संजोकर रखना हमारा कर्तव्य है। इस आयोजन को स्मरणीय और ऐतिहासिक बनाने के लिए नवकार दिवस का एक विशेष डाक टिकट का विमोचन चीफ पोस्ट मास्टर जनरल ऑफ कर्नाटका एस राजेंद्र कुमार (आईपोएस), दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य महेन्द्र सिंघी, संस्कार स्कूल हुब्बल्ली के अध्यक्ष महावीर कुंदुर, डीआरयूसीसी सदस्य अश्विन सेमलानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। फ्रीडम पार्क में चतुर्विध धर्मसंघ के साथ-साथ शहर भर के सभी जैन संप्रदायों की उपस्थिति ने आयोजन को एक अनुपम स्वरूप दिया। सभी संप्रदायों के प्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयोजन की सफलता में जीतो के सभी प्रबंध समिति, महिला विंग, यूथ विंग के पदाधिकारियों एवं समाज के विभिन्न संघ-संस्थाओं का विशेष योगदान रहा।

जीतो की भारत सरकार से अपील

बेंगलूरु नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया, साउथ चेयरमेन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया एवं जीतो के विभिन्न विभागों और नवकार महामंत्र दिवस की जानकारी दी। महामंत्री विजय सिंघवी एवं नितिन लूनिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कन्वीनर महेंद्र रांका, दिनेश खींवेसरा और को-कन्वीनर प्रवीण चौहान, महावीर दांतेवाडिया के समर्पण से आयोजन और अधिक सशक्त बना। इस आयोजन का सुचारू रूप से सफल संचालन मीठालाल पा-वेचा ने किया। गुरु भगवंतों के मुखारविन्द से मंगलपाठ द्वारा समापन हुआ। फ्रीडम पार्क पूरा खचाखच जनमेदीनीं से भरा रहा। इस अवसर पर जीतो द्वारा भारत सरकार से 9 अप्रैल को 'नवकार दिवस' के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की अपील की गई, जिससे यह दिन सदैव आध्यात्मिक ऊर्जा, शांति और एकता का प्रतीक बना रहे। इस भव्य आयोजन में माइक्रो प्रिंट और पैक मुख्य प्रायोजक रहे, सह प्रायोजक वन सोर्स एवं एम के सिल्क एंड साड़ी रहे, जिसे जीतो की ओर से सम्मानित किया गया। नवकार महामंत्र का जाप आज ''एक मंच, एक भावना, एक श्रद्धा'' के साथ समग्र विश्व में गूंजा और इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ पर दर्ज हो गया।

दो दिवसीय प्रांतीय स्तर मारवाड़ी प्रीमियर लीग 2025 का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा बेलगावी शहर में दो दिवसीय प्रांतीय स्तर मारवाड़ी प्रीमियर लीग 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस पूरे आयोजन का आतिथ्य मारवाड़ी युवा मंच की बेलगाम शाखा के द्वारा किया गया। एम पी एल 2025 में कर्नाटक प्रांत के विभिन्न शहरों से 9 टीमों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में मुख्य रूप से अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष क्षेत्र 5 साकेत रिटोलिया, कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुशील कुमार बंसल, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल क) जय प्रकाश अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल ख) गोपाल उपाध्याय, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल ग) मधुसूदन भट्टड़, प्रांतीय खेल कूद संयोजक प्रकाश केडिया, एम पी एल 2025 चेयरमैन रवि राज पुरोहित,

मंच मार्गदर्शक अजय हेडा (बेल-गावी), युवा साथी सुभाष डंक, अमर दास वैष्णव (हुब्बल्ली) , सचिन राठी (बागलकोट), अंकित मोदी, दीपक अग्रवाल, मनीष गोल्यान, श्याम जालान (बैंगलोर) सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष गोपाल उपाध्याय ने बताया कि इस पूरे कार्यक्रम के प्रायोजक के रूप में बिरला इंटरनेशनल स्कूल, श्याम स्टे बेंगलूरु, जैन ट्यूब्स जय हिंद ग्रुप, श्री बालाजी इवेंट्स, सालासर बालाजी स्टील, अंबिका स्टील्स, सरस्वती ऑटो सेंटर, साई नाथ एजेंसी, डायमंड प्ला-स्टिक, निलेश बंग, बजाज आलियांज, स्माइल हॉलीडेज का मुख्य रूप से सहयोग प्राप्त हुआ। बेलगावी शाखा के सचिव नटवर मोदानी ने बताया कि इस पूरे आयोजन की तैयारी पिछले दो महीने से बेलगावी शाखा अध्यक्ष गोपाल उपाध्याय के नेतृत्व में किया जा रहा था। उन्होंने बताया इस पूरे आयोजन में लगभग 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, सभी खिलाड़ियों के रहने की व्यवस्था से ले कर उनके भोजन, आने जाने की व्यवस्था बेलगावी शाखा के सभी युवा साथियों ने मिल जुलकर सुनिश्चित किया। एम पी एल 2025 चेयरमैन रवि राज पुरोहित ने बताया कि क्रिकेट के इस महाकुंभ में कुल 12 मैच खेले गए, पहले 9 मैच के लीग के बाद सेमी फाइनल में बागलकोट हिटर्स, एन सी सी बेलगावी, ऑर्बिट प्ले यॉन्ग स्टार्स हुब्बल्ली, कलबुर्गी इलेवन ने प्रवेश किया। इन सभी टीम्स के बीच रोमांचक मुकाबला के बाद फाइनल में एन सी सी बेलगावी, ऑर्बिट प्ले यॉन्ग स्टार्स हुब्बल्ली ने प्रवेश करते हुए क्रिकेट इतिहास का शानदार मुकाबला दिखाते हुए ऑर्बिट प्ले यॉन्ग स्टार्स हुब्बल्ली ने फाइनल मैच जीत कर एम पी एल 2025 के खिताब पर कब्जा किया। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में उप-स्थित अतिथियों के द्वारा सभी मैचों के मैंन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सभी विजेता खिलाड़ियों को नवाजा गया। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बेस्टमैन आदि पुरस्कारों से खिलाड़ियों को सुशोभित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रिय अध्यक्ष सुरेश एम जैन ने कर्नाटक प्रांत के शाखाओं द्वारा लगातार की जा रही आयोजनों की सराहना की।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर जाप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो के आह्वान पर सम्पूर्ण जैन समाज द्वारा विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन प्रातः 8:01 से 9:36 तक श्रद्धा एवं भक्ति भाव से किया गया। इस पावन अवसर पर सकल जैन समाज रायचूर द्वारा जैन स्थानक में सामूहिक नवकार मंत्र जाप का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1000 से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए।

इसके अतिरिक्त अनेक श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में नवकार मंत्र का जाप कर इस आध्यात्मिक आयोजन में भाग लिया। इस दिव्य आयोजन की

गरिमा बढ़ाने हेतु समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से शांतिलाल मुथा, नरेंद्र मुथा, किशोर अब्बड़, प्रसन्न बोहरा, गौतम घीया, प्रकाशमल चोरडिया, विनीत मरोटी, महावीर हलदार एवं अन्य कई राजस्थानी समाजों के विशिष्टजन उपस्थित रहे।

आयोजन का उद्देश्य विश्व शांति, सुख, समृद्धि एवं सद्भाव के लिए सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप करना था। यह आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ लिया।

कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने सभी वादे भूल गई: विजयेन्द्र

जनविरोधी व्यवहार कर रही

मडिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने सभी वादे भूल गई है और जनविरोधी व्यवहार कर रही है। भाजपा की जनाक्रोश यात्रा के तीसरे दिन बुधवार को यहां आयोजित जनसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव के दौरान सिंचाई को लेकर लड़ाई का नाटक किया था। उन्होंने दो पदयात्राएं की थीं, एक कृष्णा की ओर और दूसरी मेकेदातु की ओर। उन्होंने आपत्ति जताई कि अहिंदा के नाम पर वोट हासिल करने वाले और मुख्यमंत्री बने सिद्धरामैया सभी पिछड़े समुदायों को भूल गए हैं। उन्होंने शिकायत की कि राज्य में 100 से अधिक पिछड़े समुदाय हैं और कांग्रेस उन्हें भूल गई है तथा केवल अल्पसंख्यकों और मुसलमानों के पक्ष में खड़ी हो गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भले ही चुनाव नहीं हो रहे हैं, लेकिन भाजपा जन-समर्थक संघर्ष में उतर गई है। राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए 20 महीने हो गए हैं। उन्होंने 50 आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाकर लोगों को संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, राज्य के लोग, जिन्होंने अतीत में वोट दिया था, सिद्धरामैया और कांग्रेस सरकार को कोस रहे हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गईं। दूध की कीमत बढ़ा दी गई।

उन्होंने सिद्धरामैया सरकार पर आरोप लगाया कि उसने मात्र 20 महीनों में दूध की कीमतें तीन बार बढ़ाकर क्षुद्रता दिखाई है। भले ही केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी हैं, लेकिन इसका बोझ जनता पर नहीं डाला है। उन्होंने सरकारी कार्यों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के असंवैधानिक कदम, गैर-हिंदुओं के नाम पर सत्ता में आए कांग्रेसियों और सिद्धरामैया द्वारा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक और शैक्षिक विकास के लिए निर्धारित 38,500 करोड़ रुपये के दुरुपयोग की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर विपक्षी नेता आर. अशोक, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, तत्काल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, सांसद यदुवीर वाडियार, विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य उपाध्यक्ष एम. राजेंद्र, कोडागु जिला अध्यक्ष रवि कलप्पा, रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, संभाग प्रभारी उदयकुमार शेट्टी, राजेश कावेरी, पूर्व जिला अध्यक्ष रोबिन देवैया, पार्टी नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरकार ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए को विनियमित करने के लिए नया कानून लाएगी: गृह मंत्री

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि सरकार ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए को विनियमित करने के उद्देश्य से एक नया कानून लाएगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों की एक समिति गठित की गई है और उसे प्रस्तावित विधेयक का मसौदा प्रस्तुत करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। परमेश्वर ने कहा मैंने मंगलवार को आईटी मंत्री के साथ ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संबंध में एक बैठक की अध्यक्षता की। उद्योग के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। अभी तक उन्हें विनियमित करने के लिए कुछ भी नहीं है। वे कानून के अनुसार लाइसेंस प्रणाली और विनियमन शुरू करने पर सहमत हुए हैं।

उन्होंने कहा एक बार मसौदा प्रस्तुत हो जाने के बाद, हम एक नया कानून लाएंगे। सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने पिछले महीने कहा था कि सरकार पूरे ऑनलाइन गेमिंग, असली पैसे वाले गेमिंग को कानूनी पैरामीटर के तहत लाने पर विचार कर रही है। इससे पहले गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य की सीमा से जिले के माध्यम से राज्य में मारिजुआना और अन्य मादक पदार्थों की आपूर्ति को रोकने के लिए चेक पोस्ट स्थापित करके कड़ी निगरानी रखी जाएगी। वह चिक्कबल्लापुर शहर के बाहरी इलाके में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित पुलिस प्रगति समीक्षा बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे।

चिक्कबल्लापुर जिले में 40,000 से अधिक छात्र पोस्ट-पीयूसी और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, और इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को नशे के शिकार नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभाग को चेतावनी दी गई है कि इस कारण सख्त कार्रवाई की जरूरत है। जिले में दो प्रमुख राजमार्ग हैं, जहां दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा इसे नियंत्रित करने के लिए टिपर सहित बड़े वाहनों की आवाजाही को विनियमित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पॉक्सो मामलों में सबूतों के अभाव में असली दोषियों को सजा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में 165 से अधिक स्टाफ के पद रिक्त हैं और उनकी भर्ती के लिए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा जैसा कि पुलिस प्रगति समीक्षा में देखा गया है, पुलिस द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के कारण चिक्कबल्लापुर जिले में कानूनी व्यवस्था पर्याप्त और शांतिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा कोई जनाक्रोश नहीं है, यह सिर्फ भाजपा का गुस्सा है। भाजपा पार्टी के सदस्य राज्य में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की शासन शैली से भयभीत हैं, इसलिए उन्होंने लोगों को गुमराह करने के लिए यात्रा शुरू की है। इस अवसर पर मध्य जोन के पुलिस महानिदेशक लाबूराम, जिला पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसे सहित विभिन्न जिला स्तरीय पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

12वीं कक्षा के नतीजों से उत्पन्न भावनात्मक संकट के बाद पांच छात्राओं ने आत्महत्या की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक बेहद दुखद घटनाक्रम में, कर्नाटक में पांच छात्राओं ने द्वितीय प्री-यूनिवर्सिटी (द्वितीय पीयूसी) या कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा-1 के परिणामों की घोषणा के बाद आत्महत्या कर ली, जबकि राज्य सरकार ने बार-बार आश्वासन और अपील की थी। पिछले 24 घंटों के भीतर मैसूरु, बल्लारी, दावणगेरे, हावेरी और बेंगलूरु से ऐसी घटनाएं सामने आई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि छात्राएं कथित तौर पर अपने परीक्षा प्रदर्शन से परेशान थीं। मैसूरु में, बोंटिकोप्पल में सरकारी पीयू कॉलेज की छात्रा ईश्वर्या को परिणामों के बाद मृत पाया गया। बल्लारी के सिरगुप्पा तालुक की विजयलक्ष्मी सिरिगुप्पा ने भी कथित तौर पर पिछले परिणाम से निपटने में असमर्थ होने के कारण आत्महत्या कर ली।

दावणगेरे में, द्वितीय पीयूसी विज्ञान की छात्रा कृपा ने यह जानने के बाद आत्महत्या कर ली कि वह अपने पहले प्रयास में सफल नहीं हो पाई। हावेरी के हमसभावी पुलिस स्टेशन की सीमा में रहने वाली काव्या बसप्पा लमनी की भी अपने परिणाम को स्वीकार करने में संघर्ष करने के बाद मृत्यु हो गई।

बेंगलूरु में विद्यारण्यपुरा की एक छात्रा ने बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित होने से कुछ घंटे पहले यह कदम उठाया। पुलिस का कहना है कि परिणाम को लेकर डर और चिंता ने उसके इस निर्णय को प्रेरित किया होगा। यह घटना ससगिरि लेआउट में उसके अपार्टमेंट में हुई।

इन सभी मामलों की जांच चल रही है। स्थिति को देखते हुए, शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने पहले छात्रों से घबराने की अपील नहीं की थी।

उन्होंने बताया कि विभाग ने छात्रों को पास होने के लिए कई मौके देने के लिए तीन-परीक्षा प्रणाली शुरू की है। उन्होंने कहा यह केवल पहली परीक्षा का परिणाम है।

अभी तक किसी भी छात्र को फेल नहीं माना जा रहा है। उनके पास अभी दो और अवसर हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान में परिणाम केवल उन छात्रों को दर्शाते हैं जो पास हुए हैं, और अंतिम परिणाम तीनों परीक्षाओं के आयोजित होने के बाद घोषित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी छात्रों से उम्मीद न खोने की अपील की। उन्होंने कहा जीवन एक परीक्षा से कहीं बढ़कर है।

सफल होने का हमेशा एक और मौका होगा। शांत रहें और आवेगपूर्ण निर्णय न लें। सरकार द्वारा सहायता और लचीलापन प्रदान करने के प्रयासों के बावजूद, इन हृदय विदारक घटनाओं ने शैक्षणिक दबाव से जूझ रहे छात्रों के लिए मजबूत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, परामर्श और भावनात्मक समर्थन की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड ने 73.45 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत की घोषणा की, जिसमें 6.37 लाख में से 4.68 लाख छात्र परीक्षा में सफल हुए।

दूसरे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रस्ताव का विरोध स्वयं कांग्रेसियों की ओर से आ रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार द्वारा मौजूदा केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बोझ से बचने के लिए बेंगलूरु के आसपास एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के प्रस्ताव का उसकी अपनी ही पार्टी ने विरोध किया है। 30 से अधिक कांग्रेस विधायकों ने कनकपुरा या नेलमंगला में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थापित करने के सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया। विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर मध्य कर्नाटक और कित्तूर कर्नाटक के प्रवेश द्वार तुमकुरु जिले के शिरा में दूसरा अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थापित करने की मांग की है। दिल्ली के विशेष प्रतिनिधि एवं पूर्व मंत्री टी.बी. जयचंद्र, डी.जी. शांतनगौड़ा, बी.आर. पाटिल, नयना मोटम्मा, बी.एम. नागराज, एस. राजप्पा, लक्ष्मण सावदी, हंपनागौड़ा बदरली, आनंद

के.एस. एच.डी. थम्मैया, विनय कुलकर्णी, सी.एस. नादगौड़ा, गणेश हुक्केरी, अशोक पट्टन, सुरेश गौड़ा और अन्य ने स्वतंत्र आधार पर एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि कनकपुरा या नेलमंगला के बजाय शिरा में हवाई अड्डा बनाना अधिक लाभदायक होगा। उनका तर्क है कि शिरा में हवाई अड्डा बनाने से मैदानी इलाकों और उत्तरी कर्नाटक को अधिक लाभ होगा। चेन्नई-मुंबई राजमार्ग शिरा से होकर गुजरता है। एचएएल जैसा रक्षा संगठन है। वसंतनारसपुरा में सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र, जापान टाउनशिप, भी जल्द ही बनाया जा रहा है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है। येत्तिनाहोल, ऊपरी भद्रा नदी और हेमावती से सिंचाई की सुविधा है। इस मामले में तर्क यह है कि यदि शिरा में हवाई अड्डा बनाया जाता है तो बेंगलूरु में यातायात की भीड़भाड़ आधी हो जाएगी। इस संबंध में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा। विशेषज्ञों की एक समिति प्रस्तावित स्थानों का दौरा और निरीक्षण कर रही है। विशेषज्ञों की एक टीम ने कनकपुरा रोड पर दो स्थानों का निरीक्षण किया है। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए आवश्यक वातावरण और सुविधाओं के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

इसके बावजूद कनकपुरा और नेलमंगला सहित विभिन्न स्थानों पर हवाई अड्डों के निर्माण की मांग हो रही है। कुल मिलाकर, राज्य में दूसरा हवाई अड्डा बनाने का मुद्दा असमंजस की स्थिति पैदा कर सकता है, तथा राज्य के किस हिस्से में हवाई अड्डा बनाना सर्वोत्तम होगा, इस बारे में प्रशासनिक निर्णय लेना आसान काम नहीं है। यह देखना अभी बाकी है कि सरकार अंततः क्या निर्णय लेगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की एक उच्चस्तरीय टीम ने मंगलवार को शहर में प्रस्तावित दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए राज्य सरकार द्वारा चिन्हित तीन स्थलों में से दो का निरीक्षण किया। ये स्थल कनकपुरा रोड पर स्थित हैं। बाद में, टीम के सदस्यों ने बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम.बी. पाटिल से मुलाकात की और विचारों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर मंत्री ने टीम के सदस्यों को प्रस्तावित हवाई अड्डे की आवश्यकताओं, बेंगलूरु की नागरिक और औद्योगिक आवश्यकताओं आदि के बारे में भी बताया और एक प्रदर्शन भी दिया। उन्होंने टीम को स्थान पहचान का कार्य अत्यंत पारदर्शी तरीके से करने की सलाह दी। प्राधिकरण की टीम में महाप्रबंधक विक्रम सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक के. श्रीनिवास राव, सहायक महाप्रबंधक मनुज भारद्वाज और मुख्यालय अधिकारी सचिदानंद, संतोषकुमार भारती और अमन छीपा शामिल थे।

विधायकों के निलंबन से कर्नाटक में विधानमंडल समितियों का कामकाज प्रभावित: भाजपा विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री और भाजपा विधायक एस. सुरेश कुमार ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा से विपक्षी भाजपा के 18 विधायकों के निलंबन से न केवल उनकी जिम्मेदारियों का निष्पादन प्रभावित हुआ है, बल्कि लोगों की शिकायतों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली विभिन्न विधान समितियों के कामकाज में भी बाधा आई है। सुरेश कुमार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चिंता व्यक्त की कि विधायकों के निलंबन और उसके बाद भाजपा द्वारा अपने सभी विधायकों को ऐसी समितियों की बैठकों में भाग न लेने के निर्णय के कारण ऐसी विधान समितियों का कामकाज, जिसमें सदस्यों के साथ चर्चा और आम जनता की समस्याओं के संबंध में अधिकारियों के साथ समाधान खोजने के प्रयास शामिल हैं, प्रभावित हुआ है। सुरेश कुमार ने

एक उदाहरण देते हुए कहा कि जिस याचिका समिति के वे सदस्य हैं, वह विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को प्रभावित करने वाली समस्याओं का समाधान खोजने में सफल रही है, जो उनके संज्ञान में लाई गई थीं। हालांकि, विधायकों को निलंबित करने के स्पीकर के सख्त रुख और निलंबन वापस होने तक इन समितियों की बैठकों से दूर रहने के भाजपा के फैसले ने भाजपा सदस्यों को बैठकों में भाग लेने से रोक दिया है। उन्होंने स्पीकर यू. टी. खादर से 18 भाजपा विधायकों का निलंबन वापस लेने की फिर से अपील की ताकि विधानमंडल समितियां प्रभावी ढंग से काम कर सकें।

पैकेज्ड पानी खरीदते समय सावधानी बरतें: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने उपभोक्ताओं को राज्य में असुरक्षित पैकेज्ड मिनरल वाटर बोतलों की व्यापक उपलब्धता के बारे में आगाह किया है और उन्हें खरीदते समय अधिक सतर्कता बरतने का आह्वान किया है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि बाजार में वर्तमान में मौजूद कई पैकेज्ड वाटर ब्रांड सुरक्षा परीक्षणों में विफल रहे हैं, जिससे गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा हालांकि पैकेज्ड वाटर हर जगह विभिन्न ब्रांड नामों के तहत उपलब्ध है, लेकिन कई परीक्षण फेल हो जाने पर आवश्यक सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पैकेज्ड वाटर के सभी ब्रांडों से व्यवस्थित रूप से कानूनी नमूने एकत्र कर रहा है, ताकि जहां आवश्यक हो, वहां कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा

एक बार परीक्षण पूरा हो जाने के बाद, मानदंडों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे। खतरों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री राव ने कहा कि जहां कुछ पिछले नमूनों में केवल आवश्यक खनिजों की कमी थी, वहीं अन्य हानिकारक रसायनों और बैक्टीरिया से दूषित पाए गए, जिससे स्वास्थ्य को काफी खतरा है। मंत्री ने आगे बताया कि खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन आयुक्त के कार्यालय ने कर्नाटक सरकार के खाद्य सुरक्षा प्रभाग के साथ मिलकर निगरानी और प्रवर्तन प्रयासों को तेज कर दिया है। फरवरी 2025 में चलाए गए विशेष अभियान के तहत जांच के लिए पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के 296 नमूने एकत्र किए गए। अब तक विश्लेषण किए गए 255 नमूनों में से 72 सुरक्षित, 95 असुरक्षित और 88 घटिया पाए गए। शेष नमूनों का विश्लेषण जारी है। अन्य खाद्य उत्पादों पर भी इसी तरह की जांच की गई। तली हुई हरी मटर के मामले में कृत्रिम रंग का पता लगाने के लिए 115 नमूने एकत्र किए गए। इनमें से 46 नमूने सुरक्षित पाए गए, जबकि 69 असुरक्षित पाए गए। विभाग ने घी के 49 नमूनों की भी जांच की, जिनमें से छह नमूने सुरक्षित पाए गए। शेष अभी भी विश्लेषण के अधीन हैं। खोवा के 43 नमूनों में से नौ का परीक्षण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप तीन घटिया पाए गए और छह नमूनों को सुरक्षित माना गया। पनीर के 231 नमूनों में से 32 का विश्लेषण किया गया, जिसमें दो नमूने असुरक्षित पाए गए। मिठाइयों की जांच में 198 में से दो असुरक्षित पाए गए। खारा (नमकीन) मिश्रण के 119 नमूनों में से चार असुरक्षित पाए गए। पेय पदार्थों के मामले में विभाग ने गुणवत्ता जांच के लिए 46 स्थानीय जूस ब्रांड, 39 आइस कैंडी निर्माता और 107 आइसक्रीम उत्पादकों से नमूने एकत्र किए। मंत्री राव ने यह भी बताया कि जूस, आइस कैंडी और आइसक्रीम इकाइयों सहित 92 खाद्य उत्पादन और बिक्री इकाइयों के निरीक्षण के बाद उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए गए। इसके अलावा, छह इकाइयों पर कुल 38,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी सतर्कता के प्रयास जारी रखे हुए है और लंबित विश्लेषण परिणामों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एनआर रमेश ने सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ एक और घोटाले का पर्दाफाश किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता एन.आर. रमेश ने सिद्धरामैया सरकार में एक और बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। मंत्री सुरेश, रहीम खान और विधायक विनय कुलकर्णी के खिलाफ लोकायुक्त और ईडी में आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिन पर केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अमृत योजना के 17,000 करोड़ रुपये के दुरुपयोग का आरोप है। सीवरेज बोर्ड के मुख्य अभियंता चंद्रप्पा और मुद्दुराजन्ना तथा नगर प्रशासन विभाग के निदेशक प्रभुलिंग कवलिकाट्टी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है और घोटाले से संबंधित पूरे 7,281 पृष्ठों के दस्तावेज लोकायुक्त को सौंप दिए गए हैं। रमेश ने राज्यपाल से घोटाले में शामिल मंत्रियों और विधायकों के खिलाफ मामला दर्ज करने और जांच की अनुमति देने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से केंद्र सरकार की अमृत योजना का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराने को भी कहा है। देश में 500 से अधिक नगर पालिकाओं में अमृत योजना के क्रियान्वयन के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के माध्यम से हर साल औसतन एक लाख करोड़ रुपए जारी किए जाते हैं। वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए राज्य की 27 नगर पालिकाओं में अमृत योजना के कार्यान्वयन के लिए कुल 16,989.66 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। राज्य के शहरी विकास मंत्री सुरेश, नगर प्रशासन मंत्री रहीम खान और विधायक विनय कुलकर्णी सहित इन दोनों विभागों में प्रमुख पदों पर बैठे भ्रष्ट अधिकारियों ने 16,989.66 करोड़ रुपये के अनुदान का 100 प्रतिशत गबन किया है। रमेश ने गंभीर आरोप लगाया है कि 50 करोड़ से अधिक रुपए का दुरुपयोग किया गया है।

समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संरक्षित स्कूल का पुनर्निर्माण एवं उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्र योजना के आयाम संरक्षण – बढ़ते कदम विकास की ओर के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा संरक्षित मालगला स्थित गवर्नमेंट हायर प्राइमरी स्कूल का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन मंगलवार को बेंगलूरु नॉर्थ 1 के ब्लॉक एजुकेशन अधिकारी तारानाथ के कर कमलों द्वारा हुआ। नमस्कार महामंत्र की ध्वनि एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

तत्पश्चात स्कूल की छात्राओं द्वारा गुरु वंदना की गई। मुख्य अतिथि तारानाथ ने कहा कि तेरापंथ महिला मंडल के बारे में जितना कहें वह कम है। उन्होंने स्कूल के विकास के लिए मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद किया। स्कूल की तरफ से एबीटीएमएम के सदस्यों, मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू एवं सभी गणमान्य अतिथियों का माला एवं शाल ओढाकर सम्मान करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

अध्यक्षा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज से दो वर्ष पहले जिस संकल्प के साथ हमने इस कार्य का बीड़ा उठाया था, उस संकल्प को पूरा करते हुए आज बच्चों के विकास एवं सुविधाओं को ध्यान में रखकर इस कार्य को साकार रूप देने का प्रयास किया है। इसके लिए मैं हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं योजना की राष्ट्रीय संयोजिका का धन्यवाद करती हूं, जिनका मार्गदर्शन हमें समय-समय पर मिलता रहा। साथ ही योजना की स्थानीय संयोजिका तथा अपनी पूरी टीम का जिनके अथक परिश्रम और सहयोग से हम यह कार्य पूर्ण कर पाए। योजना की राष्ट्रीय संयोजिका एवं एबीटीएमएम की पूर्व महामंत्री वीणा बैद ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में हमारे 160 शाखा मंडल संपूर्ण भारत में स्कूल संरक्षण का कार्य कर रहे है तथा समृद्ध राष्ट्र योजना भारत सरकार की स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत भी कार्य कर रही है। समाजसेवी कृष्णमूर्ति, प्रवीण, देवराज, कांग्रेस पार्टी के युवा कार्यकर्ता चेतन तथा बेंगलूरु मेट्रो और उपनगरीय रेल पैसेंजर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश मांडोत ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में स्कूल पुनर्निर्माण में विशेष सहयोग के लिए भूपेंद्र हिरण, शशिकला नाहर, मनीष चावत, सरिता लोढ़ा, सोहनलाल चोपड़ा, राजेंद्र मरलेचा, मनीष बोथरा, प्रकाश बैद, मैक कंप्यूटर, सुरेश भंडारी, मिश्रीमल मांडोत तथा साधर्मिक परिवारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एबीटीएमएम से लता जैन, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, पूर्व अध्यक्षा कुसुम डांगी, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, गांधीनगर मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, योजना की संयोजिका महिमा पटावरी एवं मोनिका बांठिया, कामाक्षीपाल्या स्कूल की प्रधानाध्यापक विद्या, स्कूल के प्रधानाध्यापक दसवय्या एवं शिक्षकगण की उपस्थिति रही।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के अंतर्गत लगातार 27 घंटे तक चलने वाली हू एम आई विशेष कार्यशाला का बेंगलूरु में प्रथम आयोजन 5 और 6 अप्रैल को कुंबलगुडु स्थित आचार्य तुलसी चेतना केंद्र में किया गया। सामूहिक नवकार मंत्र के मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तेयुप टीम ने विजय गीत का संगान किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। दिशा चोपड़ा ने ट्रेनर अरविंद मांडोत और रौनक गांधी ने ट्रेनर बबीता राय सोनी का परिचय दिया। मुख्य प्रशिक्षक अरविंद मंडोत ने प्रतिभागियों को आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु सतत अभ्यास, समय पाबंदता, निर्णय लेने की क्षमता का विकास करने, टीमवर्क, मोटिवेशन जैसे अनेक बिंदुओं पर विस्तार से समझाते हुए दैनिक उपयोगी सूत्र सिखाएं। सुबह सभी प्रतिभागियों को ट्रेकिंग के लिए मंचनबेले बैकवॉटर्स ले जाया गया, वहां पर प्रकृति की गोद में शानदार सत्र का आयोजन किया गया। दो दिन चले सत्र में अभातेयुप के राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविंद और सी पी एस राष्ट्रीय प्रशिक्षिका बबीता रायसोनी ने विभिन्न प्रकार से मनोवैज्ञानिक गतिविधि, प्रश्नपत्र, परिचर्चा, रचनात्मक चुनौतियां के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को अपने जीवन के विशेष लक्ष्यों को निर्धारित करने एवं नियोजित करने का मार्गदर्शन किया। व्यावहारिक रूप से सबने अपने लक्ष्य को चार्ट पर अंकित कर उन्हें एक निश्चित समय तक संपूर्ण करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। शनिवारीय 7 से 8 के बीच सामायिक अभ्यास में सामायिक की वैज्ञानिकता के बारे में परिचर्चा उपासक अरविंद मांडोत द्वारा संपादित की गई। कार्यशाला में 35 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। कार्यशाला संयोजक विनीत गांधी का विशेष सराहनीय श्रम रहा। तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, संजय भटेवरा, पवन बैद, अमित नाहटा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, कार्यकारणी सदस्य पीयूष ललवानी की उपस्थिति रही।

हासन तेरापंथ सभा भवन में विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी और सहवर्ती मुनि आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में हासन सकल जैन समाज द्वारा विश्व नवकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष्य में जैनों का सर्वोच्च नवकार महामंत्र जाप का अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने नवकार महामंत्र का 27 मिनट जाप करवाया। महामंत्र की महिमा बताते हुए उन्होंने कहा नवकार महामंत्र मंगलकारी है। वर्तमान समय में होने वाले रिसर्च बता रहे हैं कि इस महामंत्र जाप से अनेक प्रकार की शारीरिक व मानसिक बीमारियां ठीक होती हैं। इससे प्रसन्नता के हारमोंस का निर्माण होता है। मुनि आदित्य कुमारजी ने महामंत्र आधारित गीत के साथ जाप करवाया। तेरापंथ महिला मंडल से सूरज तातेड, रेखा सुराणा, ममता कोठारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। तेरापंथ सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड, जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के देवराज पालरेचा, स्थानकवासी समाज हासन के अध्यक्ष बसंत बोहरा ने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन ममता कोठारी ने किया।

जैन मठ के महंत ने तीर्थस्थल से मांस की दुकानों को हटाने में हो रही देरी पर निराशा जताई

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के चन्नारायपटना तालुक के श्रवणबेलगोला स्थित जैन मठ के अभिनव चारूकीर्ति भट्टारक स्वामी ने लोकप्रिय जैन तीर्थस्थल पर मठ और विंध्यगिरि की ओर जाने वाली मुख्य सड़कों के पास स्थित मांस की दुकानों को हटाने में प्रशासन की ओर से की जा रही देरी पर निराशा जताई है। यहां मीडिया से बातचीत के दौरान महंत ने कहा कि गांव की मुख्य सड़कों के पास कई मांस की दुकानें चल रही हैं।

दुकानों में मांस का खुला प्रदर्शन दूर-दूर से गांव पहुंचने वाले दिगंबर साधुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा। यह स्थान गोमतेश्वर के लिए जाना जाता है, जिन्होंने अहिंसा का संदेश फैलाया था। दिगंबर साधु कठोर अनुष्ठानों का पालन करते हैं।

अगर वे किसी भी वध किए गए जानवर को देखते हैं, तो वे पूरे दिन उपवास करते हैं। बार-बार अपील के बावजूद, प्रशासन गांव के आस-पास की मुख्य सड़कों से मांस की दुकानों को हटाने में सक्षम नहीं हैं।

इससे पहले, संत ने याद किया कि स्वर्गीय चारुकेथी भट्टारक स्वामी ने श्रवणबेलगोला को अहिंसा का स्थान (अहिमा क्षेत्र) घोषित करने की आवश्यकता पर जोर दिया था। हालाँकि, यह अमल में नहीं आया। मठ की बार-बार अपील के बाद, हासन के डिप्टी कमिश्नर ने पंचायतों को मुख्य सड़कों से दूर, मांस की दुकानों को एक निर्दिष्ट स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा स्टॉल को स्थानांतरित करने की समय सीमा समाप्त हुए चार महीने से अधिक हो चुके हैं। वे अभी भी वहीं काम कर रहे हैं, जहां वे पहले थे।

दुकानदार यह कहते हुए शिफ्ट होने को तैयार नहीं हैं कि इससे उनका कारोबार खत्म हो जाएगा। अधिकारी भी उनके आदेशों को लागू करने में पर्याप्त रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

भूमि मठ 2017 से मटन स्टॉल को स्थानांतरित करने की मांग कर रहा है, जब विंध्यगिरि के शीर्ष पर गोमतेश्वर प्रतिमा के भव्य अभिषेक, महामस्तकाभिषेक की तैयारियां चल रही थीं। मठ के अनुरोध के बाद, तालुक प्रशासन ने 12 मीट स्टॉल को स्थानांतरित करने के लिए सर्वेक्षण संख्या 331 में एक एकड़ और पांच गुंटा भूमि की पहचान की। हालांकि, इस संबंध में आगे कोई प्रक्रिया नहीं हुई।

मठ की बार-बार अपील के बाद श्रवणबेलगोला ग्राम पंचायत ने 15 मार्च, 2025 को अपनी बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, सदस्यों में से कुछ स्टॉल को स्थानांतरित करने के विचार के विरोध में थे। उन्होंने कहा कि इस जगह पर सभी धर्मों के लोग रहते हैं और खान-पान की अलग-अलग आदतें हैं और विविधता का सम्मान किया जाना चाहिए।

हालांकि, तालुक पंचायत और डिप्टी कमिश्नर के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, पंचायत ने दुकानदारों के लिए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के बाद स्टॉल को स्थानांतरित करने का संकल्प लिया, जो अभी भी राजस्व विभाग के पास है। ग्राम पंचायत ने स्टॉल को स्थानांतरित करने के लिए उक्त भूमि के अनुदान की मांग करते हुए विभाग को पत्र लिखा है। इस बीच, दुकानदारों का तर्क है कि उनके स्टॉल पहले से ही मठ और विंध्यगिरि से काफी दूर स्थित हैं, जहां अखंड प्रतिमा स्थित है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में बुधवार को जीतो द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र जाप का महावीर भवन में आयोजन हुआ। करीब 400 श्रद्धालुओं ने सामायिक के साथ नवकार मंत्र का जाप किया। जाप के प्रारंभ में अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने नवकार मंत्र का महत्व बताते हुए कहा कि इस मंत्र में मात्र महापुरुषों के गुणों का गुणानुवाद है। इसके जाप से आत्मबल बढ़ता हैं। आलेख मुनि जी ने मंगल पाठ दिया। अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। जैन युवक संघ, महिला मंडल एवं नवकार बहु मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बापूजी नगर में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा रामनवमी के उपलक्ष में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके छाछ पानका वितरण एवं अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन ने राम कथा के साथ मनाया स्थापना दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय राजपुताना सेवा संगठन ने अपने गौरवपूर्ण स्थापना दिवस को इस वर्ष विशेष रूप से धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप देते हुए तीन दिवसीय राम कथा का आयोजन किया। यह आयोजन 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक भव्य रूप से आयोजित किया गया। गौरतलब है कि संगठन की स्थापना रामनवमी के पावन अवसर पर अप्रैल 2011 में हुई थी, और तभी से यह दिन संगठन के लिए सेवा, संगठन और संस्कार की प्रेरणा का प्रतीक बन गया है। इस वर्ष स्थापना दिवस को विशेष रूप से भगवान श्रीराम की स्मृति में राम कथा के माध्यम से मनाया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात कथा वाचिका पूज्या राजनंदनी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, उनके जीवन के प्रेरणादायक प्रसंगों और मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में उनकी भूमिका को अत्यंत भावपूर्ण एवं सरल भाषा में प्रस्तुत किया। कथा स्थल पर भक्तिरस से सराबोर वातावरण में बड़ी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति देखने को मिली।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने कथा समापन अवसर पर संबोधित करते हुए कहा हमारा संगठन केवल सामाजिक कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी जड़ें धर्म, संस्कृति और मर्यादा में गहराई से जुड़ी हैं। राम कथा के आयोजन के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों को अपने संस्कारों और परंपराओं से जोड़ना चाहते हैं। इस सफल आयोजन में विशेष भूमिका बेंगलूरु टीम की रही। संगठन के बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में समर्पित कार्यकर्ताओं ने तीनों दिन तक कार्यक्रम की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया।

कर्नाटक में भाजपा के साथ गठबंधन में कोई दरार नहीं: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक में भाजपा के साथ पार्टी के गठबंधन में किसी दरार से इनकार किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा की जनाक्रोश यात्रा में शामिल नहीं हो रही है, क्योंकि यह उनकी पार्टी को मजबूत करने की कवायद है। साथ ही, उन्होंने कहा कि जद(एस) को भाजपा ने आमंत्रित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भले ही प्रत्येक पार्टी अपने संगठनात्मक लक्ष्यों की दिशा में काम कर रही है, लेकिन गठबंधन मजबूत बना हुआ है और इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने गठबंधन सहयोगियों की समन्वय समिति के गठन के आह्वान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि ऐसी समिति का गठन किया जाना चाहिए।

मैसूरु में नवकार मंत्र दिवस पर जाप का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु जीतो चैप्टर के तत्वावधान में तथा साध्वी वृंद क्षमाशीलाश्री की निश्रा में विश्व स्तर पर नवकार मंत्र दिवस टाउन हॉल परिसर में प्रातः 8 से 9.30 तक आयोजित किया गया। नवकार मंत्र से सभी तीर्थंकर परमात्माओं, साधु- साध्वी तथा गुरुभग्वन्तों को वंदन किया गया। एलईडी स्क्रीन लगा कर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से जैन धर्म व णमोकार महामंत्र के सन्दर्भ में भाव सुने गए। वक्ता गुलेच्छा ने णमोकार महामंत्र व जैन धर्म के सन्दर्भ में जीवनोपयोगी पौराणिक कहानियों व कथाओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम से पहले वक्ता गुलेच्छा ने महल परिसर स्थित आंजनैया स्वामी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। योजना निदेशक राजन बाघमार ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पिछले कई दिनों से अथक प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दरला परिवार, सुरेश कुमार जैन, भैरुलाल पितलिया, विनोद बाकलीवाल सहित अन्य भामाशाहों का सराहनीय सहयोग रहा। इस मौके पर मैसूरु जीतो चैप्टर के निवर्तमान अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, योजना निदेशक राजन बाघमार, वाइस चेयरमैन भैरुलाल पितलिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, सह कोषाध्यक्ष गौतम बाघमार, सचिव प्रेम पालरेचा, रमेश नवलखा, केकेजी जोन संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, महावीर गादिया, मनोहर सांखला, प्रचार-प्रसार प्रभारी मुकेश मेहता, मैसूरु जीतो चैप्टर के यूथ अध्यक्ष सिद्धार्थ कटारिया, सचिव पुनीत जुगराज बालर, जीतो अल्पसंख्यक मैसूरु के संयोजक सुरेश जैन, महिला विंग अध्यक्ष मोना भटेवरा, पर्यावरण जाग्रति वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित, मैसूरु जिला करणी सेना अध्यक्ष कृपालसिंह महेचा, महाराणा प्रताप राजपूत समाज ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष पृथ्वीसिंह चांदावत सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित रहे।

राजराजेश्वरी नगर में विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर जाप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व शांति एवं कल्याण के लिए जीतो के आह्वान पर विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन बुधवार सुबह 8:01 से 9:36 तक राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में किया गया। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी ने इस आयोजन को आत्मा की आध्यात्मिक यात्रा बताते हुए सकल धर्मसंघ से इस जपानुष्ठान से जुड़ने का आह्वान किया। गुरुदेव का इंगित प्राप्त होते ही पूरे राजाराजेश्वरी नगर के श्रावक समाज में उत्साह का संचार हुआ। 325 से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया एवं श्वेत व लाल रंग की छटा से पूरा भवन निखर रहा था। सर्वप्रथम नमस्कार महामंत्र के समवेत स्वर में जप से पूरा वातावरण नवकारमय हो गया।

तत्पश्चात सभी ने दिल्ली के विज्ञान भवन से 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के नाम संबोधन लाइव वीडियो एलईडी के माध्यम से सुना।

तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के कुशल निर्देशन में संयोजिका सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर बैद ने व्यवस्थित रूप से कार्यक्रम संपादित किया। मंच संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया द्वारा किया गया। सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं राजाराजेश्वरी नगर के समग्र जैन समाज की उपस्थिति में मंगलमय वातावरण में कार्यक्रम सानन्द सम्पन्न हुआ।

जम्मू कश्मीर का हाल : विधायकों की कुश्ती का मैदान बन गई विधानसभा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 09 अप्रैल।

लगातार तीसरे दिन यानि बुधवार को भी जम्मू कश्मीर विधानसभा में वक्फ बिल को लेकर हंगामा मचा रहा। यही नहीं सत्र के दौरान सदन में हाथापाई की नौबत आ गई, जिससे सदन कुश्ती के मैदान में तब्दील हो गया।

विधानसभा में बुधवार को उस समय हंगामा देखने को मिला जब भाजपा विधायक बेरोजगारी के मुद्दे पर अपने स्थगन प्रस्ताव को खारिज किए जाने के विरोध में सदन के वेल में आ गए। इसके साथ ही, नेकां विधायकों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025 पर चर्चा की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया और नेकां विधायकों ने खड़े होकर अध्यक्ष से वक्फ कानून पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया।

नेकां विधायकों के विरोध के बीच अध्यक्ष ने बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव को खारिज करने की घोषणा की। अध्यक्ष ने घोषणा की कि मैंने स्थगन प्रस्ताव को खारिज कर दिया है क्योंकि यह तत्काल प्रकृति का मामला नहीं है। अध्यक्ष की घोषणा से भाजपा विधायकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिन्होंने नेकां विधायकों पर नाटक करने का आरोप लगाया। हंगामा तब और बढ़ गया, जब आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के विधायक ने आरोप लगाया कि वक्फ बिल विवाद को लेकर गरमागरम बहस के दौरान कई भाजपा विधायकों ने उन पर हमला किया। यह मौखिक बहस जल्द ही धक्का-मुक्की और हाथापाई में बदल गई, जिसके बाद मार्शलों को बीच-बचाव करना पड़ा।

इससे पहले, विधानसभा की कार्यवाही को झगड़े, स्थगन प्रस्ताव को खारिज किए जाने पर विरोध और सत्तारूढ़ गठबंधन के विरोध के कारण रोक दिया गया था। मेहराज मलिक ने दावा किया कि उनकी बहस पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के विधायकों से पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद को लेकर हुई थी। मेहराज मालिक ने कहा कि पीडीपी के विधायकों के समर्थन में बीजेपी के विधायक आए और उनके साथ मारपीट की। विधानसभा में बहस का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मेहराज मलिक और पीडीपी विधायक वहीद पारा के बीच तीखी बहस हो रही है। मेहराज मलिक कह रहे हैं कि तुमने (वहीद पारा) कौम के साथ गद्दारी की है. इनको लगता है कि मेहराज डरेगा, अरे एक को भी नहीं छोड़ूंगा।

वहीं भाजपा के विधायक विक्रम रंधावा ने कहा कि इसने हिंदुओं को गाली दी है। दो टके का इंसान, एमएलए बनकर आया है तो कुछ भी कहेगा? इन्होंने हिंदुओं को गाली दी है। उसने कहा है कि हिंदू तिलक लगाकर पाप करता है। हिंदू तिलक लगाकर चोरियां करता है। उसको आज बताएंगे। बता दें कि सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के साथ-साथ पीडीपी और अन्य विधायक वक्फ कानून पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। वहीं भाजपा इसका विरोध कर रही है। चर्चा को लेकर स्पीकर का कहना है कि ये मामला कोर्ट में है। उन्होंने चर्चा की अनुमति नहीं दी। इसी को लेकर पिछले तीन दिनों से विधानसभा में हंगामा हो रहा है।

एसटीएफ ने एक लाख के इनामी कुख्यात नक्सली को मारा

पटना, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कुख्यात नक्सली को मार गिराया। उस पर लूट, हत्या और कई नक्सली हमले का आरोप था। 11 अलग-अलग केस में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस से बचने के लिए वह जंगल में छिपा था। लेकिन, मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने उसे मार गिराया।

बिहार में अपराधियों को लगाम लगाने के लिए पुलिस सख्त तेवर अपना चुकी है। बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने कुख्यात नक्सली रमेश टुडू उर्फ टेंटुआ (33) को मार गिराया है। टीम ने यह कार्रवाई बांका के कलोथर जंगल में की। टेंटुआ की तलाश बिहार पुलिस टीम पिछले कई महीनों से कर रही थी। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम भी रखा था।

मंगलवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि टेंटुआ अपने साथियों के साथ कलोथर जंगल में छिपा है। टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

इसी दौरान जंगल से टेंटुआ और उसके साथ नक्सली पुलिस पर गोलियां बरसाने लगे। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाई। इसी दौरान कुख्यात टेंटुआ पुलिस की गोलियों का शिकार हो गया। सिर और सीने में गोली लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हालांकि अन्य नक्सली भागने में कामयाब हो गए। पुलिस इनकी तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रही है। पुलिस ने इस क्षेत्र में नक्सलियों के अन्य ठिकानों पर कार्रवाई तेज कर दी है।

बिहार पुलिस के अनुसार, जंगल में करीब पांच नक्सली छिपे थे। पुलिस ने इसी सूचना के आधार पर नक्सलियों को गिरफ्तार करने पहुंची थी लेकिन वह लोग गोलीबारी करने लगे। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो एक कुख्यात नक्सली को गोली लग गई। पुलिस ने फौरन उसे रेफरल अस्पताल लाया लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं डीएम अंशुल कुमार के निर्देश पर पोस्टमार्टम के लिए कटोरिया बीडीओ विजय कुमार सौरभ को मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया है।

वन ट्रिलियन मिशन में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की अहम भूमिका

मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में हुआ 50 हजार करोड़ का निवेश

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के मिशन में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का उल्लेखनीय योगदान है। इन्वेस्ट यूपी 2.0 की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024-25 में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर ने 2.81 लाख करोड़ रुपए का योगदान किया है। जो वर्ष 2024-25 के लक्षित योगदान का लगभग 77 प्रतिशत है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में इन्वेस्ट यूपी 2.0 के तहत प्रदेश में कई नई मैनुफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित हुई हैं। जो न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रही हैं। मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का हब बनने की दिशा में आगामी वर्ष 2025-26 में 3 लाख करोड़ रुपए निवेश की जरूरत व्यक्त की गई है। इनवेस्ट यूपी योजना के तहत प्रदेश में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के विकास के लिए विशेष प्रयास किये गये हैं। जिसका परिणाम वर्तमान में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में स्थापित हो रही नई इकाइयों और बढ़ते उत्पादन के रूप में देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर ने प्रदेश में 2.81 लाख करोड़ रुपए का सकल मूल्य वर्धन (जीएसवीए) का योगदान दिया है। जबकि वर्ष 2024-25 के लिए 3.61 लाख करोड़ रुपए के मूल्य वर्धन का लक्ष्य रखा गया था। साथ ही सत्र में केवल मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 50 हजार करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। इसके साथ ही यूपी ने भारत सरकार द्वारा जारी आईपीपी सूचकांक में 4.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। सीएम योगी का इन्वेस्ट यूपी 2.0 के तहत विशेष फोकस मैनुफैक्चरिंग सेक्टर पर है । मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ न केवल प्रदेश की जीएसडीपी में वृद्धि साथ ही प्रदेश में रोजगार के नये अवसर भी पैदा हो रहे हैं। इसी दिशा क्रम में इनवेस्ट यूपी की समीक्षा बैठक में बताया गया कि आगामी वर्ष 2025-26 में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर से 1.25 लाख करोड़ के सकल मूल्य वर्धन के लिए 3 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत व्यक्त की गई है। इस दिशा में प्रदेश में नई इकाईयों की स्थापना और एफडीआई आकर्षित करने पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही प्रदेश के लिए लैण्ड बैंक और रॉ मेटेरियल बैंक बनाने के साथ अलीगढ़, उन्नाव, प्रयागराज और झूंसी को विशेष निवेश क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

सरकारी जमीन कब्जा कर बना दिया अवैध मदरसा

उधम सिंह नगर, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में सरकारी जमीनों पर अवैध मदरसे और अवैध मजारें बना दी जा रही हैं और प्रशासन आंखें मूंदे बैठा रहता है। उधम सिंह नगर जिले में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध मदरसा बना दिया गया।

रुद्रपुर तहसील के कुरैया गांव में मदरसा अल्जामिआतुल हुसैनिया बनाया गया और हाल के महीनों में इसमें कमरे बनाकर रंगाई-पुताई भी करा दी गई है। खुफिया विभाग की एक रिपोर्ट के बाद गृह विभाग के निर्देश पर उधम सिंह नगर जिला प्रशासन ने इस बारे में जांच पड़ताल की है और इसके बाद उक्त अवैध मदरसे को सील कर दिया गया है। बताया गया है कि उक्त अवैध मदरसे का रजिस्ट्रेशन नहीं है और यहां पढ़ने वाले बच्चे भी उत्तराखंड से बाहर के हैं। बड़ा सवाल ये है कि आखिरकार किन किन लोगों के संरक्षण में उक्त सरकारी जमीन कब्जाई गई और यहां अवैध मदरसा खोल दिया गया। जिला प्रशासन ने उक्त अवैध मदरसा के संचालकों को नोटिस देते हुए उनकी कुंडली खंगालनी शुरू की तब पता चला कि उक्त भूमि राजस्व विभाग की है और काफी कीमती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बार फिर कहा है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे खाली कराए जा रहे हैं। चाहे अवैध मदरसे हों, अवैध मजारें हों, सरकार अतिक्रमण मुक्त कराने का काम कर रही है और ये अभियान रुकने वाला नहीं है।

पंपोर स्प्रिंग फेस्टिवल की तैयारी

ट्यूलिप और सरसों के फूलों की दिखेगी बहार

जम्मू, 09 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग संबूरा टूरिस्ट विलेज में जल्द ही पंपोर स्प्रिंग फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है, जिसमें क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस वसंत में पंपोर के केसर के खेत जीवंत और रंगीन परिदृश्य में बदल गए हैं, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जंगली ट्यूलिप और सरसों के फूलों के खिलने का अनुभव करने के लिए आकर्षित कर रहे हैं। सरसों के खेतों ने क्षेत्र को चमकीले पीले रंग के समुद्र में बदल दिया, अब गुलाबी और सफेद रंगों के जंगली ट्यूलिप ने इस क्षेत्र को अपने कब्जे में ले लिया है, जो सुनहरे पृष्ठभूमि के साथ एक शानदार विपरीतता पैदा कर रहे हैं।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर आने वाले पर्यटक इस मनोरम दृश्य की प्रशंसा करने के लिए रुकते हैं और इस पल की सुंदरता को कैद करने के लिए उत्सुक रहते हैं। वे कहते हैं कि यह त्यौहार सिर्फ देखने लायक नहीं है, बल्कि सुनने लायक भी है, क्योंकि हवा में पारंपरिक कश्मीरी संगीत की ध्वनि गूंजती रहती है। रबाब की मधुर धुनें और वानवुन की मधुर धुनें इस अनुभव को समृद्ध बनाती हैं, जो वसंत ऋतु के आकर्षण को और बढ़ा देती हैं।

इस प्राकृतिक आश्चर्य ने स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद की है, जो पंपोर के विश्व प्रसिद्ध केसर के खेतों से परे इसके आकर्षण को प्रदर्शित करता है। पर्यटकों ने कश्मीर की एक स्वागतयोग्य और सुरक्षित गंतव्य के रूप में प्रशंसा की है, जिससे अन्य लोगों को इस क्षेत्र में आने और आकर्षक ट्यूलिप के खिलने और अन्य सुंदर चमत्कारों का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। स्थानीय लोगों का गर्मजोशी भरा आतिथ्य अनुभव को और बढ़ाता है, जिससे पंपोर प्रकृति प्रेमियों के लिए एक दर्शनीय स्थल बन जाता है।

सरसों के खेतों के साथ-साथ जंगली ट्यूलिप के आगमन ने पंपोर के केसर से भरपूर करेवास की जैव विविधता और पर्यटन क्षमता को बढ़ाया है, जिससे कश्मीर के खजाने के रूप में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। वसंत ऋतु के पूरे जोरों पर होने के साथ, पंपोर घाटी की विविध सुंदरता का प्रमाण बना हुआ है, जिसमें सांस्कृतिक समृद्धि के साथ फूलों की चमक का मिश्रण है।

कई जिलों में आतंकी देखे जाने की खबर

सतर्क सुरक्षाबलों ने छेड़ा व्यापक तलाशी अभियान

जम्मू, 09 अप्रैल (ब्यूरो)।

प्रदेश में कई जिलों और कस्बों में संदिग्ध आतंकियों को देखे जाने के बाद फैली दहशत के चलते सुरक्षाबलों ने कई इलाकों में व्यापक तलाशी अभियानों को तेज कर दिया है। इन तलाशी अभियानों का एक ही मकसद है, आतंकियों को तलाश करो और मार डालो। पर उन संदिग्धों में से फिलहाल कोई भी हाथ नहीं आया है जिनके प्रति सूचनाएं अफवाहों की तरह फैल रही हैं।

यही नहीं हीरानगर से भागने वाले आतंकियों को भी सुरक्षाबल अभी तक तलाश नहीं कर पाए हैं। जबकि उस दल के बचे हुए आतंकियों को कभी कठुआ के अन्य कस्बों में तो कभी पंजाब के पठानकोट कस्बे में देखे जाने की खबरों के बाद पंजाब पुलिस ने भी अब अपने इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान छेड़े हैं। हालांकि इन तलाशी अभियानों में कई जगह कामयाबियां भी मिली हैं पर उस पार से ताजा घुसे उन आतंकियों में से कोई भी मारा नहीं गया है जिनके प्रति सूचनाएं पिछले 15 दिनों से मिल रही हैं। इस बीच जानकारी देते हुए सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 12 मार्च को बांडीपोरा जिले के गुंडबल जंगल से सीआरपीएफ, जेकेपी और 13 आरआर की एक टीम ने दो आतंकवादी सहयोगियों को पकड़ा था। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने दो चीनी ग्रेनेड, एक एके 47 मैगजीन, 18 एके राउंड, मैगजीन के साथ एक पिस्तौल और आठ राउंड बरामद किए हैं।

इसी तरह 26 मार्च को सुरक्षा एजेंसियों ने बारामुल्ला जिले के नामलान जंगल में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारी ने बताया कि जंगल क्षेत्र से आईईडी और ग्रेनेड बरामद किए गए हैं। सीआरपीएफ द्वारा मार्च माह के दौरान चलाए गए अभियानों की उपलब्धियों का ब्यौरा देते हुए अधिकारी ने बताया कि 17 मार्च को कुपवाड़ा जिले में एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादी के पास से एक एके 46 राइफल, चार एके मैगजीन, आठ एके राउंड, एक कलाई घड़ी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। इसी तरह 12 मार्च को सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने बांडीपोरा इलाके से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

इस बीच पुंछ जिले के पुंछ शहर में आतंकियों की आवाजाही के बारे में कुछ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित दावों का पुलिस ने जोरदार खंडन किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने स्पष्ट किया कि ऐसी रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है और लोगों से असत्यापित और संवेदनशील जानकारी फैलाने से बचने का आग्रह किया। पुलिस ने इस बात पर जोर दिया कि सोशल मीडिया पर असत्यापित सामग्री साझा करने से अनावश्यक दहशत पैदा हो सकती है और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित हो सकती है। अधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया हैंडल को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और निराधार दावों को प्रसारित करने से बचना चाहिए, खासकर वे जो सुरक्षा मामलों से संबंधित हों।

खरगोश के खून से बनाया जा रहा हेयर ग्रोथ ऑयल

अमेजन-फ्लिपकार्ट पर बिक रहा तेल: तमिलनाडु में छापा

चेन्नई, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

तमिलनाडु की एक कंपनी में हेयर ऑयल में खरगोश के खून का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे बालों की ग्रोथ के लिए उत्तम बताया गया है। जब इस बात का खुलासा हुआ, तो इसके खिलाफ लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिला। वहीं सोशल मीडिया साइट्स पर लोग इसके विरोध में अपनी कड़ी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हेयर ऑयल बनाने वाली कंपनी ने इसे लेकर दावा भी किया है, कि उनके पास आईएसओ सर्टिफिकेट है, जो प्रोडक्ट की गुणवत्ता की गारंटी देता है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर हेयर ऑयल धड़ल्ले से बिक रहा है। तेल बनाने वाली कंपनी का नाम पुनर्जीवनी है। खुलासे के बाद गुस्साए लोग इसी बिक्री पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। मामला सामने आने के बाद डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग्स कंट्रोल (डीडीसी) ने तमिलनाडु में तेल बेचने वाली तीन दुकानों पर छापा मारा। मामले पर तेल बनाने वाली कंपनी ने दावा किया है, कि यह उनके आयुर्वेदिक फार्मूले का हिस्सा है। खरगोश के खून से बने तेल में जरूरी तत्व होते है, जो बालों की ग्रोथ के लिए जरूरी होते हैं।

फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म कलाकार विष्णु मांचू, प्रभु देवा और विनय माहेश्वरी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

16 लाख राज्य कर्मचारियों को योगी सरकार ने दी बड़ी सौगात

दो प्रतिशत बढ़ा दिया महंगाई भत्ता

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने कहा कि उसने राज्य कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। भारत सरकार के निर्णय के अनुरूप प्रदेश की योगी सरकार ने अपने कर्मचारियों को 1 जनवरी 2025 से मूल वेतन पर महंगाई भत्ते (डीए) की दर 53% से बढ़ाकर 55% करने का फैसला लिया है। इस निर्णय से राज्य सरकार के कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रदेश के कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि राज्य कर्मचारियों के हितों का संरक्षण हमारी शीर्ष प्राथमिकता है।

फैसले के तहत, केंद्रीय कर्मचारियों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी डीए में वृद्धि का लाभ मिलेगा। निर्णय से राज्य के कर्मचारी, सहायता प्राप्त शिक्षण/प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित और पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्यप्रभारी कर्मचारी और यूजीसी स्केल में वेतन पाने वाले कर्मचारी लाभान्वित होंगे। इस वृद्धि से लगभग 16 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। अप्रैल 2025 के वेतन (मई में भुगतान) के साथ बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा। ऐसे में सरकार पर मई 2025 में 107 करोड़ रुपए तथा एरियर के भुगतान पर 193 करोड़ रुपए का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। वहीं, ओपीएस से आच्छादित कर्मचारियों के जीपीएफ में 129 करोड़ रुपए जमा होंगे। पूरे वित्तीय वर्ष के लिए यह व्ययभार 107 करोड़ रुपए प्रति माह होगा।

योगी सरकार का यह कदम कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत के साथ-साथ उनकी कार्यक्षमता और संतुष्टि को बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। यह कदम योगी सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता दी जाती है, साथ ही राज्य के विकास और समृद्धि के लिए एक सकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

राज्य कर्मचारियों का डीए बढ़ाये जाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य कर्मचारियों के हितों का संरक्षण हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य कर्मचारियों को 53% की दर से प्रदान किए जा रहे महंगाई भत्ता को दिनांक 01.01.2025 से 55% किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से लगभग 16 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

योगी सरकार ने 73 नए संस्कृत कॉलेजों को मान्यता दी

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

संस्कृत के प्रचार-प्रसार और रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में प्रदेश में 73 नए संस्कृत महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान की गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ने चार नए डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किए हैं। जिनका उद्देश्य छात्रों को रोजगार से जोड़ना है। इसके तहत प्रदेश के 184 संस्थानों में डिप्लोमा स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

योगी सरकार ने संस्कृत भाषा के विकास के लिए लगातार प्रयास किए हैं। नए संस्कृत महाविद्यालयों की मान्यता से लाखों छात्रों को लाभ मिलेगा। साथ ही नए विद्यालयों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भी संस्कृत शिक्षा का अवसर मिल सकेगा। जिससे वे अपना भविष्य बेहतर बना पाएंगे। संस्कृत न केवल भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। इन नए प्रयासों से प्रदेश के युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

सचिव माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद शिव लाल ने बताया कि योगी सरकार के प्रयास से युवाओं के लिए संस्कृत के क्षेत्र में रोज-गार की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। आने वाले समय में प्रदेश के युवाओं को योगी सरकार की योजनाओं का बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा।

कारों की ब्रिकी में यूपी ने बनाया रिकॉर्ड

4.43 लाख कारों की बिक्री, यूपी दूसरे स्थान पर

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूपी में कारों की बिक्री तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान प्रदेश 4.43 लाख कारों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, महाराष्ट्र 4.68 लाख कार बेचकर पहले स्थान पर रहा। कारों की बिक्री की रेस में उत्तर प्रदेश ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान प्रदेश 4.43 लाख कारों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, महाराष्ट्र 4.68 लाख कार बेचकर पहले स्थान पर रहा। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु उत्तर प्रदेश से बहुत पीछे छूट गए हैं।

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का मानना है कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ने और आर्थिक गतिविधियों में तेजी की वजह से कार खरीदने वालों की संख्या बढ़ी है। यही रफ्तार रही तो प्रदेश इस साल कार बिक्री के मामले में देश में पहले नंबर पर पहुंच जाएगा।

एक साल में पांच लाख कारों की बिक्री की दहलीज पर खड़े उत्तर प्रदेश ने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को हैरान कर दिया है। प्रदेश महाराष्ट्र से महज 25 हजार कार पीछे है। पश्चिम बंगाल इस मामले में शीर्ष 10 राज्यों की सूची से बाहर हो गया है। पिछले तीन साल में यूपी ने कारों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2023-24 में 3.96 लाख, तो वर्ष 2022-23 में 3.49 लाख कारें बिकी थीं।

ई-वाहन सेक्टर में पिछले तीन वर्ष में सबसे तेज वृद्धि देखी गई है। प्रदेश में वर्ष 2022 में 1.62 लाख ई वाहन बिके थे, जो 2023 में 2.78 लाख हो गए।

वर्ष 2024 में 3.02 लाख ई वाहन बिक गए। तीन वर्ष में ही करीब 100 फीसदी वृद्धि के साथ ये सेक्टर सबसे आगे निकल गया है। इस अवधि में पेट्रोल वाहनों की बिक्री करीब नौ और डीजल वाहनों की करीब 5 फीसदी बढ़ी है। वहीं, बीते दो वर्ष में सीएनजी वाहन खरीदने वाले 57 हजार से 37 हजार रह गए हैं। हालांकि, पेट्रोल वाहनों की बिक्री में करीब 10 फीसदी तेजी आई है। दोपहिया वाहनों की मांग पिछले तीन वर्ष में करीब 15 फीसदी बढ़ी है।

यूपी को फार्मा हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

यूपीसीडा और आईआईटी बीएचयू के बीच हुआ करार

वाराणसी/लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश अब फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में भी देश का अग्रणी राज्य बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। योगी सरकार की पहल पर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के बीच एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता यूपीसीडा द्वारा बुंदेलखंड के ललितपुर जिले में विकसित किए जा रहे फार्मा पार्क को लेकर है। इस परियोजना के तहत कुल 1,472 एकड़ भूमि पर फार्मास्यूटिकल उद्योगों को स्थापित करने की योजना है। यह

भूमि पांच गांवों सैदपुर (426 एकड़), गदोलिकला (249 एकड़), लरगन (239 एकड़), करौंदा (116 एकड़) और रामपुर (441 एकड़) में फैली हुई है।

आईआईटी बीएचयू का फार्मास्यूटिकल इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी विभाग इस परियोजना में प्रमुख भूमिका निभाएगा। विभाग की विशेषज्ञता का लाभ लेकर फार्मा पार्क्स में कार्यरत कंपनियों को योग्य मानव संसाधन, अनुसंधान सहयोग और तकनीकी समाधान प्राप्त होंगे। समझौते के मुख्य बिंदु में शामिल है प्लेसमेंट सहयोग, कौशल विकास और प्रशिक्षण और अनुसंधान एवं नवाचार सहयोग। उत्तर प्रदेश सरकार का यह प्रयास राज्य में फार्मा सेक्टर के लिए मजबूत आधार तैयार करेगा। फार्मा पार्क को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है कि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फार्मा कंपनियों को आकर्षित कर सकें। इससे राज्य में नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस समझौते से न केवल औद्योगिक विकास को बल मिलेगा, बल्कि बुंदेलखंड जैसे पिछड़े क्षेत्र को भी सामाजिक और आर्थिक समृद्धि प्राप्त होगी। राज्य के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण रोज-गार के अवसर मिलेंगे, और वे अपने ही राज्य में एक स्थायी करियर बना सकेंगे।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने कहा, यह समझौता उत्तर प्रदेश की औद्योगिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। हमारा उद्देश्य केवल जमीन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि एक समावेशी और सशक्त औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। आईआईटी बीएचयू के डीन प्रोफेसर राजेश कुमार ने कहा, हम इस साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं। हमारे पास फार्मास्यूटिकल क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने की तकनीकी क्षमता है। हम नॉलेज पार्टनर के रूप में अपना योगदान देंगे।

महिलाओं के लिए खुलेंगी वन स्टॉप सेंटर की 17 नई यूनिट

लखनऊ, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण के लिए सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कर चल रही योगी सरकार ने 'वन स्टॉप सेंटर' योजना का विस्तार करते हुए राज्य में 17 नई इकाइयों की स्थापना करने जा रही है। यह पहल हिंसा से पीड़ित महिलाओं को तत्काल सहायता और समग्र समर्थन प्रदान करने की दिशा में योगी सरकार का महत्व-पूर्ण कदम है। यह विस्तार प्रदेश की बड़ी जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि संकटग्रस्त महिलाओं तक मदद की पहुंच सुनिश्चित हो सके।

वन स्टॉप सेंटर योजना की शुरुआत वित्तीय वर्ष 2015-16 में केंद्र सरकार की शत-प्रतिशत वित्त पोषण के तहत हुई थी। अपने शुरुआती वर्षों में यूपी में जमीन तलाश रही इस योजना को 2017 के बाद सीएम योगी के नेतृत्व में गति मिली, प्रदेश की महिला एंव बाल विकास विभाग राज्य में प्रभावी रूप से संचालित कर रही है। इस योजना के तहत हिंसा की शिकार महिलाओं को अल्पकालिक प्रवास, चिकित्सा सहायता, परामर्श, विधिक सहायता, और पुलिस सहायता जैसी सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती हैं। वर्तमान में प्रदेश के 75 जनपदों में 79 वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जो अब तक 2.10 लाख से अधिक मामलों में महिलाओं और बालिकाओं की मदद कर चुके हैं। यह केंद्र महिलाओं के लिए 'संकटमोचक' की भूमिका निभा रहे हैं, जो उन्हें न केवल तत्काल राहत प्रदान करते हैं, बल्कि उनके पुनर्वास और सामाजिक एकीकरण में भी सहायक हैं।

भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश की विशाल जनसंख्या और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए 17 अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर की स्थापना की मंजूरी दी है। इनमें लखनऊ में 2, वाराणसी में 2, प्रयागराज में 2, और लखीमपुर खीरी में 2 नई इकाइयां शामिल हैं। इसके अलावा, बरेली, कानपुर नगर, गौतमबुद्धनगर, मेरठ, गोरखपुर, सहारनपुर, झांसी, आगरा, और बिजनौर में एक-एक नया केंद्र खोला जाएगा। इन केंद्रों की स्थापना की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को शीघ्र लाभ मिल सके। इसके साथ ही, फरवरी 2025 से हर वन स्टॉप सेंटर पर आपातकालीन सेवाओं के लिए एक वाहन की व्यवस्था भी की गई है, जो पीड़ितों तक त्वरित मदद पहुंचाने में सहायक साबित हो रही है।

वन स्टॉप सेंटर की सफलता इसके आंकड़ों में साफ दिखती है। पिछले 10 वर्षों में 2.10 लाख से अधिक मामले संदर्भित हो चुके हैं, जिसमें हजारों महिलाओं बालिकाओं को नई जिंदगी मिली है। नई इकाइयों के साथ यह संख्या और बढ़ेगी, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अभी तक इस सुविधा की कमी थी। वाहन की व्यवस्था से आपात स्थिति में प्रतिक्रिया समय में सुधार होगा, जो महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वन स्टॉप सेंटर योजना को मजबूत करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

श्रीरामलला मंदिर में 30 को होगी 18 मूर्तियों की स्थापना

अयोध्या, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

श्रीराम मंदिर के निर्माण कार्य में तेजी देखने को मिल रही है। योगी सरकार की निगरानी में यह ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण कार्य अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार और परकोटा में छह मंदिरों की स्थापना होगी। इनमें सूर्य, भगवती, अन्नपूर्णा, शिवलिंग, गणपति और हनुमान जी की मूर्तियां शामिल हैं। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में लक्ष्मण जी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। सप्त मंडप में महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य मुनि, निषाद राज, शबरी और अहिल्या की मूर्तियां स्थापित होंगी। ये सभी प्रतिमाएं सफेद मकराना मार्बल से तैयार की गई हैं, जिनका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। मूर्तियों के श्रृंगार, वस्त्र और आभूषणों की तैयारी भी जोरों पर है। चंपत राय ने बताया कि तुलसीदास जी की मूर्ति पहले ही स्थापित की जा चुकी है और यात्री सुविधा केंद्र के मंडप में श्रद्धालु उनके दर्शन कर सकेंगे। 15 अप्रैल के बाद जयपुर से इन मूर्तियों को अयोध्या लाने का कार्य शुरू होगा। जैसे-जैसे मूर्तियां पहुंचेंगी, उन्हें निर्धारित स्थानों पर रखा जाएगा।

कुल 18 प्रतिमाओं की स्थापना का कार्य लार्सन एंड टुब्रो द्वारा सम्पन्न किया जाएगा। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर राम दरबार को प्रथम मंजिल के गर्भगृह में स्थापित कर दिया जाएगा। जून में ट्रस्ट के सभी सदस्यों की उपस्थिति में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होगा, जिसमें जलवास, अन्नवास, औषधिवास और शैय्यावास जैसे अनुष्ठान शामिल होंगे। शेषावतार मंदिर का कार्य बाद में शुरू होगा, जिसके लिए अंदर के टावर क्रेन हटाए जाएंगे। इसके बाद परकोटा के उत्तर और दक्षिण हिस्से का निर्माण शुरू होगा, राम मंदिर का निर्माण कार्य जो अक्टूबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। मंदिर में चार द्वार बनाए जा रहे हैं- उत्तर दिशा का द्वार, क्रॉसिंग 11 का द्वार, क्रॉसिंग 3 का द्वार और राम जन्मभूमि का मुख्य प्रवेश द्वार। इन द्वारों के नाम रामानुज, शंकराचार्य, माधवाचार्य और रामानंदाचार्य की परंपराओं के आधार पर रखे जाएंगे, जो भारत की आध्यात्मिक एकता को दर्शाएंगे। महासचिव चंपत राय ने बताया कि शिखर का पूजन हो चुका है और भुज दंड सहित अन्य हिस्सों की स्थापना क्रमिक रूप से की जाएगी।

प्रयागराज के पुरंदर दास और गिलहरी की प्रतिमाएं भी मंदिर परिसर में स्थापित होंगी। योगी सरकार की सक्रिय भागीदारी से यह परियोजना न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन के लिहाज से भी अयोध्या को नई पहचान दे रही है।

संपादकीय

भारत में मंदी नहीं

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वार से दुनिया के देशों में हाहाकार, कोहराम मचा है। शेयर बाजार औंधे मुंह गिर रहे हैं। भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं। करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा संभव है कि वह इस नुकसान की भरपाई जल्द ही कर ले! हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है। बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सडक़ों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। भीड़ के निशाने पर खरबपति अमरीकी एलन मस्क भी हैं। उनकी टेस्ला कारें जलाई जा रही हैं। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए हैं। इतनी जल्दी उनकी लोकप्रियता के पतन को देखकर हर कोई हैरान है। शायद ऐसा किसी भी अमरीकी राष्ट्रपति के संदर्भ में नहीं हुआ! बेशक टैरिफ वार का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा, लिहाजा अमरीका के मित्र माने जाने वाले यूरोप और नाटो देश भी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन सरीखी अंतरराष्ट्रीय पंचायतों पर भी प्रहार किए हैं और वह वैश्वीकरण की धारणा और व्यवस्था को ही खत्म करने पर आमादा हैं, नतीजतन दुनिया की स्थापित 'सप्लाई चेन' भी खंडित होगी, लिहाजा नए व्यापारिक समीकरण बनेंगे और नई सप्लाई चेन भी स्थापित हो सकती है। अलबत्ता निर्यात कम होंगे। मांग कम होगी। मंदी के आसार बनेंगे। सरकारों को तैयार हो जाना चाहिए। यदि देश अमरीका पर ही टैरिफ लगाते हैं और अन्य देशों पर पहले जैसा ही टैरिफ वसूलते हैं, तो उसके परिणाम अलग होंगे। अमरीका के टैरिफ प्रहार पर फिलहाल भारत सरकार खामोश और निश्चिंत लग रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय आगामी 6 सप्ताह तक टैरिफ वार के चौतरफा प्रभावों का विश्लेषण करना चाहता है। बेशक भारत के कारोबार और अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, लेकिन आर्थिक मंदी की बात करना या दुष्प्रचार करना गलत है। भारत में घरेलू बाजार, मांग और खपत व्यापक है। हम अमरीका को निर्यात के ही भरोसे नहीं हैं, क्योंकि भारत बड़ा निर्यातक देश नहीं है। हमारी जीडीपी में माल निर्यात की हिस्सेदारी मात्र 10 फीसदी है। जीडीपी का मात्र 2 फीसदी ही अमरीका की टैरिफ नीति से प्रभावित होगा। भारत मुख्यतः 'सर्विस इकोनॉमी' है। जीडीपी में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 65 फीसदी है। अमरीका को जो सेवा-निर्यात किया जाता है, उस पर टैरिफ बढ़ाया नहीं गया है, लिहाजा इस 'ट्रेड वार' से लगभग मुक्त रहेगा। भारत घरेलू मांग पर आधारित अर्थव्यवस्था है, लिहाजा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भी हमने खाद्य-संकट महसूस नहीं किया। अब भी संभावना यही है कि अमरीका और चीन के बीच टैरिफ-युद्ध के आसार के मद्देनजर बड़े विदेशी निवेशक भारत में लौट सकते हैं। बहरहाल मंदी के आसार न भी हों, लेकिन व्यापारिक खौफ और अंतरराष्ट्रीय मांग के कम होने के कारण हमारे ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, फार्मा और ऊर्जा के बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। भारत को 'पलटवार टैरिफ' लगाना चाहिए।

भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं। करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा संभव है कि वह इस नुकसान की भरपाई जल्द ही कर ले! हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है। बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सडक़ों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। भीड़ के निशाने पर खरबपति अमरीकी एलन मस्क भी हैं।

देश की संसद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पारित कर दिया

मोदी का मजबूत निर्णय

डॉ राकेश कुमार आर्य

देश के संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर एक वर्ग विशेष या संप्रदाय विशेष को उसकी धार्मिक मान्यताओं को बलवती करने के लिए प्रोत्साहित करना पूर्णतया असंवैधानिक कृत्य था। परंतु कानून बनाकर इसे संवैधानिक घोषित कर दिया गया। इस विषय में प्रारंभ में नेहरू जी ने अंग्रेजों की नीति का अनुकरण किया। जी हां, उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का जिन्होंने मुगल काल में अनैतिक ढंग से काटी जाती रही गायों की हिंदुओं के द्वारा जब आलोचना होते हुए देखी तो 1707 में इस संबंध में एक विशेष कानून लाकर देश में गायों का कत्लगाह बनाने का कानून पारित किया। जिसमें प्रतिदिन 32 से 35000 गाएं काटी जाती थीं, इस प्रकार उन्होंने एक अनैतिक कार्य को वैधानिक बना दिया।

सचमुच 2 अप्रैल 2025 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखे जाने योग्य है। क्योंकि इस दिन देश की संसद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पारित कर दिया है। ध्यान रहे कि इस विध्वंसकारी और देश विरोधी कानून को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में देश की संसद से पारित करवाया था। नेहरू जी ने इस बात पर तनिक भी विचार नहीं किया था कि सांप्रदायिक आधार पर देश का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग की नीतियों और विचारों को अब देशहित स्वीकार नहीं किया जा सकता? उसके बाद 1995 में इस कानून को और भी अधिक मजबूत बनाकर देश विरोधी लोगों को नई ऊर्जा प्रदान की गई। देश के संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर एक वर्ग विशेष या संप्रदाय विशेष को उसकी धार्मिक मान्यताओं को बलवती करने के लिए प्रोत्साहित करना पूर्णतया असंवैधानिक कृत्य था। परंतु कानून बनाकर इसे संवैधानिक घोषित कर दिया गया। इस विषय में प्रारंभ में नेहरू जी ने अंग्रेजों की नीति का अनुकरण किया। जी हां, उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का जिन्होंने मुगल काल में अनैतिक ढंग से काटी जाती रही गायों की हिंदुओं के द्वारा जब आलोचना होते हुए देखी तो 1707 में इस संबंध में एक विशेष कानून लाकर देश में गायों का कत्लगाह बनाने का कानून पारित किया। जिसमें प्रतिदिन 32 से 35000 गाएं काटी जाती थीं, इस प्रकार उन्होंने एक अनैतिक कार्य को वैधानिक बना दिया। नेहरू जी ने भी मुस्लिमों की सांप्रदायिक मान्यताओं के आधार पर उनके द्वारा दूसरों की जमीन पर जबरन कब्जा करने के अधिकार प्रदान कर पूर्णतया अनैतिक परंतु वैधानिक कदम उठाकर देश विरोधी शक्तियों को मजबूत करने का काम किया। अनैतिक कार्य को वैधानिक बनाकर राष्ट्र निर्माता बनना कोई नेहरू जी से सीख सकता है। इस देश विरोधी कानून में 2013 में संशोधन किया गया, जिससे वक्फ बोर्डों को मुस्लिम दान के नाम पर संपत्तियों का दावा करने के लिए असीमित अधिकार प्रदान किए गए। संशोधनों ने वक्फ संपत्तियों की बिक्री को असंभव बना दिया। कातिल को ही मुंसिफ बना दिया गया। जिसके चलते यह बोर्ड रेलवे के बाद सबसे अधिक संपत्ति रखने वाला बोर्ड बन गया। जिस प्रकार इसकी शक्ति में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही थी, उसके चलते किसी को भी

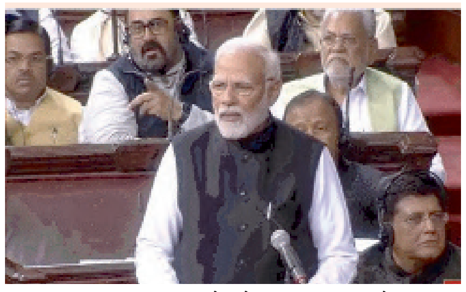

इसकी ओर आंख उठा कर देखने का साहस नहीं हो रहा था। मुस्लिम समाज के भी अनेक लोग इस देश विरोधी कानून की चपेट में आए और उन्हें अपनी संपत्ति से ना चाहते हुए भी हाथ धोना पड़ा। यही कारण है कि इस कानून में संशोधन के समर्थन में अनेक प्रगतिशील मुस्लिम भी मोदी सरकार के साथ खड़े हुए दिखाई दिए हैं। मुस्लिम समाज के अनेक बुद्धिजीवी इस कानून में संशोधन की मांग करते आ रहे थे, जिस पर मोदी सरकार ने काम करने का निर्णय लिया। सरकार ने निर्णय लिया कि इस कानून के उन सभी प्रावधानों को संशोधित किया जाए, जिनसे समाज विरोधी और देश विरोधी शक्तियों को बल प्राप्त होता है। इस प्रकार इस नए संशोधन अधिनियम का उद्देश्य वर्तमान वक्फ अधिनियम के देश विरोधी खण्डों को रद्द करना रहा है, जिससे कि इस बोर्ड के अधिकारों को सीमित किया जा सके। ज्ञात रहे कि वर्तमान में बोर्ड को अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित करने की अनुमति इस प्रचलित कानून के माध्यम से रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सी0ए0ए0 जैसे कानून का विरोध करने वाला सेकुलर गैंग इस नए संशोधन बिल का भी विरोध करता हुआ दिखाई दिया। यद्यपि संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विपक्ष के द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर भली प्रकार विचार किया गया और यथासंभव उन्हें स्वीकार भी किया गया, किंतु इसके उपरांत भी वोटो की राजनीति सेकुलर विपक्ष पर हावी रही। जिसके चलते देश के सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का भरपूर विरोध किया। भारत के हिंदू समाज की अनेक परंपराओं को अवैज्ञानिक और सृष्टि नियमों के विरुद्ध घोषित कर उन्हें पानी पी पीकर कोसने वाले धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के किसी भी नेता ने कभी यह कहने का साहस नहीं किया कि वक्फ बोर्ड को किसी मुस्लिम द्वारा दान की जाने वाली संपत्ति अल्लाह की कैसे हो जाती है? देश के दूसरे सबसे बड़े संप्रदाय को अवैज्ञानिक और अंधविश्वासों से भरी परंपराओं में जीने और उसी परिवेश में घुट घुटकर मरने के लिए धर्मनिरपेक्ष राजनीति ने भरपूर प्रयास किया। यह बात भी ध्यान देने वाली है कि यह बोर्ड भारत में 9. 4 लाख एकड़ में फैली अपनी 8.7 लाख संपत्तियों का नियंत्रण करता है। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1.2 लाख करोड रुपए आंकी गई है। अब नए कानून के अनुसार वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों के लिए सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य कर दिया गया है। देश का संविधान अथवा कानून कहता है कि आप किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर सकते हैं। यदि इस कार्य को कोई व्यक्ति नहीं कर सकता तो कोई बोर्ड इसे किस आधार पर कर सकता है? इसी प्रकार कोई संप्रदाय भी ऐसा क्यों कर सकता है अथवा उसे ऐसा करने की छूट क्यों दी जाए? ये ऐसे प्रश्न हैं जो संवैधानिक भी हैं, नैतिक भी हैं, सामाजिक भी हैं और देश हित में उठाए जाने योग्य भी हैं। यदि एक बार यह कहा जाए कि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है, जिसमें किसी भी संप्रदाय का पक्ष पोषण नहीं किया जा सकता तो भी वक्फ बोर्ड का गठन अपने आप में असंवैधानिक ही माना जाएगा। कानून बनाकर उसे दिए गए असीमित अधिकार तो मानो तानाशाही प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का स्पष्ट प्रमाण ही है। इस नये एक्ट के माध्यम से धारा 9 और 14 में संशोधन किया गया है, जिसके द्वारा महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को बहुत ही जिम्मेदारी के साथ सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक प्रकार के विवाद से निपटने के लिए वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों का नया सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए जिले के जिलाधीश वक्फ संपत्तियों की निगरानी में सम्मिलित हो सकते हैं। सरकार की ओर से अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चर्चा में भाग लेते हुए मजबूती से अपना पक्ष रखा है। केंद्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री ने अपना पूरा होमवर्क पूरी सावधानी के साथ संपन्न किया। यही कारण रहा कि एनडीए के जो सदस्य दल प्रारंभ में कुछ अलग भाषा बोलते हुए दिखाई दे रहे थे, वह सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए और यह विधेयक पारित हो गया।

दृष्टि कोण

शोषित वर्गों के मसीहा डा. अंबेडकर

14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य प्रांत में महू नामक स्थान पर एक ऐसे व्यक्ति का जन्म हुआ जिसका नाम भारत के इतिहास में बड़े अदब से लिया जाता है। अद्भुत प्रतिभा के धनी उस व्यक्तित्व ने अपने जीवन काल में न जाने कितने आयाम स्थापित किए। भारतीय संविधान के रचयिता व दलित एवं शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद करने वाले, यह वह शख्सियत है जिसे भारतीय इतिहास में बाबा साहब डा. भीम राव अंबेडकर के नाम से जाना जाता है। डा. अंबेडकर का नाम किसी से छुपा नहीं है। देश ही नहीं, अपितु विदेशों में भी उनका नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। विश्वभर में उनकी सबसे ज्यादा मूर्तियां बनना इस बात की पुष्टि करता है। डा. अंबेडकर का जन्म रामजी सकपाल व भीमाबाई के घर में उनकी 14वीं संतान के रूप में हुआ। उनके पिता ब्रिटिश सेना में नौकरी करते थे तथा महू क्षेत्र सेना की छावनी हुआ करता था। उनका परिवार बहुत बड़ा होने के कारण लालन-पालन बड़ी मुश्किल से होता था। अतः बाबा साहब के जीवन में प्रारंभ से लेकर उनके अंतिम समय तक संघर्ष रहा। उनका जन्म म्हार जाति में हुआ, जो उस समय एक अछूत जाति थी। जिसके कारण उनको छुआछूत का दंश झेलना पड़ा। बाल्यकाल से समाज में फैली अस्पृश्यता, छुआछूत तथा असमानता जैसी कुरीतियों के भुक्तभोगी होने के बावजूद बाबा साहब द्वारा अपने जीवन में अनेकों अनेक कीर्तिमान स्थापित करना अपने आप में उनके संघर्ष, लगन व चहुंमुखी व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। उन्होंने न केवल संघर्ष के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई, अपितु समाज के शोषित वर्ग को नई दिशा दिखाने का भी काम किया। स्कूल के समय में भी उन्होंने न जाने किस-किस रूप में जातिगत अस्पृश्यता एवं भेदभाव का सामना किया। उन्हें स्कूल में अकेले एक कोने में बैठा दिया जाता था, यहां तक कि एक नल से पानी पीने तक पर प्रतिबंध था। यह भेदभाव उनके मानसिक पटल पर समाज की इस अमानवीय व्यवस्था के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। फिर भी, बाबा साहब ने हार न मानी, नित निरंतर पढ़ाई के रास्ते पर आगे बढ़ते गए। वो प्रायः अपनी बहन को उनके साथ होने वाले भेदभाव के पीछे का कारण पूछते रहते, लेकिन कभी भी कहीं से उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिल पाया। अंततः उन्होंने शिक्षित होकर इस दमन के खिलाफ लडऩे का फैसला लिया। हालांकि समाज में दलित एवं शोषित समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस भेदभाव का शिकार रहा, तथा सभी अपने-अपने स्तर पर लड़ते रहे, लेकिन डा. अंबेडकर ने शोषण के खिलाफ जिस स्तर पर संघर्ष किया, वह उन्हें दूसरों से पृथक करता है। डा. अंबेडकर एक होनहार छात्र थे। इसलिए उनके बचपन के गुरु श्री कृष्ण केशव अंबेडकर ने उनको शिक्षा में काफी प्रोत्साहित किया, जिसके कारण बाबा साहब को कहीं न कहीं शोषित समाज में उम्मीद की किरण दिखी, जो अथक प्रयासों, संघर्षों और कुर्बानियों से एक ज्वाला बनकर उभरी तथा शोषण के विरुद्ध वर्तमान में भी जलती नजर आती है। उनका एक प्रसिद्ध वाक्य 'बुद्धि का विकास मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए', सही मायने में उनकी पढऩे-लिखने की उत्कंठा को दर्शाता है। उनके शिक्षा के प्रति आवेग को न तो कोई मुसीबत रोक पाई, न ही सामाजिक शोषण। बाबा साहब की यह उत्कंठा महू से शुरू होकर विश्व के नामचीन विश्वविद्यालयों में जाकर पूर्ण हुई। अपनी इस उत्कंठा के चलते उन्होंने 32 विषयों में स्नातकोत्तर ड्रिगी व विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित किया। उन्होंने एलफिंस्टन कॉलेज से अर्थशास्त्र व राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, तत्पश्चात कोलंबिया विश्विद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोतर डिग्री व प्रसिद्ध लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनका सीखने का जुनून यहीं खत्म नहीं हुआ, इसलिए समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं विधि सहित 32 विषयों में स्नातकोतर की डिग्री पूर्ण करके भी कीर्तिमान स्थापित किया। उनकी शिक्षा ग्रहण करने में भी जातिगत भेदभाव साफ नजर आता है, जब उन्हें अछूत होने के कारण संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से वंचित रखा गया और उन्हें मजबूरन फारसी भाषा का अध्ययन करना पड़ा। यद्यपि उनकी दृढ़ शक्ति के चलते उन्होंने बाद में संस्कृत भाषा को भी सीखा। उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों की अगर बात करने लग जाएं तो न जाने कितने पृष्ठ भर जाएंगे। अपितु, बाबा साहब का जीवन कभी भी अपने तक सीमित नहीं रहा। वो चाहते तो एक आराम व विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे। इतनी उपाधियां प्राप्त करने के पश्चात उनको विभिन्न उच्च पदों पर आसीन होने के न्यौते मिले थे।

कुछ अलग

पकड़े गए दोस्त के नाम

हे मेरे बचपन के दोस्त! जबसे मुझे सोशल मीडिया से पता चला है कि तुम रिश्वत लेते हुए पकड़े गए हो और वह भी रंगे हाथों, मन बहुत खिन्न है। कहीं जाकर मरने को मन कर रहा है, पर मरने को सही जगह नहीं मिल रही। पता ही नहीं चल रहा कि कहां जाकर मरूं? सच सच बताना दोस्त! जब तुम बचपन से लेकर कल तक कोई भी गलत काम करते कभी पकड़े नहीं गए तो आज रिश्वत लेते हुए कैसे पकड़े गए? मुझे तो तुम्हारे रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने पर यकीन ही नहीं हो रहा। जहां तक मेरा मानना है रिश्वत लेते हुए तुम पक्का पकड़े नहीं गए होंगे। जरूर किसी ने तुम्हें पकड़वाया होगा। तुम्हें कोई रिश्वत लेते हुए पकड़े, ये मैं कदापि नहीं मान सकता। मुझे लगता है जरूर यह किसी तुम्हारे दोस्त में छुपे दुश्मन का काम है। जरूर वह तुम्हारी रिश्वत लेने की तरक्की से ईष्र्या करता होगा। दोस्त! जिसके पास ऐसे दोस्त हों उसे दुश्मन रखने की जरूरत नहीं होती। दुश्मनों से तो सचेत रहा जा सकता है, पर आस्तीन में दुश्मन सी घात लगाए ऐसे हंसमुख दोस्तों से नहीं। मुझे दुःख तुम्हारे पकड़े जाने की बात का नहीं, इस बात का है कि जो तुम जैसे भी रिश्वत लेने के माहिर ही पकड़े जाने लगे तो मेरे जैसे मिडिल क्लास रिश्वतखोरों का क्या होगा? यह सोच मैं बिन रिश्वत लिए ही बहुत परेशान हूं। हर वक्त अपने हाथ देखता रहता हूं कि कहीं वे बिन रिश्वत लिए ही रंग तो नहीं गए? सैलरी के नोट लेते हुए भी अब हाथ कांपने लगे हैं। मन कर रहा है कि अब रिश्वत लेने का कोई नया तरीका शोधूं ताकि रिश्वत भी मिल जाए और हाथ भी न रंगे। दोस्त! मानता हूं रिश्वत के बिना आज किसी का भी गुजारा नहीं। कारण, एक दूसरे की देखा-देखी में न चाहते हुए भी हम सबने अपने खर्चे इतने फैला दिए हैं कि जो जिंदगी की चारपाई पर रिश्वत की चादर न फैलाएं तो गर्मियों में तो गर्मियों में, दिसंबर में भी ईएमआई की किस्तों के मच्छर पूरे बदन को काटते रहें। वैसे दोस्त! बिन रिश्वत नौकरी कोई नौकरी थोड़े होती है। जो बिन रिश्वत लिए नौकरी करते हैं, वे अपने बच्चों को उधार छोडक़र मरते हैं। उन्हें समाज में तो छोड़ो, घर में भी द्महत्ता नहीं पूछता। इसलिए सज्जन से सज्जन तक रिश्वत वाले पद पर पोस्टिंग करवाने के लिए कहां कहां से जोर नहीं लगाते? किस किसका पुश नहीं लगवाते। तुमने ही क्या, मैंने भी लगाए, पर कम ही बार सफल हुआ।

अब पकड़े गए हो तो कोई बात नहीं! गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए- जंग में। वो ईमानदार क्या गिरेंगे जो वेतन भी फूंक फूंक कर लेते हों। पर केवल दुःख इस बात का आज भी है और कल भी रहेगा कि तुम मात्र दस हजार लेते पकड़े गए। इस मामले में तुम अपनी नाक कटी मानो या न, पर मैं तुम्हारा परम हितैषी होने के चलते अपनी पूरी नाक कटी जरूर मान रहा हूं। लाखों करोड़ों रिश्वत लेने के दौर में ये दस बारह हजार भी कोई रिश्वत होती है दोस्त? लानत है मुझ पर कि मेरा दोस्त इतनी कम रिश्वत लेता हुआ पकड़ा गया। अब भगवान से बस, यही प्रार्थना कि वे तुम्हें जितनी जल्दी हो सके, फिर रिश्वत लेने का मौका दें। तुम अपने स्तर पर भी कोशिश कर ऐसे बंदे ढूंढना जो रिश्वत लेकर रिश्वत लेने वालों को बचाने में माहिर हों। एक दोस्त होने के नाते मैं तो खैर करूंगा ही।

देश दुनिया से

ट्रंप के टैरिफ बम का असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद का जिम्मा संभाला है, जनाब एक के बाद एक, बम बम फैसलों से खबरों में हैं। उन्होंने दुनिया के आर्थिक जगत को उलझा कर रखा हुआ है। ट्रंप ने तमाम देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 49 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। भारत पर भी ट्रंप ने 26 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। सबसे पहले तो आसान तरीके से यह समझें कि टैरिफ होता क्या है। मान लीजिए दक्षिण कोरिया से भारत में मोबाइल का आयात होता है, अब अगर सरकार को दिखता है कि वहां से आने वाले सस्ते मोबाइल से भारत की कंपनियों को घाटा हो रहा है, वो उनका मुकाबला नहीं कर पा रही हैं, तो सरकार टैरिफ का उपयोग करती है। टैरिफ एक प्रकार का टैक्स है जो वह किसी देश से आ रहे सामानों पर लगाती है। सरकार उन वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ लगाकर उनको महंगा कर देती है ताकि देश के लोग उनको न खरीदकर देश की कंपनियों के प्रोडक्ट को ही खरीदें। अब ट्रंप अमेरिका में यही कर रहे हैं। उन्होंने तमाम देशों पर कम से कम 10 प्रतिशत और अधिक से अधिक 49 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। अब ट्रंप का टैरिफ कैसे काम करेगा? इसको भारत के उदाहरण से ही समझिए। ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत पर जो 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, वो अतिरिक्त टैक्स होगा। यानी अगर किसी सेक्टर पर अमेरिका ने पहले 14 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था तो अब उस पर 14 प्लस 26 यानी कुल 40 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ट्रंप ने जो टैरिफ लगाया है उसमें 10 प्रतिशत का टैरिफ 'बेसलाइन टैरिफ' है, यानी कम से कम इतना टैरिफ तो सब पर लगाया गया है। इसके बाद जो टैरिफ है, वह उन देशों की तरफ से अमेरिका पर लगाए जा रहे टैरिफ के अनुपात में लगाया गया है। फिर से भारत के उदाहरण से इसे समझते हैं। भारत पर जो 26 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है, उसमें से 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ है और बाकी का 16 प्रतिशत भारत के टैरिफ के जवाब में लगाया गया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल से लागू होगा जबकि 9 अप्रैल से पूरा टैरिफ (भारत के लिए 26 प्रतिशत अतिरिक्त या नया टैरिफ) वसूला जाएगा। ट्रंप के टैरिफ से भारत का कौनसा सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित होगा, यह जानना जरूरी है। कृषि के इससे सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इसके अंदर अगर डेयरी प्रोडक्ट की बात करें तो अभी इस पर 16.8 प्रतिशत का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से इसमें 26 प्रतिशत और जुड़ जाएगा और कुल टैरिफ बढक़र 42.8 प्रतिशत हो जाएगा। इसी तरह फल और सब्जी पर अभी 5.3 प्रतिशत का टैरिफ लगता है जो बढक़र 31.3 प्रतिशत हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स पर भारत में 1.2 प्रतिशत का काफी कम टैरिफ लगता है, लेकिन 9 अप्रैल से बढक़र यह 27.2 प्रतिशत हो जाएगा। यानी टैरिफ से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में कुछ वक्त के लिए कमी आ सकती है। हमें स्मार्ट सप्लाई चेन पर ध्यान देना होगा। देश के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिली है। इसे ट्रंप ने टैरिफ के मार से दूर रखा है। भारत की कई बड़ी दवा कंपनियों की आधी कमाई अमेरिकी बाजार से होती है। रत्न और आभूषण सेक्टर को बड़ा झटका लगेगा। अभी इस पर अमेरिका में 5.5 से 13.5 प्रतिशत तक का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से यह बढक़र 31.5 से 39.5 प्रतिशत तक हो जाएगा। इसकी वजह से अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर पर बड़ा असर दिख सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार रहा है। अमेरिका भारत के कुल वस्त्र निर्यात का लगभग 18 फीसदी, आयात का 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार का 10.73 फीसदी हिस्सा रखता है। अमेरिका के साथ, भारत का 2023-24 में वस्त्रों में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) 35.32 अरब डॉलर था। यह 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 32.85 अब डॉलर, 2020-21 में 22.73 अरब डॉलर और 2019-20 में 17.26 अरब डॉलर था। साल 2024 में अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में दवा निर्माण और जैविक उत्पाद (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु आभूषण (3.2 अरब डॉलर), कपास के रेडीमेड वस्त्र, जिसमें सहायक उपकरण शामिल हैं (2.8 अरब डॉलर) और लोहे और स्टील के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल थे। इसी तरह, आयात में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए गए हीरे (2.6 अरब डॉलर), विद्युत मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उनके हिस्से (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल थे। ट्रंप के टैरिफ बम से भारत को कुछ नुकसान हो सकते हैं। लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 4 सेक्टरों में चीन को पीछे छोडक़र नंबर एक बन सकता है। यानी अमेरिका के इस कदम से भारतीय उद्योगों को फायदा भी मिल सकता है। ट्रंप के टैरिफ से चीन पर 54 फीसदी टैक्स लगेगा, जबकि भारत पर सिर्फ 27 फीसदी। मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130-135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगे और अमेरिकी रिटेलर्स भारत से सामान खरीदने को मंजूरी देंगे।

आप का नजरिया

कचरे से दूर

कचरे से दूर रहने की कोशिश में अब व्यावसायिक वाहनों के पेट में डस्टबिन होगा। हिमाचल सरकार ने अपनी पर्यावरणीय व स्वच्छता की फाइल पर हस्ताक्षर करते हुए तय किया है कि तमाम व्यावसायिक वाहन डस्टबिन की व्यवस्था करते हुए, कचरे को ठिकाने लगाएं। हमने कुछ समय पूर्व पर्यटक बसों के ठहराव पर निष्पादित कूड़े का जिक्र किया था और प्रसन्नता यह कि सरकार ने संज्ञान लेते हुए, इसे कानूनी व्यवस्था का पहलू बनाया है। कचरे से दूर रहने का यह एक कदम हो सकता है, लेकिन पर्यटन सीजन का कचरा इससे भी कहीं अधिक और गंभीर स्थिति पेश कर रहा है। सार्वजनिक कचरे के प्रबंधन के साथ-साथ नागरिक व्यवहार में परिवर्तन लाने की जरूरत है। खास तौर पर फास्ट फूड के ऑनलाइन आर्डर तथा टेक अवे प्वाइंट्स से हाईवे टूरिज्म का बदलता अंदाज सडक़ों पर गंदगी का सामान छोड़ रहा है। पर्यटक व धार्मिक स्थलों के अलावा हाईवे टूरिज्म के दृष्टिगत डस्टबिन सुविधा का प्रसार चाहिए। परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में कूड़ा-कचरा प्रबंधन एक अलग सोच व संस्कृति का प्रसार भी है। सर्वप्रथम खानपान के स्थलों को सुविधाजनक व जरूरत के अनुरूप विकसित करने की योजनाएं बननी चाहिएं। इसके अलावा पर्यटक डेस्टिनेशन, ट्रैकिंग रूट्स व प्राकृतिक स्थलों के आसपास स्वच्छता के नए मानदंड अमल में आने चाहिएं। शुरुआत सार्वजनिक जीवन से होनी चाहिए। क्या हमारे बस स्टैंड इस काबिल हैं कि यात्री गंदगी से बचकर निकल सकते हैं। व्यावसायिक वाहन जिस बस स्टैंड या स्टॉप से होकर गुजरते हैं, वहां भी तो सफाई का आदर्श माहौल होना चाहिए। सरकारी दफ्तरों की स्वच्छता का सवाल तो और भी जरूरी है। प्रशासनिक भवनों, न्यायिक परिसरों और सार्वजनिक समारोह के सान्निध्य में गंदगी ने जीना सीख लिया है। सरकारी दफ्तरों में सफाई के मानदंड सबसे खराब और नागरिक के लिए प्रतिकूलता पैदा करते हैं। किसी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान अदालती माहौल में पेशी दर पेशी के बीच नागरिक समाज की मूलभूत सुविधाएं यहां तक हार जाती हैं कि टॉयलेट जैसी सुविधा भी वहां विशेषाधिकार है। वकीलों के चैंबर्स अकसर खुले में स्वच्छता के लिए प्रार्थना करते हैं। जिस मंच से नेताओं के संबोधन, नृत्य-नाटियां और ठुमके लगते हैं, वहां मैदान पर रह जाती हैं कचरे में गिरी-पड़ी यादें। क्या हमने कभी सोचा कि यह जो अब नेताओं की गर्दन को सजाने के लिए फूल उगाते हैं या पुष्पहारों से रौनक बढ़ाते हैं, उनकी परिणति क्या होती है। किस तरह हर दिन कोई वीआईपी फूलों के सैकड़ों हार उतारता है और फिर एक अंधी प्रक्रिया के तहत उन्हें किसी खाई या खड्ड के किनारे छोड़ दिया जाता है। क्यों न हम वीआईपी कल्चर छोड़ दें, पुष्पहारों का इस्तेमाल बंद कर दें। स्वच्छता कानूनों के बजाय आदर्शों की परिपालना है। स्वच्छता के मूल सिद्धांत विकास के साथ भी नत्थी करने होंगे, खास तौर पर हिमाचल की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए ऊपरी क्षेत्रों से नीचे बहती खड्डों और नालों के किनारे पर स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। देखा यह जा रहा है कि नदियों और नालों पर पुलों के ऊपर जालियां लगानी पड़ रही हैं ताकि गंदगी की उडऩतश्तरी सीधे पानी में न पहुंच जाए। शहरों और गांवों की जल निकासी तथा सीवरेज व्यवस्था को अब कैसे रोकेंगे।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक सदस्य ताज हैदर का 83 वर्ष की आयु में निधन

कराची,09 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता और सीनेटर ताज हैदर का मंगलवार को कराची में 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने इसकी पुष्टि की। परिवार ने बयान में कहा कि हैदर का कराची के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। मस्जिद-ओ-इमामबरगाह यासरब, फेज 4, डिफेंस सोसाइटी, कराची में जुहरैन की नमाज के बाद उनकी अंतिम नमाज अदा की जाएगी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने वरिष्ठ पीपीपी नेता के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उनकी पत्नी के हवाले से यह खबर दी है। पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने पार्टी के केंद्रीय महासचिव ताज हैदर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सिंध प्रांत के पीपीपी महासचिव वकार मेहदी ने भी शोक संवेदना जताई है। मेहदी ने कहा कि वे पीपीपी के संस्थापक सदस्य थे। उनका जन्म 08 मार्च, 1942 को भारत के राजस्थान में कोटा में हुआ था। विभाजन के बाद परिवार पाकिस्तान चला आया।

उन्होंने कराची के रंचोर लाइंस स्थित सरकारी हाईस्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह ललित कला की दुनिया में आए। टेलीविजन के धारावाहिकों के लिए कहानियां लिखीं। विभिन्न समाचार पत्रों के लिए विचारोत्तेजक स्तंभ भी लिखे। अपने स्वयं के धारावाहिक अबला पा में अभिनय किया।

हैदर ने राजनीतिक यात्रा 1967 में शुरू की। वह पीपीपी में शामिल हो गए।पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके राजनीतिक, सामाजिक और साहित्यिक योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। लोकतंत्र के लिए उनका आजीवन संघर्ष और बलिदान भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। कराची प्रेस क्लब के अध्यक्ष फाजिल जमीली ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सच्चे कॉमरेड और समर्पित डेमोक्रेट को आखिरी सलाम। हैदर को वैज्ञान क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए 2012 में सितारा-ए-इम्तियाज से सम्मानित किया गया। उन्हें 2006 में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरियल लेखक के लिए 13वां पीटीवी पुरस्कार भी मिला।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी चीन के नर्सिंग होम में भीषण आग 20 लोगों की मौत

शीजियाझुआंग। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत में एक नर्सिंग होम में आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है। यह आग मंगलवार रात करीब नौ बजे चेंगडे शहर के लोंगहुआ काउंटी में लगी। बुधवार सुबह तीन बजे तक कुल 20 लोगों की मौत की पुष्टि की गई। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने झुलसे लोगों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि चीन में ऐसा ही हादसा 19 साल पहले हुआ था। शिन्हुआ के अनुसार, उत्तर-पूर्व चीन में एक चार मंजिला अस्पताल में लगी आग से बचने के लिए हजारों मरीज खिड़कियों से कूद गए थे। इस दौरान कम से कम 39 लोग मारे गए।

अमेरिका में वर्जीनिया के स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी में गोलीबारी तीन की मौत, तीन घायल

स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी (वर्जीनिया)। संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्जीनिया के स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी में मंगलवार को हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। स्पॉट्सिल्वेनिया काउंटी शेरिफ कार्यालय (एससीएसओ) के डिप्टी को शाम करीब 5:30 बजे स्पॉट्सिल्वेनिया में गोलीबारी की सूचना मिली। स्पॉट्सिल्वेनिया, वाशिंगटन, डीसी से करीब 60 मील दक्षिण में एक उपनगर है। खबर के अनुसार, आधिकारिक समाचार विज्ञप्ति में कहा गया कि जब डिप्टी वहां पहुंचे, तो कई लोगों को गोली लगी हुई थी। 7:45 बजे तक शेरिफ कार्यालय ने पुष्टि की कि तीन लोग मारे गए हैं और तीन लोगों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है। एससीएसओ अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी संदिग्ध को नहीं पकड़ा जा सका है।

ट्रेड वार: अमेरिका ने चीन पर लगाया 104 प्रतिशत टैरिफ, आधी रात से होगा लागू

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनाव ने अब और गंभीर रूप ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयात होने वाले कुछ सामानों पर 104 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जो 08 अप्रैल की आधी रात यानी 09 अप्रैल से प्रभावी होगा। यह कदम चीन द्वारा अमेरिका पर 34 प्रतिशत के अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के जवाब में उठाया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि बीजिंग द्वारा टैरिफ वापसी से इनकार करने के बाद अमेरिका ने यह कड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने हितों की रक्षा करेगा और चीन के अनुचित व्यापारिक व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। 09 अप्रैल से यह टैरिफ प्रभावी हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर चीन 08 अप्रैल तक अपने टैरिफ निर्णय को वापस नहीं लेता है, तो अमेरिका 50 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएगा। लेकिन अब यह शुल्क बढ़ाकर 104 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे स्पष्ट है कि अमेरिका चीन के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फैसले के बाद चीन की प्रतिक्रिया भी तीखी रही। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका के फैसले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक गलती के ऊपर एक और गलती करार दिया और अंत तक लड़ने की चेतावनी दी। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का यह कदम न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि वैश्विक बाजारों में अस्थिरता भी बढ़ाएगा।

विशाल ब्लैक होल को तारों को निगलते हुए कैमरे में कैद किया

वाशिंगटन,09 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पहली बार वैज्ञानिकों ने एक विशाल ब्लैक होल को तारों, गैस और धूल को निगलते हुए कैमरे में कैद किया है। इसके अलावा अंतरिक्ष में शक्तिशाली जेट्स और गैलेक्टिक विंड्स के रूप में उगलते हुए भी कैद किया है। यह दृश्य यूरोपियन साउदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के वेरी लार्ज टेलीस्कोप (वीएलटी) ने चिली के अटाकामा रेगिस्तान से रिकॉर्ड किया है। यह ब्लैक होल एनजीओ 4945 नामक एक स्पाइरल गैलेक्सी के केंद्र में स्थित है, जो पृथ्वी से करीब 12 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर है। ईएसओ के वैज्ञानिकों के अनुसार, यह ब्लैक होल अपने आसपास की गैस और धूल को निगलने के साथ-साथ अत्यधिक ऊर्जा वाले जेट्स और तेज़ हवाएं छोड़ रहा है, जो प्रकाश की गति के करीब की रफ्तार से अंतरिक्ष में फैल रही हैं। इन गैलेक्टिक विंड्स के कारण गैलेक्सी की गैस और धूल अंतरिक्ष में बिखर रही है, जिससे नए तारों के निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। वैज्ञानिकों के लिए यह पहली बार है जब किसी ब्लैक होल को इतनी तेज़ गति से पदार्थ बाहर फेंकते हुए देखा गया है। आमतौर पर ब्लैक होल्स को हर चीज़ को निगलने वाले राक्षस के रूप में देखा जाता है, लेकिन एनजीसी 4945 का यह ब्लैक होल अपने व्यवहार के कारण खुद की वृद्धि को ही बाधित कर रहा है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह इतनी तेज़ी से पदार्थ बाहर फेंक रहा है कि अपने लिए आवश्यक गैस और धूल के स्त्रोत को भी समाप्त कर सकता है, जिससे इसकी शक्ति धीरे-धीरे कम हो सकती है। ईएसओ के एमयूएसई (मल्टी यूनिट स्पेक्ट्रोस्कोप एक्सप्लोलर) इंस्ट्रूमेंट ने इस गैलेक्सी की 3डी इमेज तैयार की, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि ब्लैक होल से निकलने वाली गैस अंतरिक्ष में किस तरह फैल रही है। हमारी गैलेक्सी, मिल्की वे, के केंद्र में मौजूद ब्लैक होल सैजिटेरियस ए अपेक्षाकृत शांत है और इतनी तेज़ गैलेक्टिक विंड्स उत्पन्न नहीं करता। यह नई खोज वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकती है कि कैसे कुछ ब्लैक होल्स केवल निगलने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि गैलेक्सी के विकास को भी प्रभावित करते हैं।

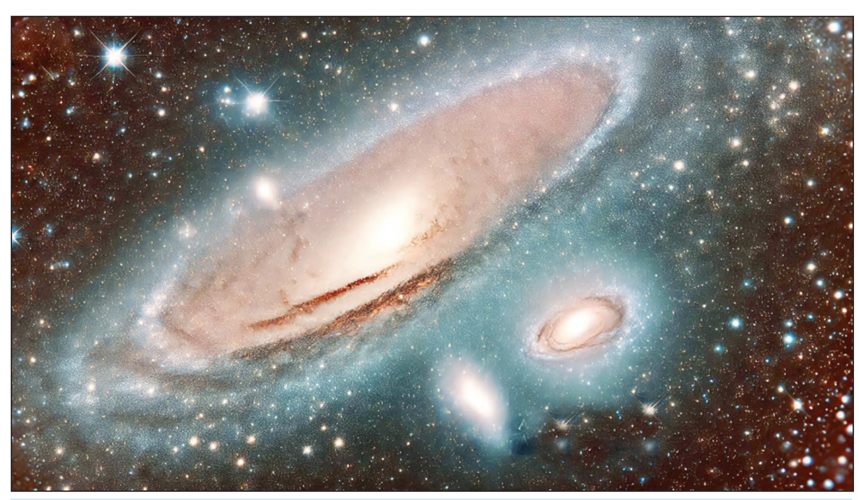

दुनिया के एविएशन इतिहास में साल 1908 में आया था महत्वपूर्ण और दुखद मोड़

न्यूयॉर्क। दुनिया के एविएशन इतिहास में 17 सितंबर 1908 का दिन एक महत्वपूर्ण और दुखद मोड़ लेकर आया। अमेरिका के वर्जीनिया में फोर्ट मायर ग्राउंड में हजारों की भीड़ जमा थी। सैकडों की संख्या में लोग उस अनोखी मशीन को देखने पहुंचे थे, जो इंसान को पक्षियों की तरह उड़ने की ताकत देती थी। यह मशीन थी 'राइट फ्लायर', जिसे राइट ब्रदर्स ऑरविल और विल्बर राइट ने विकसित किया था। इससे पहले, साल 1903 में दोनों भाई दुनिया की पहली सफल मोटर चालित उड़ान भर चुके थे। अब वे इस विमान का एक उन्नत संस्करण अमेरिकी सेना के सामने प्रदर्शित करने वाले थे। इस ऐतिहासिक उड़ान को ऑरविल राइट संचालित कर रहे थे और उनके साथ सेना के लेफ्टिनेंट थॉमस सेल्फ्रिज सवार थे। जैसे ही राइट फ्लायर ने उड़ान भरी, वहां मौजूद दर्शकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। तालियों की गूंज और उत्साह से फोर्ट मायर का मैदान भर उठा। सब कुछ सामान्य चल रहा था, पर कुछ ही पलों में एक भयावह दृश्य ने पूरे माहौल को सन्नाटे में बदल दिया। अचानक विमान का एक प्रोपेलर टूटकर नीचे गिर गया और विमान ने तेजी से नीचे की ओर गोता लगाना शुरू कर दिया। कुछ ही सेकंड्स में वह जमीन से टकरा गया। इस दुर्घटना में लेफ्टिनेंट थॉमस सेल्फ्रिज की मौत हो गई, जो विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले पहले व्यक्ति बने। वहीं ऑरविल राइट भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी टांग टूट गई और शरीर की कई हड्डियों में फ्रैक्चर आया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद उनकी जान बचा ली गई। यह हादसा जितना दर्दनाक था, उतना ही ऐतिहासिक भी, क्योंकि इसने उड़ान की दुनिया को यह एहसास कराया कि केवल उड़ान भरना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित बनाना भी बेहद जरूरी है। इस हादसे के बाद राइट ब्रदर्स ने अपने विमानों की मजबूती, संतुलन और सुरक्षा को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। यह घटना एक चेतावनी थी कि तकनीकी विकास के साथ-साथ सुरक्षा मानकों को भी उसी गति से विकसित करना जरूरी है। यह हादसा एविएशन के विकास में एक ऐसा पड़ाव था, जिसने इंसानों को यह सिखाया कि हर खोज के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। राइट फ्लायर का यह परीक्षण भले ही एक त्रासदी में बदल गया, लेकिन इससे मिली सीख ने आगे चलकर विमानों को अधिक सुरक्षित और व्यावहारिक बनाया।

तुर्की का ईसाई बाल्यान परिवार, 5 पीढ़ियों तक संभाली वक्फ की जिम्मेदारी, भारत में विवाद

अंकारा,09 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इतिहास को देखें तो दुनिया के सबसे बड़े भूभाग पर इस्लामिक हुकूमत कायम करने वाले ऑटोमन साम्राज्य के दौरान वक्फ भूमिकाओं में यहूदी और ईसाई समुदाय के लोगों को शामिल किया गया था। प्रसिद्ध ईसाई आर्मेनियाई बाल्यान परिवार ने तो साम्राज्य के दौरान कई पीढ़ियों तक वक्फ के तहत मस्जिदों और सार्वजनिक भवनों का निर्माण और रखरखाव किया। यह ईसाई परिवार ऑटोमन साम्राज्य के दौरान महत्वपूर्ण हैसियत रखता था।

18वीं और 19वीं शताब्दी के दौरान ऑटोमन सुल्तानों के दौर में बाल्यान परिवार दरबारी वास्तुकारों का प्रमुख परिवार था। इस परिवार ने पांच पीढ़ियों तक ऑटोमन साम्राज्य में कई प्रमुख इमारतों का डिजाइन और निर्माण किया। इस परिवार ने महल, हवेल, कोनाक के साथ ही मस्जिद, चर्च और सार्वजनिक इमारतों का निर्माण कराया, जिनमें ज्यादातर इस्तांबुल में है। वहीं दूसरी तरफ भारत में मोदी सरकार के लाए वक्फ संशोधन विधेयक पर बीते कुछ दिनों से खूब चर्चा हो रही है। बिल के विरोध में एक तर्क जो बार-बार दिया गया कि मोदी सरकार मुस्लिमों के वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना चाह रही है। हालांकि, भारत के गृह मंत्री ने संसद में साफ किया कि एनडीए सरकार का ऐसा नहीं करने जा रही है।

पाक महीना रमजान में भी नहीं थमा कत्लेआम- आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना की बिछा दी लाशें

इस्लामाबाद। पिछले महीने रमजान का पाक महिना था। ये वक्त इबादत और नेक काम करने का होता है। लेकिन आतंकवादियों ने प्रतिदिन पाकिस्तानी फौज और सुरक्षा बलो पर आठ से ज्यादा हमले किए और प्रतिदिन 5 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को मार डाला। इस दौरान 112 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल भी हुए। यानी रमजान के महीने में पाकिस्तान फौज के 175 लोग मारे गए। मार्च के पाक रमजान के महीने में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे हमलों के जवाब में आतंकवादी संगठन तहरीके तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तानी फौज और सुरक्षाबलों पर कल 260 हमले किए।

फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाते हुए लोग

मिस्र में एक रैली के दौरान फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाते हुए लोग।

भूकंप से डरे लोग तलाश रहे सुरक्षित घर

बैंकॉक,09 अप्रैल (एजेंसियां) ।

म्यांमार और थाईलैंड में आए 28 मार्च को एक शक्तिशाली भूकंप से जमीन थर्रा गई थी। 7.7 तीव्रता के भूकंप से इमारतें हिलने लगीं। हालांकि इसका केंद्र म्यांमार में था, लेकिन तबाही के निशान बैंकाक में ज्यादा देखने को मिले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पेशे से सेल्स कोऑर्डिनेटर फात्सकोन अब बैंकॉक के उन अनेक निवासियों में से एक हैं जो इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें शहर में सुरक्षित घर की तलाश करनी चाहिए। क्योंकि 28 मार्च को पड़ोसी म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में सैकड़ों आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। फात्सकोन जिस बहुमंजिला इमारत में रहते हैं उसके मालिकों ने उन्हें आश्वासन दिया कि इंजीनियरों ने इमारत के हर हिस्से की जांच कर ली है और निष्कर्ष निकाला है कि यह रहने योग्य है। लेकिन वह अभी भी दरारों को लेकर डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, मुझे थोड़ा डर लग रहा है। और मेरी मां ने भी मुझे यहां से चले जाने को कहा है।

भूकंप के केंद्र से 1,000 किमी (620 मील) से अधिक दूर थाई राजधानी सैकड़ों टावरों और चमचमाती ऊंची इमारतों का शहर है। बैंकाक में वास्तव में कभी भी ऐसे भूकंप नहीं आते हैं। बैंकॉक स्थित रियल एस्टेट सलाहकार 40 वर्षीय ओवेन झू ने कहा कि उनके क्षेत्र पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण रहा है।

चीनी प्रॉपर्टी एक्सपर्ट ने कहा, लोगों को यह एहसास हो गया है कि ऊंची इमारतों में रहने से भूकंप प्रतिरोध के मामले में दो मंजिला या कम ऊंचाई वाली इमारतों की तुलना में अधिक जोखिम हो सकता है।

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढही, 79 की मौत, 155 घायल, तीन दिन का राष्ट्रीय शोक

सेंटो डोमिंगो,09 अप्रैल (एजेंसियां) ।

डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह एक नाइट क्लब की छत ढह जाने से कम से कम 79 लोगों की जान चली गई। इस क्लब का नाम जेट सेट है। यह हादसा गायिका रूबी पेरेज की प्रस्तुति (संगीत कार्यक्रम) के दौरान हुआ। मृतकों में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। शोक में डूबे इस गणराज्य में हुए हादसे में 155 से अधिक लोग घायल हुए हैं। खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। डोमिनिकन गणराज्य की आपातकालीन सेवा ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की है। छत गिरने की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। आपातकालीन सेवाओं के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल जुआन मैनुअल मेंडेज ने मंगलवार देररात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब तक 79 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।155 बचे हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डोमिनिकन गणराज्य पुलिस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कहा कि अभी भी मलबे में लोगों की तलाश की जा रही है। लेकिन मलबे में दबे लोगों के जीवित बचने की संभावना क्षीण हो गई है। राष्ट्रपति लुइस एबिनेडर ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज भी इस हादसे में मारे गए संस्कृति मंत्री रॉबर्टो एंजेल साल्सेडो ने हादसे पर गहरी शोक संवेदना जताई है। डोमिनिकन गणराज्य से वैश्विक संगीत सितारे जुआन लुइस गुएरा, प्यूर्टो रिको से डैडी यांकी और प्यूर्टो रिकान विरासत वाले न्यू यॉर्कर मार्क एंथनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, दुख व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।

बांग्लादेश में इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान लूटपाट, हमला, तोड़फोड़, 72 गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में सात अप्रैल को गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान के खिलाफ हुए देशव्यापी प्रदर्शन में हुई लूटपाट के सिलसिले में 72 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान तोड़फोड़ करने के साथ हमले भी किए। खबर अनुसार, 33 लोगों को खुलना, 19 लोगों को सिलहट, पांच लोगों को चटगांव , चार लोगों को गाजीपुर, चार लोगों को नारायणगंज और तीन लोगों को कॉक्स बाजार और तीन लोगों को कोमिला में गिरफ्तार गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इन घटनाओं के संबंध में अब तक नौ मामले दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सात अप्रैल को इजराइल के खिलाफ और फिलिस्तीन के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन हुआ। इससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। इसमें विश्वविद्यालयों, स्कूलों, मदरसों के विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न व्यावसायिक एवं नागरिक समाज संगठनों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस प्रदर्शन की वजह से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। शैक्षणिक परिसर खाली रहे। इस वजह से कक्षाएं और परीक्षाएं तक स्थगित करनी पड़ी।

नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग के साथ करेंगे सीजन की शुरुआत

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के डबल ओलंपिक पदक विजेता, भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह 2025 सीजन की शुरुआत कतर की राजधानी दोहा में 16 मई को होने वाली डायमंड लीग मीट से करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और फिर 2024 पेरिस ओलंपिक में सिल्वर पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह एक बार फिर से दोहा में दुनिया के सबसे जोशिलें एथलेटिक्स दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने का इंतजार कर रहे हैं। चोपड़ा ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की थी। अपने तीसरे दोहा दौरे से पहले उन्होंने कतर में भारतीय प्रशंसकों से मिलने वाली भरपूर समर्थन का जिक्र किया और कहा, मैं हमेशा कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाली तारीफों से अभिभूत हो जाता हूँ, और इसके लिए शब्दों की कमी महसूस होती है। 27 वर्षीय चोपड़ा, जिनका कोच अब चेक गणराज्य के विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक एवं विश्व चैंपियन जान जेलेज़नी हैं, ने भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाईयों तक पहुँचाया है। वह ओलंपिक गोल्ड और विश्व चैंपियनशिप गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बने। इसके साथ ही उन्होंने डायमंड लीग मीटिंग जीतने और डायमंड लीग टाइटल जीतने वाले पहले भारतीय का गौरव भी प्राप्त किया। हालांकि, पिछले सीजन में चोपड़ा को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वह ओलंपिक फाइनल में अर्जद नदीम से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स से भी दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, पिछला साल मेरे लिए बहुत कुछ सिखाने वाला था, लेकिन मुझे भारतीय ध्वज के नीचे ओलंपिक खेलों में पदक जीतने पर गर्व है। अब मैं पूरी तरह फिट हूं और जान जेलेज़नी के साथ मेहनत कर रहा हूं। मुझे दोहा में अपने सीजन की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने कहा, कतर स्पोर्ट्स क्लब में दर्शक हमेशा ही जोर से उत्साहित होते हैं, और मुझे लगता है कि यह हमारे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बाहर लाता है। मुझे पता है कि यहाँ के दर्शक मुझसे बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और अगर अच्छे हालात और शानदार माहौल हो, तो यह संभव है।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखीं महविश, प्रशंसकों ने चहल से जोड़ा

मोहाली। आईपीएल में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बीच मैच में आरजे महविश को देखते ही अटकलों का नया दौर शुरु हो गया। इममें पंजाब किंग्स टीम ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया। इस मैच में महविश को देखते ही कहा जाने लगा कि वह स्पिनर यजुवेन्द्र चहल को देखने पहुंची हैं। फैंस इसी कारण वह पंजाब किंग्स का समर्थन कर रही हैं। मैच के 17वें ओवर में नूर अहमद की गेंद पर पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने छक्का लगाने का प्रयास और इस मैदान वह कैच आउट होते-होते बचे। ऐसे में पंजाब के प्रशंसकों के साथ ही महविश की बेहद उत्साहित दिखीं। वह इस दौरान टीम का हौंसला बढ़ाती दिखीं। महविश पहले भी कई बार चहल की टीम का समर्थन करने स्टेडियम में दिखी हैं। इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में जब वह चहल के साथ बैठी नजर आयीं थीं। इस मैच में पंजाब के शशांक ने मार्को यानसेन के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन बनाकर टीम को 200 रनों से ऊपर पहुंचाया। गौरतल है कि चहल का हाल ही में अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक हुआ है। उसके बाद से ही चहल और महविश के बीच डेटिंग की खबरें आई हैं।

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके को हुआ नुकसान , सुपर जायंट्स को लाभ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग के खिलाफ मिली हार के बाद अंक तालिका में हल्का बदलाव आया है। सीएसके अब नौवें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं एक अन्य मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली जीत के बाद एक स्थान का लाभ हुआ है। पंजाब किंग्स ने इस सत्र में तीसरा मैच जीता पर वह अभी भी चौथे पायदान पर ही है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) दूसरे जबकि गुजरात टाइटन्स है तीसरे व दिल्ली कैपिटल्स पहले नंबर पर है। शीर्ष पांच में शामिल सभी टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं पर नेट रन रेट के कारण पंजाब की टीम इस समय चौथे पायदान पर फिसल गयी है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स एक और जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट अच्छा नहीं हैं। नंबर 6 पर पहुंची केकेआर के खाते में 4 अंक हैं, उसने 5 में से 2 मुकाबले जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने भी दो मुकाबे जीते हैं पर रॉयल्स ने चार मैच खेले हैं, इसलिए टीम सातवें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस पांच में से चार मुकाबलों में मिली हार से आठवें नंबर पर जबकि सीएसके नौवें नंबर पर है। दसवें स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है।

श्रेयस, रविंद्र और डफी आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड की दौड़ में शामिल

ICC

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार के लिये नामांकित किया है। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार रहा है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उसमें अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों की सहायता से 243 रन बनाये थे। आईसीसी ने कहा , ''इस बल्लेबाज ने तीन एकदिवसीय में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी श्रेयस की अहम भूमिका रही। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन बनाये। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये।'' विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के अनुसार श्रेयस की पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की क्षमता काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन ने कीवी टीम की ओर से चार मैचों में दो शतक सहित 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये जबकि डफी ने मार्च में 6.17 की इकॉनामी रेट से 13 लिए। वहीं महिला क्रिकेट की बात करें तो सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड, अमेरिका की चेतना प्रसाद और ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शामिल हैं।

गुजरात का विजयी चौका

राजस्थान की तीसरी हार, बल्ले से साई सुदर्शन और बॉलिंग में प्रसिद्ध कृष्णा चमके

अहमदाबाद, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 217 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके। वहीं, राशिद खान और साई किशोर को दो-दो विकेट मिले।गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 58 रन से हराकर जीत का चौका लगाया। पांच में से चार मुकाबले जीतकर शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम अंक तालिका में आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान को इस सत्र में तीसरी बार मुंह की खानी पड़ी है। बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 217 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 19.2 ओवर में 159 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन विकेट झटके। वहीं, राशिद खान और साई किशोर को दो-दो विकेट मिले। इसके अलावा मोहम्मद सिराज, अरशद खान और कुलवंत खेजरोलिया ने एक-एक सफलता हासिल की।218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्हें पहला झटका दूसरे ही ओवर में अरशद खान ने दिया। यशस्वी जायसवाल सिर्फ छह रन बना पाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने नीतीश राणा को पवेलियन की राह दिखाई। वह सिर्फ एक रन बना पाए। इसके बाद रियान पराग और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 48 रन की साझेदारी हुई। इस दौरान रियान ने एक चौके और तीन छक्के की मदद से 26 रन बनाए। उन्हें खेजरोलिया ने बटलर के हाथों कैच कराया।

छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शिमरन हेटमायर ने 32 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। गुजरात के खिलाफ संजू सैमसन ने 41, ध्रुव जुरेल ने पांच, शुभम दुबे ने एक, जोफ्रा आर्चर ने चार, महीश तीक्षणा ने पांच, तुषार देशपांडे ने तीन रन बनाए। वहीं, संदीप शर्मा छह रन बनाकर नाबाद रहे।साई सुदर्शन की तूफानी 82 रनों की पारी बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान के सामने 218 रन का लक्ष्य रखा। 23 वर्षीय बल्लेबाज ने पांच पारियों में चौथी बार अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच की शुरुआत में कप्तान शुभमन गिल सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद सुदर्शन को जोस बटलर का साथ मिला। दोनों के बीच 47 गेंदों में 80 रनों की साझेदारी हुई। महीश तीक्षणा ने बटलर को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

प्रो पंजा लीग का बहुप्रतीक्षित दूसरा सीज़न 5 अगस्त से

मुंबई, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत की सबसे रोमांचक और तेजी से लोकप्रिय हो रही आर्म रेसलिंग लीग प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 5 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। लीग का पहला सीजन काफी सफल रहा था, जिसे लाखों दर्शकों ने देखा और पसंद किया। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार पहले सीजन ने सोनी स्पोर्ट्स और दूरदर्शन पर कुल मिलाकर 3.2 करोड़ यूनिक व्यूअर्स बटोरे थे।

, जो कई नई लॉन्च हुई लीग्स से कहीं ज्यादा रहा। इस सफलता को देखते हुए आयोजक अब दूसरे सीजन को और भी बड़े स्तर पर लाने को तैयार हैं।

लीग आईपीएल स्टाइल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसमें कई फ्रेंचाइज़ियां एक-दूसरे से भिड़ेंगी। 17 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का हर मुकाबला रोमांच से भरपूर होगा। पहले सीजन में कोच्चि केडी ने खिताब अपने नाम किया था और अब सभी की निगाहें नए चैम्पियन पर टिकी होंगी। लीग का सीजन 2 ऐसे समय में शुरू हो रहा है, जब ठीक एक दिन पहले ही भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने जा रही है।क्रिकेट के बाद अब आर्म रेसलिंग का रोमांच भरपूर एंटरटेनमेंट देगा।

लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने बताया, पहले सीजन को जैसी प्रतिक्रिया मिली, हम उससे गदगद हैं। अब आर्म रेसलिंग सिर्फ़ खेलने का शौक नहीं रहा, यह अब प्रोफेशनल स्पोर्ट बन चुका है। इस बार प्रतियोगिता का स्केल भी कहीं ज्यादा बड़ा होगा। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में मिजोरम में हुए प्रो पंजा मेगा मैचों में 15 से 20 हजार दर्शकों ने लाइव मुकाबले देखे। डबास ने विश्वास जताया कि दूसरे सीजन के बाद लीग और भी ज्यादा घर-घर पहुंच जाएगी।

महिला नेशंस लीग फुटबॉल

बेल्जियम में महिला नेशंस लीग फुटबॉल मैच में गोल करने से उत्साहित बेल्जियम की जस्टिन और उनकी साथी खिलाड़ी।

आईपीएल 2025 : क्रिकेट जगत के नए सुपरस्टार बने प्रियांश आर्य

नई दिल्ली, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) की एक रात, जिसे प्रियांश आर्य कभी नहीं भूल पाएंगे—और शायद क्रिकेट प्रेमी भी नहीं। मंगलवार को पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इस 24 वर्षीय बल्लेबाज़ ने महज 42 गेंदों में 103 रन ठोक दिए। पहली ही आईपीएल सीज़न, पहला ही शतक और वह भी ऐसे अंदाज़ में कि सोशल मीडिया पर उनकी पारी के वीडियो वायरल होने लगे। क्रिकेट के इस महाकुंभ में यह किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा डेब्यू था।

पहले ही ओवर से मचा दिया धमाल

प्रियांश ने अपनी पारी की शुरुआत ही धमाकेदार अंदाज़ में की। मैच की पहली ही गेंद पर खलील अहमद को डीप पॉइंट के ऊपर से छक्का जड़ा और पहले ओवर में कुल 16 रन बटोरे। शुरुआत से ही वह आक्रामक तेवरों में नजर आए और विकेट गिरने के बावजूद अपनी लय में बने रहे। उनकी 103 रनों की पारी में 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे।

कोच ने बताया 'स्पेशल प्लेयर'

मैच के बाद पंजाब किंग्स के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने प्रियांश की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पहली ही प्रैक्टिस गेम में हमें पता चल गया था कि यह लड़का कुछ खास है। जब जोफ्रा आर्चर की गेंद पर आउट हुआ था, तब भी उसने माना कि वो एक बेहतरीन बॉल थी। लेकिन आज उसने दिखा दिया कि वह कितनी तेजी से सीखता है और कितना दमदार खिलाड़ी है।

कौन हैं प्रियांश आर्य

प्रियांश आर्य ने 2024 में दिल्ली प्रीमियर लीग में तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने एक ही ओवर में लगातार छह छक्के जड़े थे। दक्षिण दिल्ली सुपरस्टार्ज़ के लिए खेलते हुए उन्होंने 120 रन बनाए थे जिसमें 10 चौके और 10 छक्के शामिल थे। उस पारी में उनकी टीम ने 308/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से आईपीएल तक का सफर

2023-24 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रियांश दिल्ली के टॉप रन स्कोरर रहे थे। उन्होंने 7 पारियों में 222 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल था जो उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ 10 छक्के लगाकर पूरा किया था। आईपीएल 2024 की नीलामी में वह नहीं बिके थे, लेकिन इस बार पंजाब किंग्स ने उन्हें 3.8 करोड़ में खरीदकर टीम में शामिल किया – और अब उन्होंने दिखा दिया कि वह इस कीमत के हर रुपये के हकदार हैं।

भारत बिली जीन किंग कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड से 2-1 से हारा, श्रीवल्ली ने आइशी दास को हराया

पुणे, 09 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने मंगलवार को बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की। मेजबान टीम ने शानदार शुरुआत की और श्रीवल्ली भामिदिपति ने अपने मैच में बेहतरीन जीत दर्ज की, लेकिन न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया और पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में 2-1 से मुकाबला जीत लिया।

भारत के लिए सबसे पहले श्रीवल्ली भामिदिपति का सामना आइशी दास से हुआ। भारतीय युवा खिलाड़ी (जो अब तक लगातार रैंकिंग में ऊपर जा रही हैं) ने राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीवल्ली ने मात्र एक घंटे के अंदर ही 6 ऐस और एक बेहतरीन ब्रेक-पॉइंट कन्वर्सेशन रेट के साथ एक व्यापक जीत हासिल की। श्रीवल्ली ने यह मुकाबला 6-1, 6-1 से जीता और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिलाई।

भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले के दूसरे मैच में सहजा यमलापल्ली ने दूसरे एकल मैच में अनुभवी लुलु सुन का सामना किया। युवा भारतीय खिलाड़ी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने कोर्ट और अपनी ताकत का बुद्धिमानी से इस्तेमाल किया। यह मैच एक घंटे और 13 मिनट तक चला, जिसमें लुलु सुन ने सहजा को अपने अंकों के लिए कड़ी मेहनत करने पर मजबूर कर दिया। आखिरकार, न्यूजीलैंड की खिलाड़ी ने 6-3, 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

डबल्स मुक़ाबले में भारत की अनुभवी जोड़ी अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे का सामना लुलु सुन और मोनिक बैरी की कीवी जोड़ी से हुआ। भारतीय जोड़ी ने फ्लडलाइट्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन लुलु सन और मोनिक बैरी ने बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी कभी भी खेल पर नियंत्रण में नहीं दिखी, लेकिन उन्होंने बहादुरी से मुकाबला किया। फिर भी, न्यूजीलैंड ने एक घंटे और 23 मिनट में 6-3, 6-4 से सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इससे पहले, टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व फेड कप खिलाड़ी राधिका तुलपुले-कानिटकर, सोहिनी कुमारी, सौजन्या बाविशेट्टी, प्रांजला यादलापल्ली, साई जयलक्ष्मी, आरती पोनप्पा नाटेकर, महाराष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी बेला फड़के, राधिका मांडके और शीतल कन्नमवार अय्यर ने किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी रुतुजा भोसले, राधिका गोडबोले, बेला फड़के, वैष्णवी अडकर और शीतल कन्नमवार अय्यर को भी सम्मानित किया गया।

एमएसएलटीए के चेयरमैन भरत ओझा, टूर्नामेंट डायरेक्टर और एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर, कोषाध्यक्ष सुधीर भीवापुरकर, संयुक्त सचिव राजीव देसाई और शीतल भोसले तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज वैद्य ने पुरस्कार प्रदान किए।

इससे पहले, टूर्नामेंट डायरेक्टर सुंदर अय्यर ने स्वागत भाषण दिया। टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों ने अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज लेकर कोर्ट में मार्च किया। सेंटर कोर्ट में जश्न का यह एक खूबसूरत पल था, जब टीमें टूर्नामेंट से पहले एक साथ आई थीं।

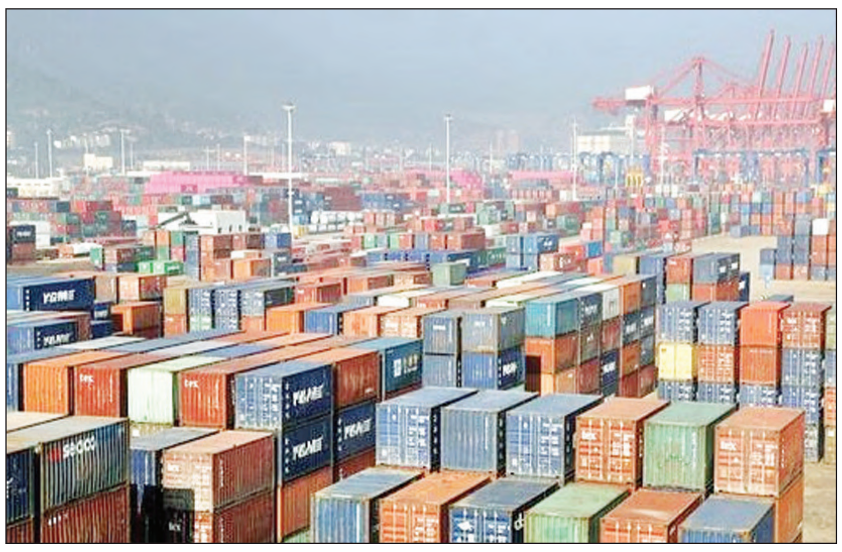

यूपी के निर्यातक भी परेशान, टैरिफ के कारण नहीं मिल रहे क्रिसमस के आर्डर

मुरादाबाद,09 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूपी के मुरादाबाद में निर्यातको को टैरिफ के चलते मंदी का सामना करना पड़ रहा है। अभी साफ नहीं है कि किन उत्पादों पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। ऐसे में क्रिसमस पर अमेरिकी ग्राहकों से मिलने वाले आइटमों के ऑर्डर भी अटक गए हैं। निर्यातकों की मानें तो हर साल मुरादाबाद को करीब 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं, लेकिन अभी तक ग्राहकों ने ऑर्डर नहीं दिए हैं, जिसके चलते निर्यातक

हर साल मुरादाबाद को 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं

भी परेशान हैं। क्रिसमस का पर्व 25 दिसंबर को मनाया जाता है. लेकिन, इसकी तैयारी 15 मार्च के बाद शुरू हो जाती है। मुरादाबाद से विदेशों में जाने वाले ऑर्डर मार्च के आखिरी सप्ताह में मिलने लगते हैं। ऑर्डर मिलने की प्रक्रिया अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक चलती है। इसके बाद निर्यातक जुलाई तक आर्डर तैयार करते हैं बाद में शिपमेंट के जरिए ऑर्डर अक्टूबर तक पहुंचते हैं। क्रिसमस ट्री सहित अन्य उत्पादों की खरीदारी के लिए अमेरिकी ग्राहक बड़ी संख्या में ऑर्डर देते हैं, लेकिन टैरिफ लगने के बाद से स्थिति बदल गई है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों के ऑर्डर देने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जिन्होंने ऑर्डर दिए हैं, उन्होंने अभी तैयार नहीं करने को कहा है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों में भारी छूट मांग रहे हैं, जिसके चलते निर्यातक उत्पाद बहुत कम मात्रा में तैयार करा रहे हैं, साथ ही निर्यातक ऑर्डर को लेकर ग्राहकों के संपर्क में बने हुए हैं। क्रिसमस से संबंधित ये आइटम भेजे जाते हैं। क्रिसमस पर्व पर सबसे ज्यादा क्रिसमस ट्री की मांग रहती है। इसके अलावा कैंडल होल्डर, क्रिसमस हैगिंग, स्टाकिंग होल्डर, सेंटा, क्रिसमस होली बेरीज, गिफ्ट आइटम, हैगिंग एल्फाबेट, बाल्स, कैंडल वेबर, टेबल टाप आइटम, टेबल लॅप सहित छोटे-बड़े करीब 100 आइटम हैं, जिनकी क्रिसमस के मौके पर मांग रहती है।

न्यूज ब्रीफ

कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का हुआ विलय, 1 मई से लागू करने अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय को 1 मई से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम के तहत प्रदान की गई शक्तियों के मुताबिक इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय कर एक इकाई बनाई जाएगी और इन्हें अपनी संपत्तियां, शक्तियां, अधिकार, दायित्व और कर्तव्य विरासत में मिलेंगे। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के इस नए ढांचे का मकसद कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना और इनके प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रतिस्पर्धा को न्यूनतम करना है। यह केंद्रीय वित्त मंत्रालय की एक राज्य, एक आरआरबी नीति का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय की इस नीति के बारे में सबसे पहले जानकारी सितंबर 2024 में दी गई थी। इस अधिसूचना में कई राज्यों के कई बैंकों के विलय की जानकारी दी गई है। इस विलय का मकसद ज्यादा व्यापक और मजबूत क्षेत्रीय संस्थान बनाना है। इस क्रम में आंध्र प्रदेश में चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का विलय कर आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। इसका मुख्यालय आंध्र प्रदेश के अमरावती में होगा और इसका प्रायोजक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया होगा।

स्कोडा ने इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठाया

नई दिल्ली। कारों का निर्मान करने वाली कंपनी स्कोडा ने अपनी सबसे तेज इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठा दिया है। इस एसयूवी को कुछ कॉस्मेटिक बदलावों के साथ पावरफुल अपग्रेड्स भी मिले हैं। एलरॉक वीआरएस का डिजाइन बेस मॉडल जैसा ही है, लेकिन इसमें नया बॉडी-कलर्ड फ्रंट बंपर, हनीकॉम्ब एयर डैम, वीआरएस बैजिंग, ब्लैक रूफ रेल्स और इल्यूमिनेटेड ग्रिल जैसे एक्सक्लूसिव एलिमेंट्स जोड़े गए हैं। खास बात यह है कि इसे वीआरएस-एक्सक्लूसिव मम्बा ग्रीन पेंट में पेश किया गया।

लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन में 60 निवेशकों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली,09 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन में विभिन्न पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिटेन के करीब 60 निवेशकों ने हिस्सा लिया।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक्स पोस्ट में बताया कि मंगलवार शाम आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसरों को सक्षम बनाने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया, जिसके जरिए ''न्यू इंडिया'' को आकार दिया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक विकास और निवेश अवसरों को सक्षम करने के लिए भारत सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जो नए भारत को आकार दे रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन में अनुपालन बोझ को कम करने और व्यापार एवं निवेश के लिए सक्षम वातावरण की सुविधा के लिए विनियमन को आसान बनाने के लिए प्रक्रिया और शासन सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा कि विस्तारित मध्यम वर्ग तथा मजबूत एवं स्थिर नीतिगत माहौल के साथ भारत 2032 तक छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बनने के लिए तैयार है। इसमें वित्त वर्ष 2024-2028 तक सालाना आधार पर 7.1 फीसदी की वृद्धि होगी। यह जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक होगी। वित्त मंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को बताया गया कि मार्च, 2025 तक बैंक, पूंजी बाजार, बीमा, वित्त प्रौद्योगिकी, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बुलियन एक्सचेंज आदि क्षेत्रों की 800 से अधिक संस्थाएं आईएफएससीए के साथ पंजीकृत हो चुकी हैं। सीतारमण ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को उसके आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों से कहा कि भारत घरेलू यूनिकॉर्न की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इसने वित्त वर्ष 2022-23 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11.74 फीसदी का योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि सीतारमण 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत-ब्रिटेन आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता (ईएफडी) के लिए ब्रिटेन की यात्रा पर हैं, जहां वह अपनी ब्रिटेन की समकक्ष चांसलर रेचल रीव्स के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी।

रिजर्व बैंक का चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट में 0.20 फीसदी की कटौती की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.70 फीसदी से घटाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के मकसद से नीतिगत दर रेपो को 0.25 फीसदी घटाकर छह फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली दिवसीय द्वमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद नतीजों की जानकारी देते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जलाशयों की बेहतर स्थिति और 2025-26 में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल बनी हुई हैं। संजय मल्होत्रा ने कहा कि इन आधारभूत अनुमानों के बीच जोखिम समान रूप से संतुलित है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता में हाल ही में हुई वृद्धि के मद्देनजर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। ऐसे में हमने जीडीपी वृद्धि दर के फरवरी में लगाए गए 6.70 फीसदी के अनुमान में 0.20 फीसदी की कटौती की है। उन्होंने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में यह कटौती वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं की वजह से की गई है। आरबीआई गवर्नर कहा कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि अब 6.50 फीसदी रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.50 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.70 फीसदी, तीसरी तिमाही में 6.60 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.30 फीसदी रहने का अनुमान है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि विनिर्माण गतिविधियों में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। कारोबारी उम्मीदें मजबूत बनी हुई हैं, जबकि सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी जुझारू क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग, सरकार के बुनियादी ढांचे पर खर्च को लेकर जोर, बैंकों और कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार के कारण आगे निवेश और बढ़ने की उम्मीद है।

कर्ज लिया 6 हजार करोड़ का और बैंकों ने की 14 हजार करोड़ की वसूली

नई दिल्ली,09 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत का भगोड़ा शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर भारतीय बैंकों पर आरोप लगाया है। उसने दावा किया है कि उनसे जितना कर्ज लिया था उससे कहीं ज्यादा संपत्ति भारतीय बैंकों ने पहले ही वसूल कर ली है। माल्या ने वित्त मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि बैंकों ने 6,203 करोड़ रुपए के कर्ज के बदले 14,131.8 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं।

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर लगाया भारतीय बैंकों पर आरोप

विजय माल्या ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 6,203 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश दिया था जबकि बैंकों ने अब तक उससे कहीं ज्यादा वसूली कर ली है। इसके साथ ही उसने यह भी सवाल उठाया कि जब उनके यूके में दिवालिया मामले की सुनवाई होगी तो उस समय बैंकों का क्या जवाब होगा। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में विजय माल्या का नाम प्रमुखता से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माल्या समेत 10 बड़े आर्थिक अपराधियों के खिलाफ संपत्तियां कुर्क की गई हैं। माल्या की जब्त की गई 14,131.6 करोड़ की संपत्तियां अब भारतीय बैंकों को सौंप दी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 36 भगोड़ों के प्रत्यर्पण के लिए 44 अनुरोध कई देशों को भेजे गए हैं। ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 2017 में भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों को विजय माल्या और उनकी कंपनियों से 6,203 करोड़ की वसूली का आदेश दिया था। यह कर्ज किंगफिशर एयरलाइंस को दिए गए ऋण के लिए था जिसमें सालाना 11.5 फीसदी ब्याज दर लागू की गई थी। माल्या का दावा है कि उन्होंने पहले ही पूरी राशि चुकाने की पेशकश की थी लेकिन बैंकों और सरकार ने उनका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया था। माल्या 2016 में ब्रिटेन चले गए थे और तब से उनकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया चल रही है। वहीं विजय माल्या के दावे से यह सवाल उठता है कि क्या बैंकों ने वसूली की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी वहीं माल्या के इस आरोप के बाद अब यह देखना होगा कि उनके खिलाफ चल रही प्रत्यर्पण प्रक्रिया में बैंकों की भूमिका क्या होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राष्ट्रवाद की...

रुटीन तरीके से कभी तकनीकी खराबी तो कभी मानवीय भूल बता दिए जाते हैं। एक ही डायलॉग दोहरा दिया जाता है कि हादसे की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दे दिया गया है। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की रिपोर्ट कभी सामने नहीं आती, और न कोई इसके बारे में भी पूछता है। वायुसेना के वैमानिक विशेषज्ञ हादसों की कई वजहें बताते हैं, लेकिन वे वजहें सरकार को नहीं सोहातीं। आप खुद देखिए संसद की रक्षा मामलों की स्टैंडिंग कमेटी वायुसेना के विमान हादसों की वजहें क्या बताती है। संसदीय समिति बताती है कि 2017 से 2022 के बीच में भारतीय वायुसेना के 19 विमान हादसे मानवीय भूल यानि ह्यूमन एरर की वजह से हुए। तकनीकी खराबी के कारण नौ हादसे हुए और अन्य हादसे की वजहें ज्ञात नहीं हैं। यह हाल है भारतीय वायुसेना का। विमानों की जर्जर हालत के बारे में सरकार स्वीकार नहीं करती और पायलटों को मौत के उड़नताबूत में जबरन बैठा दिया जाता है।भारतीय वायुसेना इस समय कई चुनौतियों से घिरी हुई है। एक तरफ वायुसेना के पास फंड्स की भारी कमी है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने फंड को खर्च करने का अधिकार छीन रखा है। वैमानिकी और अन्य उपकरणों की खरीद प्रक्रिया सियासी बयानबाजियों के सापेक्ष अत्यंत धीमी है। वायुसेना की बढ़ती जरूरतों को समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है। पिछले दो दशक में भारत सरकार ने अत्यंत कम नए विमान वायुसेना के दस्ते में शामिल किए हैं। बयान ज्यादा दिए हैं।इस समय जिस तेजस एलसीए एमके-1ए विमान को लेकर सबसे ज्यादा बयानबाजियां हो रही हैं। इस विमान का उत्पादन प्रोडक्शन भारत में ही होना है। लेकिन इसके उत्पादन में भी अत्यधिक देरी हो रही है। इसकी मुख्य वजह है जीई- 404 अमेरिकी इंजन की कमी। अमेरिका से आने वाले इस इंजन की कमी चल रही है और इसका पूरा ग्लोबन चेन बुरी तरह प्रभावित है। लिहाजा, भारतीय वायुसेना को इसके लिए काफी इंतजार करना पड़ेगा। असली स्थिति के बारे में भारत सरकार कभी मुंह नहीं खोलती, केवल अपनी पीठ खुद ही ठोकने में लगी रहती है। तथाकथित देसी विमान का इंजन ही विदेशी है। उसके उत्पादन में भी दो साल की देरी हुई है, लेकिन अभी भी इसका कोई टाइमलाइन तय नहीं है। वायुसेना को इसके लिए कितना इंतजार करना होगा, कोई नहीं कह सकता। अगर इस बीच युद्ध शुरू हो जाए तो क्या होगा? इस सवाल के सटीक आधिकारिक जवाब की कोई उम्मीद न रखिए।भारतीय वायुसेना के पास अभी जो भी लड़ाकू विमान हैं, वे पुराने पड़ चुके हैं। उनके स्तरीय रखरखाव की कमी है। उन विमानों का अपडेशन या रिप्लेसमेंट बेहद जरूरी है, लेकिन इस पर सरकार को समुचित निर्णय लेने की फुर्सत नहीं है। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 11 बोइंग सी-17 ग्लोबमास्टर, 17 इल्यूशिन आईएल-76, 17 इल्यूशिन आईएल-2-78, तीन फाल्कन अवाक्स मौजूद हैं। इन सभी विमानों की उम्र काफी ज्यादा हो चुकी है, उनकी रिप्लेसमेंट का समय आ चुका है। लेकिन यहीं पर वायुसेना मात खा रही है क्योंकि समय रहते रिप्लेसमेंट हो नहीं रहा। विमानों के मेंटेनेंस और फंड्स की कमी भारतीय वायुसेना को रसातल में ले जा रही है।

भारत ...

स्वयं पर विश्वास करो, स्वयं की यात्रा शुरू करो, दुश्मन बाहर नहीं है, दुश्मन भीतर है। नकारात्मक सोच, अविश्वास, वैमनस्य, स्वार्थ ही वो शत्रु हैं, जिन्हें जीतना ही असली विजय है। यही कारण है कि जैन धर्म हमें बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि खुद को जीतने की प्रेरणा देता है।पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत अपनी संस्कृति पर करेगा। इसलिए हम अपने तीर्थंकरों की शिक्षाओं को सहेजते हैं। जब भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का समय आया तो हमने देश भर में उसे मनाया। आज जब प्राचीन मूर्तियां विदेश से वापस आती हैं, तो उसमें हमारे तीर्थंकर की प्रतिमाएं भी लौटती हैं। आपको जानकर गर्व होगा कि बीते वर्षों में 20 से ज्यादा तीर्थंकरों की मूर्तियां विदेश से वापस आई हैं।

देश में वक्फ ...

सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल को इन याचिकाओं पर सुनवाई कर सकता है। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार भी सुप्रीम कोर्ट पहुंची और कैविएट दाखिल कर दिया। कैविएट के जरिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि केंद्र सरकार की सुने बगैर कोई भी एकतरफा आदेश पारित नहीं किया जाए। अदालत कोई भी आदेश पारित करने से पहले केंद्र सरकार की दलील भी सुने। उल्लेखनीय है कि कि संसद के दोनों सदनों में खूब बहस और हंगामे के बाद ये कानून पास हुआ था। लोकसभा में 288 सांसदों ने हामी भरी, तो 232 ने विरोध किया। राज्यसभा में 128 वोट पक्ष में और 95 खिलाफ पड़े। सुप्रीम कोर्ट में कपिल सिब्बल जैसे बड़े वकील जमीयत की ओर से लड़ रहे हैं और सरकार भी तैयार है। अब सबकी नजर 15 अप्रैल पर टिकी है कि आगे क्या होगा।

भाजपा के विरोध...

थरूर का यह भी मानना है कि पार्टी को राष्ट्र के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को स्पष्ट करना चाहिए और इस बारे में विश्वसनीय कथन प्रस्तुत करना चाहिए कि अगर वह सत्ता में आती है तो वह क्या करेगी, न कि नकारात्मकता में फंसना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उम्मीद और आकांक्षाओं की पार्टी बनने की जरूरत है, जो भारतीयों के हितों को ऊपर रखने का एजेंडा लेकर चलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अतीत की नहीं बल्कि भविष्य की पार्टी होना चाहिए।कांग्रेस कार्यसमिति के एक मसौदे में राष्ट्रीय सद्भाव वाले खंड में कहा गया है कि भारत का विशिष्ट चरित्र इसकी बहुलतावादी संस्कृति, अद्वितीय विविधता और समन्वयकारी गंगा-जमुनी तहजीब में निहित है। न केवल भारतीय संस्कृति ने सदियों से विभिन्न दर्शन, विचारों और विश्वासों को अपनाया है, बल्कि संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था और विश्वास का स्वतंत्र रूप से पालन करने का अधिकार दिया है। भारतीय संविधान का मूलभूत सिद्धांत गैर-भेदभाव है, चाहे वह धर्म, जाति, भाषा, निवास स्थान, पोशाक या भोजन के आधार पर हो। यह कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का मूल है। इस ड्राफ्ट में कहा गया है कि भाजपा सरकार और उसके सहयोगी इस मूल राष्ट्रीय भावना को खंडित करने, विभाजन करने और दो हिस्सों में बांटने, हिंदू बनाम मुस्लिम को खड़ा करके धर्म के आधार पर विभाजन को बढ़ावा देने, भाषाई विभाजन पैदा करने और विभाजन पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें धार्मिक टकराव और अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों और ईसाइयों पर हमलों को बढ़ावा देती है। धर्मांतरण विरोधी कानून और वक्फ बोर्ड पर कानून में संशोधन इस ध्रुवीकरण रणनीति का हिस्सा हैं।इसके अलावा कांग्रेस पार्टी के इस मसौदे में जोर दिया गया है कि सामाजिक न्याय कांग्रेस का वैचारिक आधार है। पार्टी पिछले कुछ समय से सामाजिक न्याय का मंत्र जप रही है और अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए पार्टी के ढांचे को खोलने की कसम खा रही है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की थी। बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पार्टी के मुख्यमंत्री और देशभर के शीर्ष नेता शामिल हुए थे।प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि यह कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी जिसने 1993 में मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू किया और ओबीसी को 27% आरक्षण दिया। उस समय पीवी नरसिम्हा राव की सरकार थी, लेकिन मसौदे में उनका नाम नहीं था। पार्टी की राष्ट्रीय जाति जनगणना की मांग को दोहराते हुए इसमें कहा गया है कि इतना ही नहीं, कांग्रेस सरकार ने 2006 में मौलिक अधिकारों के अध्याय में अनुच्छेद 15(5) जोड़कर एक बार फिर इतिहास लिखा और ओबीसी को शैक्षणिक संस्थानों में 27% आरक्षण दिया। वहीं गुजरात में हो रहे इस अधिवेशन में पार्टी ने सरदार वल्लभभाई पटेल पर भी अलग से प्रस्ताव पारित किया। अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई राष्ट्रीय नायकों के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश की बात कही। उन्होंने कहा कि देश में 140 वर्षों तक सेवा और संघर्ष का गौरवशाली इतिहास रखने वाली कांग्रेस के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। यह काम वे लोग कर रहे हैं जिनके पास अपनी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने के लिए कुछ नहीं है।कांग्रेस पार्टी ने सरदार पटेल और पंडित जवाहर लाल नेहरू के संबंधों को लेकर अपने मसौदे में लिखा है कि उनके पास स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान बताने के लिए कुछ नहीं है। वे सरदार पटेल और पंडित नेहरू के बीच के संबंधों को इस तरह दिखाने की साजिश करते हैं जैसे दोनों नायक एक-दूसरे के विरोधी थे। जबकि सच्चाई यह है कि वे एक ही सिक्के के दो पहलू थे। कई घटनाएं और दस्तावेज उनके मधुर संबंधों के गवाह हैं।

राहुल खुद सोफे ...

सोफे पर बैठे है। भाजपा ने इसे दलितों का अपमान बताया है। राहुल के सोफे और खड़गे के कुर्सी पर बैठने का मसला इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि कांग्रेस ने भाजपा को दलित विरोधी बताया और दलित नेता के मंदिर जाने पर मंदिर धुलवाने का मसला उठाया था। राहुल गांधी ने लिखा था, भाजपा की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण। इसके जवाब में भाजपा नेता अमित मालवीय ने मल्लिकार्जुन खड़गे का कुर्सी पर बैठने वाला और राहुल सोनिया के सोफे पर बैठने वाला वीडियो शेयर किया। अमित मालवीय ने लिखा, पहले खड़गे जी का सम्मान करना सीखो। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनकी कुर्सी किनारे पर लगाने का क्या मतलब था? यह साफ़ दर्शाता है कि कांग्रेस दलित विरोधी है।

चुनावी दंगल में ...

तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा, यह संघ का शताब्दी वर्ष है। साल भर के लिए तय अभियानों को सक्रियता से चलाएं। साथ ही अवध क्षेत्र में संघ की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की।डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पदाधिकारी हर कार्यकर्ता तक पहुंचें। जनमानस में शताब्दी वर्ष के अभियानों के जरिये राष्ट्र के प्रति चेतना का माहौल बनाकर शाखाओं का विस्तार करें। गांवों में शाखाएं बढ़ाएं। शहरों में युवाओं और पेशवरों के अलग-अलग वर्गों को जोड़ें। इसके लिए रोजगार, रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और किसानों-गरीबों से जुड़े मुद्दों पर खास फोकस होगा। इस संबंध में मंगलवार को संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल की मौजूदगी में संघ के आर्थिक समूह के साथ समन्वय बैठक में जनता के फीडबैक के आधार पर सरकार को काम करने का सुझाव दिया गया।निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में संघ के सभी घटक प्रमुखों और सरकार के कई मंत्रियों की मौजूदगी में बैठक हुई। इस दौरान सहकारिता समेत कई विभागों में भर्ती न होने पर चर्चा हुई। संघ ने सरकार को रोजगार की दिशा में तेजी से काम करने और सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का सुझाव दिया। किसानों को कर्ज से निजात दिलाने और उनकी समस्याएं सुलझाने पर ध्यान देने को कहा। भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, सहकार भारती, लघु उद्योग भारती समेत कई संगठनों के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, श्रम व सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे। मजदूर संघ ने संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा समेत कई मुद्दे उठाए। भारतीय किसान संघ ने कहा कि किसानों के लिए पहले की तरह आगे भी कर्ज माफी पर विचार किया जाए। मंत्रियों ने समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की।

वक्फ कानून के ...

की नुमाइंदगी मामले में विपक्ष को घेरने की है। संघ और सरकार की पहली कोशिश चुंनिदा अहम मुस्लिम संगठनों और विपक्ष की बनाई गई धारणा को तोड़ने की है। इनका कहना है कि इस कानून के जरिए सरकार मुसलमानों की सम्पत्ति और धार्मिक स्थलों पर कब्जा करना चाहती है। मुस्लिम मंच देशभर में 100 प्रेस कॉन्फ्रेंस और 500 सेमिनारों का आयोजन कर बताएगा कि यह कानून दरअसल गरीब और पिछड़े मुसलमानों को उनका हक दिलाने की है, जिसे आज तक इससे दूर रखा गया। सेमिनारों में पसमांदा समाज के मुखर वक्ताओं को बुलाया जाएगा। वे बताएंगे कि इस कानून का मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई प्रावधान ही नहीं है। राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि कानून के संबंध में स्वार्थवश गलत धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है। यह मुस्लिम समुदाय के आत्मसम्मान, न्याय और समानता के अधिकार को और मजबूत करेगा। कानून भारतीय समाज में आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ाने वाला है न कि किसी के खिलाफ।दो महीने में यह सार्वजनिक हो जाएगा कि मुट्ठी भर लोगों ने कैसे वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग किया। दस्तावेज में जहां मस्जिद दर्ज है, वहां दुकानें कैसे खुल गईं। वक्फ भूमि पर मॉल कैसे बन गए। इन सम्पत्तियों के अघोषित वारिश कौन-कौन हैं। सबसे बड़ा सवाल कि वक्फ से असीमित आय हासिल करने की जगह इसे सीमित आय उपलब्ध कराने तक ही क्यों रखा गया? इन सारे सवालों के जवाब जब सामने आएंगे तब बाजी पलट जाएगी।वक्फ कानून के समर्थन के सवाल पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में जदयू के सभी 11 मुसलमान उम्मीदवार हार गए। जब जदयू 2014 में भाजपा से नाता तोड़कर अलग लड़ी तब हम महज दो सीट ही जीत पाए। वह भी तब जब सीएम नीतीश की तरह किसी मुख्यमंत्री ने मुसलमानों के हित में बड़ा काम नहीं किया। यह कानून पिछड़े मुसलमानों के हक में है, इसलिए जदयू ने विधेयक का साथ दिया।कानून लागू होने के बाद पहला विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में बिहार में होगा। यहां मुसलमानों की आबादी 17 फीसदी है, जिसमें 73 प्रतिशत पसमांदा या पिछड़े मुसलमान हैं। जदयू और भाजपा इस कानून को अशराफ बनाम पसमांदा का रंग देना चाहती है। पहले ही राज्य में पसमांदा कार्ड खेल चुके सीएम नीतीश और उनकी पार्टी लगातार कह रही है कि उसने विधेयक का साथ पसमांदा मुसलमानों के हितों का ध्यान रख कर किया।

चीन छोड़ कर ...

के व्यापार प्रतिनिधियों, वाणिज्य विभाग, ट्रेजरी विभाग से व्यापार, टैरिफ, मुद्रा हेरफेर और दूसरे व्यापार से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए कहा है। इन देशों ने मेरी सलाह को मानते हुए अमेरिका के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है, इसलिए मैंने इन पर 90 दिनों के लिए टैरिफ को बढ़ाने का फैसला रोक दिया है और इस दौरान टैरिफ 10 फीसदी तक घटा दिया है, जो तुरंत लागू होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।इसके साथ ही पूरी दुनिया का व्यापार युद्ध अब अमेरिका और चीन के बीच केंद्रित होता दिख रहा है। ट्रंप की ओर से ज्यादातर देशों पर टैरिफ में 90 दिनों के विराम की घोषणा के अमेरिकी शेयर बाजार में उछाल नजर आया। दोपहर तक के कारोबार में डाउ जोंस में 2151 से अधिक अंकों की उछाल आ गई। यह करीब 5.7 फीसदी है। वहीं, नैस्डैक में 1290 अंकों यानी 8.36 फीसदी और एसएंडपी 500 में 340 अंकों या 6.90 फीसदी से ज्यादा की उछाल दर्ज की गई।इससे पहले, ट्रंप प्रशासन की ओर से मंगलवार को लगाए गए अतिरिक्त 50 फीसदी टैरिफ का आक्रामक जवाब देते हुए चीन ने भी अमेरिकी आयात पर और 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया, जिससे अमेरिका पर चीन का अतिरिक्त टैरिफ 84 फीसदी पहुंच गया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सीमा शुल्क टैरिफ आयोग की बुधवार की घोषणा के हवाले से बताया कि चीन गुरुवार से अमेरिका से आयातित उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ बढ़ाकर 84 प्रतिशत कर देगा। आयोग ने कहा कि अमेरिका गलत रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और टैरिफ का फैसला चीन के वैध अधिकारों और हितों का गंभीर उल्लंघन करता है।वहीं, यूरोपीय संघ ने भी 23 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों ने ट्रंप की ओर से संघ पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ के जवाब में अमेरिकी आयात पर भारी-भरकम शुल्क लगाने के पक्ष में मतदान किया। ईयू के टैरिफ का कुछ हिस्सा 15 अप्रैल और कुछ 15 मई जबकि शेष 1 दिसंबर से प्रभावी होगा। हालांकि ईयू ने जिन सामान पर टैरिफ की घोषणा की है वह अमेरिका-ईयू के बीच सालाना 1.8 ट्रिलियन डॉलर के व्यापार का बहुत छोटा हिस्सा हैं। दोनों पक्षों के बीच प्रतिदिन 4.4 अरब यूरो मूल्य के सामान का प्रशांत महासागर के जरिये व्यापार होता है। ईयू के कार्यकारी आयोग ने तत्काल उन वस्तुओं की सूची नहीं दी है जिनपर ये शुल्क लगाया जाएगा। 27 देशों के समूह ईयू के सदस्यों ने व्यापार मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत के जरिए समझौते की अपनी प्राथमिकता दोहराई और कहा, ईयू अमेरिकी टैरिफ को अनुचित और नुकसानदेह मानता है। इससे दोनों पक्षों के साथ-साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ट्रंप-इफेक्ट : अब भारत...

दबाव बनाना और अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करना है। और यह भी सच है कि अमेरिका की इस नीति ने चीन की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। चीन ने इसे ग्लोबल साउथ यानि वैश्विक दक्षिण के देशों के विकास के अधिकार पर हमला बताया है। बीजिंग इसे संरक्षणवाद का उदाहरण बता रहा है।चीन ने भारत को भी वैश्विक दक्षिण का अंग बताते हुए कहा है कि दोनों देशों को एकजुट होकर अमेरिका के इस कदम का विरोध करना चाहिए। चीनी प्रवक्ता यू जिंग ने कहा है कि भारत और चीन दोनों विकासशील देश हैं और इस तरह के टैरिफ से उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने बहुपक्षीयता और वैश्विक व्यापार के सिद्धांतों का समर्थन करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने कहा है कि भारत और चीन दोनों विकासशील देश हैं और इस तरह के टैरिफ से उनके विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि भारत ने अभी तक इस मामले में कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया है। साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बात भी चल रही है, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। भारत सरकार ने टैरिफ का जवाब टैरिफ से देने के बजाय बातचीत के माध्यम से समाधान खोजने की नीति अपनाई है।

भगवान महावीर स्वामी के संदेश और अपरिग्रहवाद

महावीर स्वामी के वचन या उनकी प्रेरक वाणी सम्पूर्ण मानवीय जीवन दर्शन या जीवन-संस्कृति से अनुगुंजित है, जो मुख्यतया अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्त की त्रयी पर आधारित है। महावीर स्वामी के वचनों के अनुसार दृष्टि निपुणता तथा सभी प्राणियों के प्रति संयम ही अहिंसा है। दृष्टि निपुणता का अर्थ है सतत् जागरुकता तथा संयम का अर्थ है मन वाणी और शरीर की क्रियाओं का नियमन। जीवन के स्तर पर जागरुकता का अर्थ तभी साकार होता है, जब उसकी परिणति संयम में हो। संयम का लक्ष्य तभी सिद्ध हो सकता है, जब उसका जागरुकता द्वारा सतत् दिशानिर्देश होता रहे। लक्ष्यहीन और दृष्टिगत संयम अर्थहीन काया क्लेश मात्र बनकर रह जाता है।

महावीर स्वामी के सन्देशों में प्रतिबिम्बित श्रमण संस्कृति के संदर्भ में, ज्ञान दृष्टि के आधार पर जीवन चर्चा का संयमन ही तात्विक संयम है। जीवन चर्चा के संयमन के बिना मानव जाति में एकता की प्रतिष्ठा तथा विलास वैभव का नियंत्रण सम्भव नहीं। एकता और समता, संयम और नियंत्रण के अभाव की स्थिति में हिंसा की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे जनता का दु:ख बढ़ता है। इसलिए महावीर स्वामी ने दूसरों के दु:ख को दूर करने की धर्मवृत्ति को अहिंसा धर्म कहा है 'परस्स अदुक्खकरणं धम्मो।' (वसुदेवहिण्डी)

महावीर स्वामी ने अपनी वाणी से सम्पूर्ण मानव जाति को एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा है जन्म से कोई किसी जाति का नहीं, कर्म से उसकी जाति का निर्धारण होता है। ब्राह्मण, क्षत्रिय और शूद्र ये सब जन्मना नहीं, कर्मणा होते हैं (उतराध्ययन सूत्र)। तात्पर्य यह कि कर्म की शुचिता और अशुचिता के आधार पर ही मनुष्य की उच्चता या नीचता निर्भर होती है। उसमें जन्म से हीन या उच्च जैसा भाव नहीं है। प्रत्येक वाणी, चाहे वह छोटा-सा कीड़ा हो या आदमी, आत्मसत्ता के स्तर पर समान है, उसमें अनुर्निहित सम्भावनाएं समान हैं।

महावीर के वचनों में अनुध्वनित अपरिग्रह तथा अहिंसा के संदेश मनुष्य की वर्तमान आर्थिक और सामाजिक आकांक्षाओं को ऊपर उठाने में अधिकाधिक कामयाब सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने अपरिग्रह के व्रत पर इसलिए बल दिया है कि वह जानते थे कि आर्थिक असमानता और आवश्यक वस्तुओं का अनुचित संग्रह सामाजिक जीवन को विघटित करने वाला है। महावीर स्वामी ने ऐसे समाज घातक परिग्रहवाद के विरोध में आवाज उठाई और अपरिग्रह के सामाजिक मूल्य की स्थापना की। 'परस्परोग्रहों जीवानाम्' अर्थात् जीवों के प्रति परस्पर उपकार की भावना ही उनकी साधना का लक्ष्य था और उसका प्रतिफलन उनके मूल्यवान वचनों में हुआ है।

महावीर स्वामी का वचन है कि सत्य अनन्तमुख है। अपने को ही एकान्तिक रूप से सही मानना और दूसरे को गलत समझना सत्य का अनादर करना है। किसी को सर्वथा गलत मानना वैचारिक स्तर पर हिंसा है, उनकी जीवन सत्ता को अस्वीकार करना है। उनका कथन है कि सापेक्ष स्तर पर सत्य को उसके सन्दर्भों में देखा जाए और उन सन्दर्भों में उन्नत हित रूपों द्वारा उसे सम्मानित किया जाए।

एकत्व में अनेकत्व तथा अनेकत्व में एकत्व यानी उभयात्मक दृष्टि ही वास्तुसत्य के सही अभिज्ञान या सम्यग्ज्ञान में समर्थ होती है। हाथी के पैर, पूंछ, सूंड और कान को टटोलकर एक-एक अवयव को ही हाथी मानने वाले जन्मान्ध लोगों का अभिप्राय मिथ्या होता है पर हाथी के समस्त अवयवों के समुदाय को हाथी के रूप में पहचान करने वालों की दृष्टि होती है।

महावीर स्वामी के वचनों में निहित अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्त के तत्व निश्चय ही उनके द्वारा किए गए सामाजिक विकास के तथ्यान्वेषण की युगान्तरकारी परिणति है। कोई भी आत्मसाधक महापुरुष लौकिक सामाजिक व्यवस्था के आधारभूत तत्वों की उपेक्षा नहीं कर सकता। महावीर स्वामी ने पददलित लोगों को सामाजिक सम्मान देकर उनमें आत्माभिमान को जगाया। उन्होंने अपने वचनों को बराबर अपने ही जीवन में उतारने का प्रयास किया। वह बराबर आत्मपर्यवेक्षण और आत्मपरीक्षण के दौर से गुजरते रहे। उनकी कथनी और करनी, यानी कर्म और वाणी में एकता थी, इसलिए उनकी संदेश वाणी अनेक स्वयं भुक्त जीवनानुभव की ही मार्मिक अभिव्यक्ति है।

महावीर ने अपनी क्षमावाणी में कहा है कि मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूं और सभी जीव मुझे क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री हो। किसी के साथ मेरा वैर न हो। उन्होंने प्राणी हिंसा की वर्जना करते हुए कहा, सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता, इसलिए क्रूर प्राणी हिंसा का सर्वथा परित्याग कर देना चाहिए। पाप कार्य से बचने का उपदेश देते हुए उन्होंने कहा, जिस कर्म से पाप की उत्पत्ति हो, उसको कभी स्वीकार न करें। पाप कार्यों से बचकर अपनी आत्मा को ऊंचा उठाएं। शारीरिक क्लेशों से ग्रस्त होने पर भी उद्विग्न न होकर उन्हें धीरता से सहन करें।

आत्मा के अस्तित्व की घोषणा करते हुए महावीर स्वामी ने कहा जो आत्मा है, वह विज्ञाता है। जो विज्ञाता है, वह आत्मा है। जिससे जाना जाता है, वह आत्मा है। जानने के सामर्थ्य द्वारा ही आत्मा की प्रतीति सिद्ध होता है। परमार्थ ज्ञान के प्रति आग्रह प्रगट करते हुए उन्होंने कहा, जो परमार्थ को जानता है, उसे संसार के स्वरूप का ज्ञान होता है। जो परमार्थ को नहीं जानता उसे संसार का स्वरूप ज्ञात नहीं होता।

अपरिग्रहवाद : त्यागपूर्वक भोग

संसार का सारा कुछ सर्वव्यापी परमात्मा से व्याप्त है। इसका कोई भी अंश उनसे रहित नहीं है। ऐसा मानकर निरन्तर ईश्वर का स्मरण करना चाहिए। उपनिषद के ऋषि कहते हैं, जो सदा ईश्वर का स्मरण करते हुए, संसार के प्रति आसक्ति या ममता न रखते हुए केवल कर्तव्य पालन के लिए ही विषयों का यथाविधि उपभोग करता है, अर्थात् विश्वात्मा ईश्वर की पूजा के लिए ही कर्मों का आचरण करता है, उसका मन विषयों में नहीं फंसता, उसका निश्चित रूप से कल्याण होता है : न कर्म लिप्यते नरे। (ईशोपनिषद)

वस्तुत: संसार में जितने भोग्य पदार्थ हैं, वे किसी एक के नहीं हैं। मनुष्य भूल से उन्हें अपना समझ लेता है या उसके प्रति आसक्ति एवं ममत्व कर बैठता है। सच तो यह है कि संसार के सारे भोग्य पदार्थ परमेश्वर के हैं, जिनका उपयोग उनकी प्रसन्नता के लिए ही होना चाहिए। त्यागपूर्वक भोग ही वांछित है, भोग के प्रति आसक्ति अनुचित है।

भारतीय चिन्तन संग्रहवादी या भोगवादी नहीं, अपितु त्यागवादी है। भारतीय शास्त्र कहता है कि जितने से पेट भर जाए, उतने से ही संतोष करना चाहिए जो ऐसा नहीं करता, वह दूसरों को छीनता या चुराता है और इसलिए वह दण्ड का भागी है। कबीर भी यही कहते हैं :

सांई इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय।
मैं भी भूखा न रहूं, साधु न भूखा जाय।।

अपनी अनिवार्य आवश्यकता से अधिक किसी वस्तु का ग्रहण या भविष्य के लिए उसका संचय अनुचित है। भगवान महावीर स्वामी ने इसे अपरिग्रह कहा है। अपरिग्रह के अनुसार आचरण करने का अर्थ है, मनुष्य सतत् श्रम करते हुए समाज से उतना ही ग्रहण करें, जितना उसके जीवन के लिए अनिवार्य हो, शेष सब कुछ समाज के कल्याण के लिए छोड़ देना चाहिए। महात्मा गांधी का विश्वास था कि अगर सभी व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में अपरिग्रह का आचरण करें तो समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता का अन्त हो सकता है।

ज्ञातव्य है, प्रत्येक आवश्यकता की उपस्थिति मनुष्य को दु:ख देती है। आवश्यकता की पूर्ति हो जाने पर उसे क्षणिक सुख अवश्य मिलता है किन्तु पुन: एक आवश्यकता के बाद दूसरी आवश्यकता उठ खड़ी होती है। जरूरतों के बढने का क्रम सुख में नहीं, बल्कि दु:ख में बढ़ोतरी करता है। अतएव, जब तक आवश्यकता विहीन स्थिति नहीं आती, तब तक हमें सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं। मनुष्य जैसे-जैसे अपनी आवश्यकताओं में कमी करेगा, वैसे-वैसे परमसुख के समीप पहुंचता जाएगा।

यदि वर्तमान में राष्ट्र, समाज और व्यक्ति को आत्मिक शान्ति की प्राप्ति या नैतिक मूल्यों की पुन: स्थापना करनी है तो भोगवादी प्रवृत्ति से विमुख होकर अपरिग्रह को मूल्य देना अनिवार्य होगा। उपनिषद की घोषणा है कि इस संसार में शास्त्र विहित निष्काम कर्म करते हुए सौ वर्षों तक जीने की इच्छा करनी चाहिए 'जिजीविसेच्छतं समा:।

इस प्रकार त्याग-भाव से किया गया कर्म कभी बन्धन में नहीं डालता। कर्म करते हुए कर्मों से लिप्त न होने का यही एक मार्ग है। इसके अतिरिक्त कोई भी मार्ग कर्म बन्धन से मुक्त नहीं कर सकता।

महावीर स्वामी का अपरिग्रह यही है कि सिर्फ कर्म, देह, कुटुम्ब, धन वैभव आदि ही परिग्रह या आसक्ति नहीं है, अपितु इनसे जुडऩा इनमें ममत्व करना ही अपरिग्रह है। यहां तक कि अपने रूप सौन्दर्य या ज्ञान वैदुष्य पर घमण्ड करना भी परिग्रह है। इस प्रकार, परिग्रह केवल बहिरंग ही नहीं होता वरन् वह वस्तु से भिन्न आन्तरिक भावों से भी जुड़ा होता है।

संसार का प्रत्येक प्राणी शांति चाहता है, शान्ति की कामना करता है, मगर इसके लिए वास्तविक प्रयत्न नहीं करता।

आज के भौतिकवादी युग में सभी ने आसक्ति या परिग्रह को ही सुख का मूल मान रखा है। परिग्रह बढ़ाने वाले मनुष्य को अपना प्रिय जीवन, सुख शान्ति सब कुछ दांव पर लगा देना पड़ता है। उसे सदैव तनावों और अशान्त मन:स्थितियों का सामना करना पड़ता है। शान्ति के प्रेमी स्वामी रामकृष्ण, महावीर स्वामी के समस्वर हैं कि अगर तुम वास्तविक शान्ति प्राप्त करना चाहते हो तो इच्छाओं की दासता से आसक्ति या ममता की गुलामी से अपने मन को अलग करो। जिस क्षण तुम इच्छाओं से ऊपर उठ जाओगे या इच्छाओं के सामने झुकोगे नहीं, इच्छित वस्तु स्वत: तुम्हारी तलाश करने लग जाएगी। अवश्य ही, आज अपरिग्रह के तहत त्यागपूर्वक भोग से ही विश्व का कल्याण हो सकता है।

-डॉ. श्रीरंजन सूरिदेव

भगवान श्री महावीर जी

प्राचीन राजपूताना अब राजस्थान कहलाता है। इस प्रदेश के जनपद सवाई माधोपुर में मुख्यालय से कुछ ही दूर पर श्री महावीर जी का मंदिर अवस्थित है। वास्तव में गोमाता की कृपा से यहां भगवान महावीर की प्रतिमा का प्राकट्य हुआ था, जिन्हें यहां विराजमान कराया गया। सारे भारत की तरह राजपूताना (राजस्थान) में भी छोटे-बड़े रियासती राज्य कायम थे। भारत वर्ष की राजनीतिक एकता विदेशी शासकों के आधीन थी। ऐसे ही समय में 18वीं सदी ई. के मध्य की यह एक चमत्कारी घटना है। ग्राम चांदनपुर गम्भीर नदी के तट पर बसा हुआ था, जहां एक चतरा मोची का निवास था। उसके परिवार में महत्वपूर्ण थी उसकी धर्मपत्नी लक्ष्मी एवं गाय धोरी। नित्य दिन धोरी गाय को चराने के लिए चरवाहा ग्वाला ले जाता था और शाम को आकर धोरी अच्छी मात्रा में दूध देती और पुन: प्रात: भी दूध देती जिससे चतरा का सपरिवार पालन-पोषण हो जाता था।

लेकिन एक दिन धोरी ने दूध देना बन्द कर दिया। कई दिन तक जब गाय ने दूध नहीं दिया तब चतरा चिन्तित हो उठा। तब उसने पत्नी लक्ष्मी को कहा कि हमें यह ज्ञात करना ही होगा कि घोरी के दूध न देने का कारण क्या है? चतरा व लक्ष्मी चुपचाप धोरी के पीछे पीछे चले। ग्वाला सभी गायों को लेकर चराने सदा की भांति ही गया। इसी बीच धोरी एक ओर चल पड़ी। वह गम्भीर नदी के तट पर स्थित एक छोटे से टीले पर खड़ी हो गई और चारों थनों से दूध की धारा गिराने लगी। ऐसा लग रहा था कि गोमाता वहां भूमि का अपने दूध से अभिषेक कर रही है। दूसरे दिन चतरा ने गाय को जाने से रोकना चाहा, पर गाय न रुकी और सीधे उसी टीले पर दूध की धार छोड़कर ही मानी। तब चतरा ने लक्ष्मी व ग्वाले से कहा कि अवश्य ही उस टीले के भीतर कोई दिव्य परमात्म तत्व विराजमान है, जिसका खुदाई करके पता करना ही चाहिए। तब उन्होंने वहां की सावधानी पूर्वक खुदाई की तो भगवान महावीर की देव प्रतिमा निकल पड़ी। उन्होंने यह बात चांदनपुर वासियों को बताई। सबने मिलकर तय किया कि एक भव्य मंदिर बनाया जाए और उसमें भगवान महावीर को बैठाया जाए। मंदिर बनकर तैयार हुआ तो लोगों ने बैलगाड़ी पर मूर्ति को रखकर लाना चाहा, परन्तु मूर्ति अपने स्थान से टस से मस नहीं हुई। कई बैलगाड़ियां लगाकर सभी गांव वासियों ने मिलकर प्रयास किया तब भी सफलता हाथ न लगी। तब अकस्मात धोरी गाय वहां आ गई और रम्भाने लगी। चतरा भी पहुंचा तो धोरी उसकी धोती मुंह से पकड़कर मूर्ति के निकट ले आई। अब चतरा ने जैसे ही मूर्ति को उठाने के लिए हाथ लगाया तो मूर्ति उसके स्पर्श से ही उठ गई और लोग बैलगाड़ी में लादकर मूर्ति को मंदिर तक लाए और चतरा के साथ ही मूर्ति को मंदिर के भीतर प्रतिष्ठित किया। विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई और भगवान श्री महावीर यहां पूज्य हो गए। उक्त स्थान तीर्थ स्थल बन गया। इस प्रकार गौमाता की कृपा से संसार ने भगवान महावीर के प्राकट्य का सौभाग्य प्राप्त किया।

-स्वामी गोपाल आनन्द बाबा

आपके लिए सफलता की राह खोल देंगे महावीर जी के अनमोल विचार

भगवान महावीर ने जैन धर्म के मूल सिद्धांतों की स्थापना की थी, जो जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से एक हैं। जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, महावीर जी का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर हुआ था। ऐसे में इस साल महावीर जयंती 10 अप्रैल को मनाई जा रही है। तो चलिए इस खास मौके पर पढ़ते हैं भगवान महावीर जी के अनमोल विचार।

महावीर जी के अनमोल विचार

महावीर जी ने अपने विचारों दारा सभी को आकर्षित किया, चाहे वह अमीर हो या गरीब, राजा हो या आम आदमी, पुरुष हो या फिर महिला। भगवान महावीर जी ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया है।

महावीर जी कहते हैं कि किसी आत्मा की सबसे बड़ी उसके द्वारा अपने असल रूप को न पहचानना होता है। इस गलती को केवल आत्म ज्ञान की प्राप्ति से ही ठीक किया जा सकता है।

हर जीवित प्राणी के प्रति दया का भाव रखना ही अहिंसा है। घृणा का भाव रखने से मनुष्य का विनाश के अलावा कुछ नहीं मिलता।

आत्मा इस संसार में अकेली ही आती है और अकेली चली जाती है।

करुणा और दया ही हमें सच्चे मानव बनाती है। वहीं इसके विपरीत घृणा न केवल स्वयं को दुख देती है, बल्कि दूसरों को भी कष्ट पहुंचाती है।

महावीर जी के अनुसार, जो सभी जीवों को मित्र भाव से देखता है, वही सच्चा साधु है।

भगवान महावीर के संदेश मुख्य रूप से अहिंसा, सत्य, और त्याग पर आधारित थे। उनका कहना था कि सत्य बोलो, अहिंसा का पालन करो, अपरिग्रह धारण करो।

प्रत्येक आत्मा स्वयं में सर्वज्ञ और आनंदमय है अर्थात आनंद कोई बाहर से प्राप्त करने वाली वस्तु नहीं है, वह व्यक्ति के अंदर ही होता है।

असली शत्रु व्यक्ति के भीतर ही होता है और वह शत्रु है व्यक्ति का क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति और नफरत। इसलिए लाखों शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने से बेहतर है कि आप खुद पर विजय प्राप्त करें।

महावीर जी का मानना था कि अगर कोई व्यक्ति सही दिशा में सर्वोच्च प्रयास करता है, तो वह देवत्व को प्राप्त कर सकता है।

महावीर जी का कहना है कि अगर आपने किसी के साथ भलाई की है, तो उसे भूल जाना चाहिए। इसी तररह अगर किसी ने आपका बुरा भी किया है, तो उसे माफ करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यही शांति का मार्ग है।

संसार के सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान का भाव रखना ही अहिंसा है।

महावीर जयंती आज मनाई जाएगी

जैन धर्म के लोगों के लिए महावीर जयंती का खास महत्व होता है। यह त्योहार हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस खास दिन पर शोभ यात्रा, प्रभात फेरी और अनुष्ठान का आयोजन भी किया जाता है। बता दें कि जैन धर्म के लोग इस त्योहार को बहुत धूम-धाम से मनाते हैं। इस वर्ष महावीर जयंती की सही तारीख को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज है।

महावीर जयंती कब मनाई जाएगी

इस वर्ष महावीर जयंती का त्योहार 10 अप्रैल दिन गुरुवार को मनाई जाएगी। जैन मंदिरों में इस दिन महावीर की मूर्तियों का अभिषेक किया जाता है। इसके बाद, प्रतिमा को रथ में बैठाकर शोभ यात्रा निकाली जाती है। महावीर जयंती की शोभ यात्रा में जैन समुदाय के लोग जाते भाग लेते हैं। साथ ही, कई जगह पंडाल लगते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है।

महावीर जयंती क्यों मनाई जाती है

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर देवता का जन्म हुआ था। यह तिथि इस वर्ष 09 अप्रैल की रात 10 बजकर 56 मिनट से शुरू हो रही है और इसका समापन 10 अप्रैल के दिन रात में 01 बजकर 01 मिनट पर होगा। पौराणिक मान्यताओं और कथा में बताया गया है कि भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थकर थे। उनके जन्म के उपलक्ष में यह पर्व मनाया जाता है। महावीर स्वामी को उन 24 लोगों में से एक माना जाता है, जिन्होंने कठिन तपस्या करके आत्मज्ञान प्राप्त किया था। कहा जाता है कि लगातार 12 साल तक महावीर भगवान ने कठोर तपस्या की थी। मौन, तप और जप करने के बाद महावीर देवता ने अपनी इंद्रियों पर पूरी तरह काबू पाया और ज्ञान प्राप्त किया था।

जैन धर्म के लोग महावीर जयंती के खास अवसर पर शोभ यात्रा निकालने से पहले मंदिरों में महावीर देवता का सोने और चांदी के कलश से अभिषेक भी करते हैं। मान्यताओं के मुताबिक, महावीर भगवान अपना घर-परिवार और राजसी ठाठ बाट को त्यागकर अध्यात्म की राह पर निकल गए थे। उनके द्वारा बताए गए 5 प्रमुख सिद्धांत सत्य, अहिंसा, असत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य का पालन करना है।

क्या है नवकार मंत्र और इसका महत्व, जानें इससे जुड़े नियम?

हर साल 09 अप्रैल को नवकार महामंत्र दिवस मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्य वरिष्ठ जनों के साथ मिलकर नवकार महामंत्र का जप किया। साथ ही उन्होंने नवकार महामंत्र के मूल उद्देश्य के बारे में बारीकी से जानकारी दी और लोगों को नकारात्मक चीजों से दूर रहने की सलाह दी। लेकिन क्या आपको पता है कि नवकार महामंत्र क्या है?

नवकार महामंत्र क्या है?

नवकार महामंत्र का संबंध जैन धर्म से है। आसान शब्दों में कहें तो जैन धर्म के अनुयायी सामुदायिक रूप से नवकार महामंत्र का जप करते हैं। इस महामंत्र का जप ध्यान से किया जाता है। नवकार महामंत्र को नमस्कार मंगल या परमेष्ठी मंत्र भी कहा जाता है। यह मंत्र जैन साधु और मुनियों को पूर्णतः समर्पित होता है।

नवकार महामंत्र का महत्व

नमो अरिहंताणं, नमो सिद्धाणं
नमो आयरियाणं, नमो उवज्झायाणं
नमो लोए सव्व साहूणं।
एसो पंच णमोक्कारो, सव्व पावप्पणासणो
मंगलाणं च सव्वसिं, पढमं हवइ मंगलं।

जैन धर्म के प्रमुख जानकारों की मानें तो नवकार महामंत्र में पहले पांच नमस्कार का वर्णन था। इसके बाद अन्य मंत्रों को जोड़ा गया है। इसका भावार्थ यह है कि मैं परमज्ञानी आत्मविजयी और सिद्धों को नमस्कार करता हूं। मैं सिद्धपुरुषों को नमन करता हूं। मैं दुनिया भर के सभी सिद्धपुरुषों को प्रणाम करता हूं। नवकार महामंत्र से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। नवकार महामंत्र परम मंगल और शुभ मंत्र है।

कितनी बार जप करना चाहिए?

जैन धर्म के जानकारों की मानें तो सम और विषम दोनों ही अनुपात में नवकार महामंत्र का जप कर सकते हैं। साधक क्रम संख्या एक से लेकर 25 तक अपनी सुविधा के अनुसार नवकार महामंत्र का जप या पाठ कर सकते हैं। हालांकि, नवकार महामंत्र के जप के समय एकाग्र ध्यान रहना अनिवार्य है। इसके लिए नवकार महामंत्र का जप करने से पहले ध्यान मुद्रा में बैठकर मन को एकाग्र कर लें। इसके बाद नवकार महामंत्र का जप करें।

नवकार महामंत्र का इतिहास

इतिहासकारों की मानें तो कई शिलालेखों में नवकार महामंत्र का उल्लेख है। प्राचीन समय में नवकार महामंत्र में कई नमस्कार का वर्णन है। सबसे प्राचीन शिलालेख में नमो अरहंताणं और नमो सवे सिद्धाणं का वर्णन है। इसके बाद के शिलालेखों में पूर्ण नवकार महामंत्र का उल्लेख मिला है। जैन धर्म का यह पवित्र मंत्र है। इसे सामुदायिक या व्यक्तिगत रूप से किया जाता है। नवकार महामंत्र सिद्धिकारक मंत्र है। इस मंत्र के जप से समस्त विश्व का कल्याण होता है।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जवान को पीछे छोड़ सर्वाधिक कमाई वाली तीसरी फिल्म बनी छावा

निर्माता दिनेश विजान निर्मित और लक्ष्मण उतेकर निर्देशित विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस आंकड़ों में बड़ी उलटफेर करते हुए शाहरुख खान अभिनीत जवान को घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में पीछे छोड़ने में सफलता प्राप्त कर ली है। इस उपलब्धि के साथ ही छावा हिन्दी सिनेमा के इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, छावा ने भारत में नेट तौर पर 583.3 करोड़ की रिकॉर्डतोड़ कमाई की है, जबकि जवान की कमाई 582.31 करोड़ रही। हालांकि जवान का वर्ल्डवाइड ग्रॉस 1160 करोड़ से भी अधिक था, लेकिन हिंदी में घरेलू नेट कलेक्शन के आधार पर छावा ने बाज़ी मार ली है – जो विक्की कौशल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

छावा ने हिंदी बेल्ट के बाहर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसकी तेलुगु डब वर्जन को आंध्रप्रदेश और तेलंगाना में तीन हफ्ते तक सफलता मिली, जिससे फिल्म ने 16 करोड़ अतिरिक्त कमाए। इस तरह छावा की कुल भारत नेट कमाई 599.15 करोड़ तक पहुंच गई है। अब यह 600 करोड़ क्लब में एंट्री करने वाली जवान, कल्कि 2898 AD, RRR, KGF 2, बाहुबली 2 और पुष्पा 2 के साथ सातवीं भारतीय फिल्म बनने के बेहद करीब है। मोहलाल-पृथ्वीराज की एल2: एम्पुरान और सलमान खान की सिकंदर जैसी बड़ी फिल्मों से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद, छावा ने अपनी पकड़ बनाए रखी है। फिल्म अब भी रोज़ाना लगभग 35-40 लाख की कमाई कर रही है, जो दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया और वर्ड ऑफ माउथ प्रमोशन का संकेत है।

फिलहाल हिंदी नेट कमाई में छावा से आगे सिर्फ पुष्पा: द रूल – पार्ट 2 और स्त्री 2 हैं। यह सफलता विक्की कौशल के करियर का नया शिखर साबित हुई है, और इसने यह भी दिखा दिया कि दमदार कहानी और अभिनय से सजी फिल्में आज भी बड़े बजट की फिल्मों को टक्कर दे सकती हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल की नज़रें अपने आने वाले मेगा प्रोजेक्ट्स पर हैं। वह जल्द ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे, जो मार्च 2026 में रिलीज़ होगी। यह फिल्म भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद वापसी है, और पहले से ही सुर्खियों में है। दिलचस्प बात यह है कि इसका मुकाबला यश की अगली फिल्म टॉक्सिक से होगा – जो KGF के बाद उनकी पहली रिलीज होगी।

मलाइका अरोड़ा ने फैंस को सोशल मीडिया पर दिखाई अपनी पसंदीदा चीजें

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर अपनी पसंदीदा चीजों की एक झलक शेयर की। मलाइका इन्हें अपने लिए 'स्पेशल' मानती हैं। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिल को छू लेने वाली तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में मलाइका अपनी बहन अमृता अरोड़ा, मां जॉयस पॉलीकार्प और अपने प्यारे पालतू कुत्ते कैस्पर के साथ नजर आईं, जिसमें उनके खास पलों को दिखाया गया है। इन तस्वीरों में उनके फैशन सेंस, लाइफस्टाइल और रुचियों का भी पता चलता है। इन तस्वीरों में उनकी पसंदीदा टोपी, हलवा पूरी और काले चने की एक प्लेट, गुलाब का गुलदस्ता और मार्विन गे के क्लासिक गॉट टू गिव इट अप के प्रति उनके प्यार का जिक्र था। मलाइका ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ये मेरी कुछ पसंदीदा चीजें हैं।

कुछ दिन पहले एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने मजबूत कल के बारे में एक प्रेरणादायक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने अपने योग वर्कआउट वीडियो के कैप्शन में लिखा, आज थकान, कल के लिए मजबूत फिटनेस की प्रेरणा- एब्स और कोर वर्कआउट।

इस वीडियो में मलाइका एक चटाई पर विभिन्न योग आसन करते हुए दिखाई दे रही हैं।

मलाइका अरोड़ा के करियर की बात करें तो वर्तमान में वह रेमो डिसूजा के साथ रियलिटी शो हिप हॉप इंडिया सीजन 2 को जज करती नजर आ रही हैं। मलाइका ने आईएएनएस को बताया था, जब उन्होंने मुझे इस शो के लिए संपर्क किया, तो मैं बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरे लिए बिल्कुल नया है। यह एक अलग मंच है और मुझे पता था कि मुझे यहां बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। कई अलग-अलग डांस कैटेगरी हैं, जिनमें से कुछ मेरे लिए नई हैं। मैं वास्तव में इसका आनंद ले रही हूं और इसके अंत तक मैं एक प्रतियोगी भी बन सकती हूं!

सिद्धांत चतुर्वेदी ने आइस बाथ चैलेंज स्वीकारा
4 डिग्री तापमान में 7 मिनट तक बैठे रहे स्टार

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'आइस बाथ' चुनौती को स्वीकार करते हुए 4 डिग्री सेल्सियस में 7 मिनट गुजारे। उन्होंने इससे जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। ये दूसरी बार है जब इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इससे पहले जनवरी 2025 में सिद्धांत ने अपनी इंस्टा स्टोरी में शेयर किया था। सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दोबारा इस वीडियो को शेयर किया। उनके इस वीडियो पर स्केलेट्रॉन म्यूजिक नाम के एक अकाउंट से कमेंट किया गया। उन्होंने फायर और लव इमोजी बनाई, जिस पर रिएक्ट करते हुए सिद्धांत ने लिखा- 'भाई अब मुझे पता चला कि आपने यह मिक्स कैसे बनाया।' इस पर स्केलेट्रॉन म्यूजिक ने एक हंसने वाला इमोजी शेयर किया।

इसके साथ ही, स्केलेट्रॉन म्यूजिक ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर सिद्धांत का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- जब आपका रीमिक्स फ्री में उपलब्ध हो सिद्धांत चतुर्वेदी। लगता है मैंने कुछ सही किया।

एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बुधवार को एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 7 मिनट तक बर्फ के ठंडे पानी में बैठे नजर आ रहे हैं, ये उनकी विपरीत परिस्थितियों में सहनशीलता को दर्शाता है।सिद्धांत ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में सिर्फ गहराइयां लिखा। इसके साथ ही उन्होंने इस क्लिप में फिल्म के टाइटल ट्रैक का भी इस्तेमाल किया।वीडियो क्लिप में सिद्धांत बड़े बर्फ के टुकड़ों से भरे टब में बैठे दिखाई दे रहे हैं, जहां वे 7 मिनट तक ठंडे पानी में बैठे रहे। वीडियो पर लिखा था, 4 डिग्री सेल्सियस/7 मिनट (7 मिनट गुजारे 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में)।एक्टर ने 7 मिनट तक बर्फ में नहाने के बाद खुद की एक ब्लर तस्वीर भी शेयर की है। इस फोटो में ठंड के कारण उन पर पड़ने वाले असर को दिखाया गया है।दिलचस्प बात यह है कि अभिनेता ने पोस्ट के कैप्शन के रूप में अपनी फिल्म 'गहराइयां' के टाइटल का इस्तेमाल किया। शकुन बत्रा की रोमांटिक ड्रामा में दीपिका पादुकोण, अनन्या पांडे और धैर्य करवा भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे। इसके अलावा, रजत कपूर और नसीरुद्दीन शाह सहायक भूमिकाओं में नजर आए थे।सिद्धांत चतुर्वेदी के काम की बात करें तो वह अपकमिंग फिल्म धड़क 2 में नजर आएंगे। एनडीटीवी युवा इवेंट में फिल्म के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा था कि इसने उन्हें अपनी जड़ों को तलाशने का मौका दिया।सिद्धांत ने कहा, मैं सबसे पहले रिलीज की तारीख बताना चाहूंगा। मुझे उम्मीद है कि करण इसे देख रहे होंगे। लेकिन हां, हमने वाकई में एक मजबूत और जड़ों से जुड़ी फिल्म बनाई है। आमतौर पर मुझे शहरी कैरेक्टर के लिए संपर्क किया जाता है, लेकिन मैं यूपी के एक छोटे से शहर बलिया से आता हूं और यह पहली बार है, जब मैं इस तरह के जॉनर को आजमा रहा हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह एक बेहतरीन स्क्रिप्ट है, जिसमें बहुत कमाल की को-एक्ट्रेस तृप्ति हैं। काश मैं और भी कुछ शेयर कर पाता, लेकिन अभी के लिए मैं ट्रेलर को ही बोलने दूंगा। यह इस साल बहुत जल्द रिलीज होगा। उम्मीद है कि ऐसा होगा। शजिया इकबाल के डायरेक्शन और धर्मा प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म धड़क 2 साल 2018 में आई फिल्म धड़क का सीक्वल है, जो हिट मराठी फिल्म सैराट का रीमेक थी।

पूजा बनर्जी ने अपना स्टूडियो लॉन्च करने के बारे में बताया

अभिनेत्री पूजा बनर्जी ने अपना स्टूडियो शुरू करके उद्यमिता की दुनिया में कदम रखा है। अभिनेत्री ने अपनी खुद की कुछ बनाने की अपनी लंबे समय से चली आ रही इच्छा को साझा किया, इस बात पर जोर देते हुए कि रचनात्मकता और व्यवसाय के प्रति उनके जुनून ने उन्हें यह रोमांचक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। अपने नए उद्यम के साथ, बनर्जी का लक्ष्य नए अवसरों की खोज करना और दूसरों को उनके उद्यमशीलता के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है।कसौटी जिंदगी की की अभिनेत्री, जो जल्द ही दूसरी बार माँ बनने वाली हैं, मुंबई में एयरबीएनबी पर एक प्रॉपर्टी की भी मालकिन हैं, और अब, उन्होंने अपना खुद का स्टूडियो खरीदकर अपनी सूची में एक और उपलब्धि जोड़ ली है।

इस बारे में बात करते हुए, पूजा ने बताया, मैंने वास्तव में बिजनेस मैनेजमेंट और अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है, इसलिए मेरा हमेशा से ही व्यवसाय और अपना खुद का कुछ शुरू करने की ओर झुकाव रहा है। मेरे पास पहले से ही एयरबीएनबी पर एक प्रॉपर्टी है, जो मेरा पहला उद्यम था। अब, मैं अपना खुद का स्टूडियो चलाना चाहती थी, इसलिए मैंने अपनी कंपनी, एक्रोम प्राइवेट लिमिटेड शुरू की, जिसके तहत यह स्टूडियो मेरा पहला स्वामित्व है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसी जगह है जिसे लोग शूटिंग, जुम्बा सेशन, पॉडकास्ट और बहुत कुछ के लिए किराए पर ले सकते हैं। दिल्ली में स्थित, मैं इसे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। यह पूरी तरह से साउंडप्रूफ स्टूडियो है। कृपया इसे अपना प्यार और आशीर्वाद दें।पूजा ने 2022 में अपनी पहली संतान, बेटी सना का स्वागत किया। पूजा ने 2017 में संदीप सेजवाल के साथ विवाह किया। पूजा ने पहले साझा किया था कि वह और उनके पति हमेशा से दो बच्चे पैदा करने का सपना देखते थे, और वे उस सपने को साकार होते देखकर बहुत खुश हैं।

बंटवारा, लोहा और कयामत सरीखी फिल्में निर्मित करने वाले सलीम अख्तर का निधन

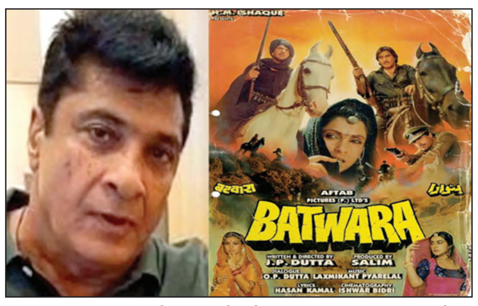

हाल ही गुजरे जमाने के दिग्गज एक्टर मनोज कुमार को खोने के बाद बॉलीवुड को एक और बड़ा झटका लगा है। मनोज 87 साल के थे और उन्हें उनकी देशभक्तिपूर्ण फिल्मों के चलते 'भारत कुमार' का टैग मिला हुआ था। दिग्गज प्रोड्यूसर सलीम अख्तर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका 8 अप्रैल को निधन हो गया। वे मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में एडमिट थे। पिछले कुछ दिनों से वे वेंटिलेटर पर थे। अख्तर 82 साल के थे। 'बिग बॉस' फेम फिल्म क्रिटिक कमाल आर खान ने पोस्ट शेयर कर जानकारी दी कि दिग्गज फिल्म प्रोड्यूसर सलीम अख्तर का निधन हो गया है। हालांकि उनकी फैमिली या किसी क्लोज मेंबर ने अभी ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दी है।

उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस आफताब पिक्चर्स के तहत कई फिल्मों का निर्माण किया था। उनकी कई फिल्में कमर्शियली हिट रही। उनके निधन की खबर से बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि आज बुधवार (9 अप्रैल) दोपहर 1.30 बजे अख्तर को जोहर की नमाज के बाद इरला मस्जिद के पास मौजूद कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उनका निकाह शमा अख्तर के साथ हुआ था। उनका एक बेटा समद अख्तर है। वे अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखते थे। अख्तर ने रानी मुखर्जी और तमन्ना भाटिया जैसी एक्ट्रेस को लॉन्च किया था। उन्होंने साल 1997 में आई फिल्म 'राजा की आएगी बारात' को प्रोड्यूस किया था। यह रानी की पहली फिल्म थी और इसमें उनका लीड रोल था। यह फिल्म नहीं चली लेकिन इसके बाद रानी के लिए रास्ते खुल गए। इसके अलावा अख्तर ने साल 2005 में तमन्ना को भी लॉन्च किया था, जिनकी शौहरत आज सिर चढ़कर बोल रही है। अख्तर ने फिल्म तमन्ना की मूवी 'चांद सा रोशन चेहरा' को प्रोड्यूस किया था। बॉलीवुड में अख्तर के सफर पर नजर डालें तो उन्होंने 1980 और 90 के दशक में हिंदी सिनेमा में अपनी गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने 'कयामत', 'लोहा' और 'बंटवारा' जैसी चर्चित फिल्में प्रोड्यूस की थीं।

श्रुति हासन ने शेयर की बोल्ड रेड ड्रेस में हॉट तस्वीरें

साउथ इंडस्ट्री की टैलेंटेड और बोल्ड एक्ट्रेस श्रुति हासन एक बार फिर अपने स्टाइल और फैशन सेंस के चलते चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक रेड ड्रेस में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज़ में श्रुति का एटीट्यूड, कॉन्फिडेंस और ग्लैमर का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है। रेड कलर की इस लॉन्ग ड्रेस में श्रुति बेहद हसीन लग रही हैं। उन्होंने ब्लैक बैकड्रॉप के साथ सटल लाइट में कैमरे के लिए दिलकश पोज़ दिए हैं। उनके खुले बाल, सटल मेकअप और स्टाइलिश हील्स ने लुक को और भी क्लासी बना दिया है।पोस्ट के कैप्शन में श्रुति ने लिखा-क्या शैतान लाल कपड़े पहनता है? या हमें सिर्फ एल हटा देना चाहिए उनका यह अंदाज फैन्स को बेहद पसंद आ रहा है। कमेंट सेक्शन में उन्हें गॉर्जियस, फायर, क्वीन जैसे कमेंट्स मिल रहे हैं।श्रुति हासन अक्सर अपने फैशन एक्सपेरिमेंट्स से सुर्खियां बटोरती हैं और ये तस्वीरें इस बात का एक और सबूत हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं। उनकी ये तस्वीरें फैन्स के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं और हर कोई उनके इस ग्लैमरस लुक की तारीफ कर रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन अच्छा रहेगा। आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा। शेयर–सट्टे से दूर रहें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम से अच्छा फल मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार–व्यवसाय अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे और कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रहेगा। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य भी आपके अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहने से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ रहेगा। कठिन परिश्रम से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन दोस्तों से अनबन हो सकती है। परिवारजनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। संवेदनशील मामलों में संभलकर चलने की आवश्यकता है। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों की सफलता से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नौकरी में स्थान बदल सकते हैं। खान–पान का ध्यान रखें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा निकल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आकस्मिक धनलाभ की प्राप्ति हो सकती है। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। घर की सजावट के लिए नई वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यवसाय–धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिला–जुला रहेगा। कारोबार में धन प्राप्ति के योग हैं। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में दूसरों पर भरोसा न करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों से संबंध काफी अच्छे रह सकते हैं। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 अप्रैल 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 01:03 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी दोपहर 12:25 तक
योग : वृद्धि रात्रि 06:57 तक
करण : कौलव प्रातः 11:58 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 07:05 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , महावीर जयंती ,
अनंग त्रयोदशी,खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए

दोनों बजट में किए महत्वपूर्ण प्रावधान : भजनलाल

श्रीगंगानगर,09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ– श्रीगंगानगर के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अर्न्तगत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने शिवपुर हैड का निरीक्षण करने के पश्चात कहा कि राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है ताकि अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक भी पर्याप्त नहरी पानी पहुंचा कर किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में नहरी जल पर निर्भरता को देखते हुए राज्य सरकार ने आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए गत दोनों बजट में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए गंगनहर प्रणाली में क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सीसी लाइनिंग, फीडर पुनर्निर्माण, ऑटोमेशन आदि के 1195 करोड़ रुपए के कार्य करवाएं जाएंगे, जिससे सीपेज लॉस में कमी आएगी और किसानों को उनके हक का पूरा पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि 200 करोड़ रुपए की लागत से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण कार्य की डीपीआर तैयार कर केन्द्रीय जल आयोग को भिजवाई जा चुकी है। यह कार्य पूरा होने पर श्रीगंगानगर क्षेत्र में खेतों को समय पर और भरपूर पानी मिल सकेगा। इसी प्रकार, 300 करोड़ रुपए की लागत से बीकानेर कैनाल के पंजाब में स्थित भाग (आर.डी. 45 से 368) की सीसी लाइनिंग, ग्रेवल रोड तथा पट्ड़ों के निर्माण कार्यों की डीपीआर शीघ्र ही पंजाब सरकार द्वारा बनवा ली जाएगी। इसके लिए पंजाब सरकार को पत्र लिखा जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगनगर प्रणाली में कृषि, शहरी और औद्योगिक जरूरतों के लिए नहरी जल का बेहतर प्रबंधन करने के लिए 695 करोड़ रुपए की लागत से ऑटोमेशन की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। इसके वित्त पोषण के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भिजवाया गया है। उन्होने कहा कि ऑटोमेशन सिस्टम स्थापित होने से आरम्भिक छोर (हेड रीच) और अंतिम छोर (टेल रीच) पर समान रूप से पानी उपलब्ध हो सकेगा तथा अधिक पानी के कारण भूमि की उर्वरता में कमी एवं सेम की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गंग कैनाल ऐप और गंगनहर रेग्युलेशन पोर्टल का निर्माण भी किया गया है, जिससे नहर खुलने और बंद होने की जानकारी उनके मोबाइल पर उपलब्ध हो सकेगी। काश्तकारों में बारी के विवादों के समाधन के लिए बाराबंदी सॉफ्टवेयर भी तैयार किया जा चुका है।

शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के द्वितीय चरण की नहरों के जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण, पक्के खालों के निर्माण, बैलेन्सिंग रिजर्वायर आदि कार्यों के लिए इस वर्ष के बजट में 1108 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों की 60 साल से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए हनुमानगढ़ जिले के एक लाख 7 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों के निर्माण के लिए 590 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है। कंवरसेन लिफ्ट नहर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त खालों के जीर्णोद्धार के 185 करोड़ रुपये की लागत के कार्य आईजीएनपी बोर्ड द्वारा स्वीकृत कर दिए गए हैं। इसी प्रकार, श्रीगंगानगर जिले में रायसिंहनगर, अनूपगढ़, घड़साना, रावला और श्रीविजयनगर के 44 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण 200 करोड़ रुपये की लागत से करवाया जाएगा। साथ ही, भाखड़ा और गंगनहर परियोजना के अंतर्गत आने वाले श्रीगंगानगर के क्षेत्रों में अब तक शेष रहे खालों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे हर खेत तक पानी पहुंच सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा सिंचाई परियोजना के अंतर्गत नहरों के जीर्णोद्धार के लिए राज्य सरकार ने अब तक 225 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जिससे हनुमानगढ़ जिले की संगरिया, टिब्बी, हनुमानगढ़, पीलीबंगा और श्रीगंगानगर जिले की सादुलशहर तहसील के किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि सिद्धमुख सिंचाई परियोजना के अंतर्गत नोहर व भादरा तहसीलों में नहरों के जीर्णोद्धार के 128 करोड़ रुपए के कार्य शुरू करवाए जा चुके हैं और 45 करोड़ रुपए के कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाए जाएंगे।

किसानों व आमजन को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

जयपुर,09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो दिवसीय हनुमानगढ़–श्रीगंगानगर दौरे के तहत बुधवार को श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने पावर स्टेशन का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत उत्पादन के लिए संचालित इकाइयों का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए जिससे ग्रीष्म ऋतु में किसानों व आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। शर्मा ने पावर स्टेशन के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि पॉवर स्टेशन के सभी तकनीकी पहलुओं का समय–समय पर निरीक्षण किया जाए जिससे ब्रेक–डाउन जैसी स्थिति के कारण विद्युत उत्पादन प्रभावित नहीं हो तथा तकनीकी खराबी के कारण उत्पादन इकाइयों के शट डाउन जैसी स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने सभी इकाइयों की विद्युत उत्पादन क्षमता की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नवीन तकनीक से कम लागत में प्रदेश के बिजली उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

किसान का सम्मान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय

श्रीगंगानगर,09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025–26 में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5 हजार 950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5 हजार 650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बोनस को बढ़ाकर 150 रुपये एवं किसान सम्मान निधि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया है। साथ ही, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार उठा रही जरूरी कदम

जयपुर,09 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने दो दिवसीय हनुमानगढ़–श्रीगंगानगर दौरे के तहत श्रीगंगानगर के बुड्ढा जोहड़ में बिश्नोई मंदिर (डाबला) में दर्शन कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान शर्मा ने मंदिर परिसर में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए मां अमृता देवी ने जो बलिदान दिया था, उसे आज भी सभी पूर्ण श्रद्धा भाव से नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए अग्रणी रहता है तथा पशु–पक्षियों के लिए उनका त्याग व प्रेम का भाव भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठा रही है।

बीआईएस राजस्थान की ब्लिंकिट वेयरहाउस पर छापेमारी

जयपुर,09 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय मानक ब्यूरो, राजस्थान की टीम ने ई–कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म–ब्लिंकिट के जयपुर में 22 गोदाम स्थित वेयरहाउस पर भारतीय मानक ब्यूरोअधिनियम, 2016 के उल्लंघन हेतु 9 अप्रैल 2025 को तलाशी एवं जब्ती कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में वे उत्पाद जब्त किए गए जिन्हें बिना मानक मुहर (आईएसआई मार्क एवं रजिस्ट्रेशन मार्क) विक्रय हेतु संग्रहित किया गया था।यह कार्रवाई कनिका कालिया, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस राजस्थान के निर्देश पर बीआईएस के अधिकारियों एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा की गई जिनमें रमन कुमार त्रिवेदी (संयुक्त निदेशक), पूनम चौधरी (संयुक्त निदेशक) शामिल थे।

कार्रवाई के दौरान 197 से अधिक श्रेणियों के कुल 265 निम्नलिखित उत्पाद जब्त किए गए जिनमें से अधिकतम रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाले उपभोक्ता उत्पाद हैं। एल्युमीनियम एवं स्टील के बर्तन, स्टील की बोतलें, इंसुलेटेड फ्लास्क, इलेक्ट्रिक केतली, बेबी डायपर, चप्पल, इलेक्ट्रिक जूसर मिक्सर ग्राइंडर, मालिश करने के इलेक्ट्रिक उपकरण, कीटनाशक (मच्छर मारने हेतु) उपकरण, इलेक्ट्रिक कॉफी मेकर, त्वचा और बालों की देखभाल के उपकरण (हेयर स्ट्रेटनर, हेयर ड्रायर इत्यादि), एयर फ्रायर, एमआरपी के आधार पर जब्त किए गए उत्पादों का अनुमानित मूल्य सात लाख रुपए आँका गया है।

कोटपूतली में बड़ी कार्रवाई

बिना लाइसेंस संचालित 10 से अधिक होटल, कैफे और गेस्ट हाउस सीज

कोटपूतली,09 अप्रैल (एजेंसियां)। कस्बे के बैंक वाली गली व गोभी वाले खेत स्थित करीब 10 होटल, कैफे व रेस्टोरेंट्स एवं गेस्ट हाऊस आदि पर बुधवार को कोटपूतली नगर परिषद की विशेष टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुये उन्हें सीज कर दिया। जैसे ही नगर परिषद की टीम एक्सईएन दीपक मीणा के नेतृत्व में कार्यवाही के लिये पहुँची। वैसे ही उनके संचालकों में हडक़म्प मच गया एवं वे मौके से फरार हो गये। बताया जा रहा है कि कस्बे में विगत काफी समय से इनका अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। जाँच में उक्त होटल, कैफे, रेस्टोरेंट व गेस्ट हाऊस आदि के पास कोई वैद्य कागजात एवं लाईसेंस नहीं पाये गये। इनका संचालन अवैध रूप से किया जा रहा था। कुछ कैफे में तो संदिग्ध व अवैध गतिविधि भी संचालित हो रही थी। जाँच के दौरान एक–दो होटलों को छोडकर किसी के पास दस्तावेज नहीं मिले। साथ ही फूड सेफ्टी समेत अन्य लाईसेंस भी नहीं पाये गये। एक्सईएन दीपक मीणा ने जानकारी देते हुये बताया कि राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत जो भी होटल, रेस्टोरेन्ट, कैफे व गेस्ट रूम आदि चला रहे है, उन्हें लाईसेंस लेना होता है। ऐसे करीब 10–11 प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये उन्हें सीज किया गया है। अगर कोई सीज का ताला तोड़ता है तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्यवाही की जायेगी। उल्लेखनीय है कि इस सम्बंध में नगर परिषद द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

साइक्लोथॉन 2.0 को मिली जोरदार शुरुआत नशा मुक्त हरियाणा का लिया संकल्प

रेवाड़ी,09 अप्रैल (एजेंसियां)। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बुधवार को राव तुलाराम स्टेडियम से साइक्लोथॉन 2.0 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्त हरियाणा के निर्माण में सहभागी बनने का संकल्प दिलाया। दो दिवसीय इस जागरूकता यात्रा को रेवाड़ी जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से भरपूर समर्थन मिला।

साइक्लोथॉन का रूट राव तुलाराम स्टेडियम से शुरू होकर हांसाका, मसानी, धारूहेड़ा और कापड़ीवास गांवों से होते हुए अगले जिले में प्रवेश कर गया। यात्रा के दौरान हर जगह साइक्लोथॉन का भव्य स्वागत किया गया। विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में नशा मुक्ति के स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विधायक के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, कार्यवाहक उपायुक्त अनुपमा अंजलि, एसपी डॉ. मयंक, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 15 अप्रैल तक मिलेगी पुस्तकें : सैनी

चण्डीगढ़,09 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को 15 अप्रैल तक पुस्तकें मिल जाएगी। साथ ही प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी किसी भी बुक शॉप से अपनी पुस्तक खरीद सकते है वह किसी एक बुक शॉप से पुस्तक खरीदने के लिए बाध्य नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर स्कूल, तकनीकी और उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025–26 के बजट भाषण में जो भी विषय आए है उन सभी विषयों को चिन्हित कर तीव्र गति से कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर शिक्षा के स्तर में और अधिक सुधार कर शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर बोर्ड कक्षाओं के पिछले 10 वर्षो के प्रश्न पत्र तथा मॉक टेस्ट अपलोड करें ताकि इससे विद्यार्थी अध्ययन करके लाभ उठा सकें। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बोर्ड की कक्षाओं के प्रश्न पत्रों में आवश्यक बदलाव करने के लिए कमेटी का गठन किया जाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विद्यालयों में खेल व स्वच्छता विषयों पर अलग से कक्षाएं शुरू की जाए और विद्यालय स्तर पर स्वच्छता का कार्य किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिक्षण संस्थानों में साफ–सफाई, हरियाली, रंग–रोगन, स्लोगन आदि कार्यो का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि विद्यार्थियों को यहां आने से प्रेरणा मिलें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरटीई के तहत किसी भी स्कूल मे कोई भी सीट खाली न रहे, साथ ही उच्चतर शिक्षा के किसी भी संस्थान में कोई भी सीट खाली नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने प्रथम व द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को हर महीने एक दिन किसी न किसी राजकीय विद्यालय में जाकर समय लगाना अनिवार्य किया है और इसका एक प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रदेश में इस वर्ष पूर्ण रूप से लागू किया जाए। इसको लेकर युवाओं, विद्यार्थियों से चर्चा कर इस बारे में जागरूक करने का काम किया जाए।

मद्य निषेध मंत्री ने किया दावा

शराबबंदी से बदला बिहार का चेहरा समाज में आया सकारात्मक बदलाव

भागलपुर (एजेंसियां)। राज्य में लागू शराबबंदी कानून को लेकर मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा भागलपुर में एक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के शारदा पाठशाला क्रीड़ा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मद्य निषेध मंत्री रत्नेश सदा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 2016 में लागू की गई शराबबंदी न केवल एक कानूनी पहल थी, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला ऐतिहासिक कदम बन गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि शराबबंदी महात्मा गांधी, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, डॉ. कलाम, डॉ. लोहिया और जननायक कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार करने की दिशा में नीतीश सरकार की एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने न सिर्फ नशे के खिलाफ लड़ाई को मजबूती दी, बल्कि बिहार के सामाजिक ढांचे को भी सुदृढ़ किया है।

मंत्री रत्नेश सदा ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की छवि देशभर में नकारात्मक रूप से देखी जाती थी। उस दौर में बिहारी शब्द एक ताना बन चुका था। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। सरकार की विकास योजनाओं, कानून व्यवस्था की मजबूती और खासकर शराबबंदी ने बिहार को एक नई पहचान दी है। मंत्री ने गर्व के साथ कहा कि अब बिहारी कहलाना गौरव की बात है।

मंत्री सदा ने आंकड़ों के माध्यम से शराबबंदी के प्रभाव को सामने रखते हुए बताया कि 2004 में जहां आपसी विवाद के 9,199 मामले दर्ज किए गए थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर मात्र 3,186 रह गया है। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि शराब के सेवन से उपजी घरेलू हिंसा, विवाद और अपराधों में सुनियोजित गिरावट आई है। उन्होंने इसे बिहार के सामाजिक सुधार का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम में मंत्री ने महिलाओं से विशेष आह्वान किया कि वे नशामुक्त समाज की स्थापना में सरकार की भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि महिलाएं ही समाज की असली धुरी हैं और वे अपने बच्चों को शिक्षित कर एक स्वस्थ, समृद्ध और नशामुक्त बिहार की नींव रख सकती हैं। उन्होंने जीविका दीदी, विकास मित्र और टोला सेवकों की सक्रिय भूमिका को भी सराहा। कार्यक्रम में कला जत्था के कलाकारों ने नशामुक्ति पर आधारित एक सशक्त नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

नाटक में शराब से जुड़ी पारिवारिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक भी किया और जागरूक भी। जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर मंत्री रत्नेश सदा के साथ उप आयुक्त मद्य निषेध प्रमोदीत नारायण सिंह और जदयू प्रदेश महासचिव शुभानंद मुकेश समेत कई अन्य पदाधिकारी तथा लोग मौजूद रहे।

हक छीन रही है सरकार, नीतीश अब मुखिया बनने लायक भी नहीं : राजद नेता

किशनगंज (एजेंसियां)। राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष दानिश इकबाल ने किशनगंज में पार्टी कार्यालय पर आयोजित एक अहम बैठक के दौरान केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने वक्फ से जुड़े नए कानून को मुस्लिम समाज के अधिकारों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि सरकार सुनियोजित तरीके से एक समुदाय के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

बैठक में यह भी घोषणा की गई कि आगामी 10 अप्रैल से पूरे बिहार में वक्फ से जुड़े मुद्दों पर 'चौपाल' कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। उसके माध्यम से राजद के विधायक, विधान पार्षद और पार्टी पदाधिकारी जनता को सरकार की मंशा और नए वक्फ कानून के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करेंगे।

दानिश इकबाल ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर भाजपा खुद को मुसलमानों का हितैषी दिखाना चाहती है, दूसरी ओर वह उनके संवैधानिक अधिकारों को छीनने की साजिश कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि राम मंदिर ट्रस्ट में एक भी मुसलमान ट्रस्टी नहीं बनाया गया, फिर वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम को शामिल करने की कोशिश क्यों की जा रही है? उन्होंने दावा किया कि वक्फ कानून लाते ही उत्तर प्रदेश के मदरसों पर कार्रवाई शुरू हो गई, जो यह दिखाता है कि यह सब कुछ एक बड़े प्रोपेगेंडा का हिस्सा है। उन्होंने इसे चुनावी रणनीति बताते हुए कहा कि भाजपा हर बार चुनाव के समय एक विशेष समुदाय को निशाना बनाकर ध्रुवीकरण की राजनीति करती है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी दानिश इकबाल ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें पहले बहुत मानता था, लेकिन अब वे प्रधानमंत्री तो दूर, मुखिया बनने लायक भी नहीं बचे हैं। उन्होंने नीतीश कुमार पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे एक ओर इफ्तार पार्टियों में शामिल होते हैं और दूसरी ओर मुस्लिम समाज के की पीठ में छुरा घोंपते हैं। दानिश इकबाल ने कहा कि जिस नेता की कोई स्थायी राजनीतिक सोच नहीं होती, उसका अंत भी राजनीतिक रूप से तय होता है। उन्होंने चेताया कि इस तरह के दोहरे व्यवहार का असर नीतीश कुमार को आगामी चुनावों में भुगतना पड़ेगा।

इस बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि राजद वक्फ बिल को लेकर सड़क से सदन तक विरोध दर्ज कराने की तैयारी में है। 'वक्फ चौपाल' कार्यक्रम के तहत राजद के वरिष्ठ नेता गांव-गांव जाकर लोगों को इस बिल की सच्चाई बताएंगे, ताकि मुस्लिम समाज को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही यह बताया गया कि भाजपा और नीतीश सरकार के 'वोट बैंक' केंद्रित रवैये का पर्दाफाश किया जाएगा।

तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी समेत तीन को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर की अदालत ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व मंत्री और वीआईपी पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी, और उनके भाई संतोष सहनी के खिलाफ नोटिस जारी किया है। मुजफ्फरपुर की एडीजे प्रथम की अदालत ने इन तीनों नेताओं के खिलाफ सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है और सभी को 6 मई 2025 को सुबह 10:30 बजे व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होने का आदेश दिया है। इस मामले की जानकारी भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने दी है। यह मामला भारतीय सार्थक पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा दिए गए चुनाव चिह्न 'नाव' के कथित दुरुपयोग से जुड़ा हुआ है।

भारतीय सार्थक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने 18 अप्रैल 2024 को मुजफ्फरपुर की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में परिवाद दायर किया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि वीआईपी पार्टी के नेता मुकेश सहनी और संतोष सहनी ने भारतीय सार्थक पार्टी के चुनाव चिह्न 'नाव' का गलत तरीके से उपयोग किया। परिवाद के अनुसार, इन नेताओं ने चुनाव चिह्न को वापस करने का दबाव बनाया और इनकार करने पर भी लोकसभा चुनाव 2024 में इसे महागठबंधन के प्रचार में इस्तेमाल किया। आरोप है कि तेजस्वी यादव ने भी इस कथित फर्जीवाड़े में सहयोग किया और 'नाव' चिह्न को महागठबंधन के प्रचार-प्रसार में उपयोग किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने उक्त परिवाद को खारिज कर दिया था, जिसके बाद सुधीर कुमार ओझा ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में क्रिमिनल रिवीजन वाद दायर किया। इसे सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया गया है। याचिकाकर्ता सुधीर कुमार ओझा ने बताया कि चुनाव के दौरान इन नेताओं द्वारा चुनाव आयोग द्वारा उनकी पार्टी को दि ए गए चुनाव चिह्न का गलत इस्तेमाल किया गया था। इसी को लेकर उन्होंने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। अब इस रिवीजनल पेटिशन के मामले में एडीजे कोर्ट ने इन नेताओं को नोटिस जारी करते हुए 6 मई 2025 को उपस्थित होने का आदेश दिया है। इधर, इस नोटिस ने बिहार के सियासी गलियारे में हड़कंप मचा दिया है।

निगरानी ने एएसआई को घूस लेते रंगेहाथ पकड़ा

सुपौल (एजेंसियां)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना की टीम ने मंगलवार को सुपौल के वीरपुर में बड़ी कार्रवाई की। जहां वीरपुर एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार के रीडर एएसआई स्टेनो बिट्टू कुमार को मंगलवार की सुबह 8:45 बजे 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी वीरपुर एसडीपीओ के सरकारी आवास से हुई। इसके बाद टीम ने बिट्टू को वीरपुर अतिथि गृह लाकर करीब साढ़े चार घंटे तक पूछताछ की। दोपहर एक बजे के बाद उसका मेडिकल कराया गया। फिर निगरानी टीम उसे पटना ले गई। मिली जानकारी अनुसार भीमनगर थाना के कांड संख्या 15/24 से जुड़े मामले में फरियादी से केस में मदद के बदले 30 हजार रुपए की मांग की गई थी। हालांकि, फरियादी ललन कुमार ने निगरानी विभाग में शिकायत दी। सत्यापन के बाद निगरानी टीम ने जाल बिछाया और तय रकम लेने के साथ ही रीडर को गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, 13 मई 2024 को एसएसबी 45वीं बटालियन वीरपुर ने मानव तस्करी के मामले में भीमनगर थाना में केस दर्ज कराया था।

इसमें नेपाल के उदयपुर जिले के सोनपुर निवासी निर्मल सादा को गिरफ्तार किया गया था। केस की जांच एसआई भास्कर भारती को सौंपी गई थी। फरियादी ललन कुमार के अनुसार करीब डेढ़-दो महीने पहले पुलिस उनके घर आई थी। कहा गया कि पीड़ित ने उन्हें मेहता गेस्ट हाउस में ठहरने की बात कही है। हालांकि ललन ने बताया कि उनका अतिथि गेस्ट हाउस है, मेहता नहीं। एफआईआर और केस डायरी में उनका नाम नहीं था। बावजूद कहा गया कि उनका नाम आर-ोपी के रूप में जोड़ा जा सकता है। इससे बचने के लिए एसडीपी-ओ से मिलने को कहा गया। वही एसडीपीओ से मिलने पर उन्होंने रीडर से बात करने को कहा। जिसके बाद रीडर बिट्टू कुमार ने 30 हजार रुपए की मांग की। बता दें कि बिट्टू कुमार शेखपुरा जिले का निवासी है। वह बीते एक साल से वीरपुर में एसडीपीओ के स्टेनो रीडर के पद पर कार्यरत है। उसकी नौकरी को दो साल ही हुए हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग और अन्य सरकारी दफ्तरों में हड़कंप मच गया है। कर्मचारी आपस में चर्चा करते देखे गए।

सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम ने बिट्टू कुमार के आवास की भी तलाशी ली। जहां एक बैग से 50 हजार रुपए मिले। पूछने पर उसने कहा कि वह रुपए घर भेजने के लिए रखे थे। लेकिन, इसका कोई प्रमाण नहीं मिला। पूछताछ में उसने कहा कि एसडीपीओ के कहने पर मामला रफा-दफा करने के लिए रिश्वत ली गई। हालांकि, एसडीपीओ सुरेंद्र कुमार ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है।

इस निगरानी टीम का नेतृत्व डीएसपी पवन कुमार कर रहे थे। जबकि टीम में पुलिस निरीक्षक सिकंदर मंडल, अवर निरीक्षक गणेश कुमार, सत्यापनकर्ता कृष्णा मुरारी कश्यप, सिपाही रणधीर कुमार और सुधीर कुमार शामिल थे। डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि भीमनगर थाना कांड संख्या 15/2024 में रीडर बिट्टू कुमार ने 30 हजार की रिश्वत मांगी थी। मंगलवार सुबह उसे फरियादी से रुपए लेते रंगेहाथ पकड़ा गया। आगे की कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत होगी। परिजनों को सूचना देकर आरोपी को निगरानी न्यायालय भागलपुर में पेश किया जाएगा। अभी गिरफ्तार रीडर से पूछताछ जारी है। फिलहाल एसडीपीओ के नाम पर रिश्वत मांगने की पुष्टि नहीं हुई है। कोई साक्ष्य भी नहीं मिला है। हालांकि इसकी अलग से जांच की जाएगी।

बिजली गिरने से छह लोगों की मौत

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार में मौसम का मिजाज इन दिनों कहर बनकर टूट रहा है। बुधवार को हुई तेज बारिश के दौरान दरभंगा और मधुबनी जिलों में बिजली गिरने से छह लोगों की जान चली गई। मरने वालों में दो महिला, एक बच्चा और एक बाप-बेटी शामिल हैं। अलग-अलग जगहों पर हुए इन हादसों ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है। खेतों में गेहूं समेटने निकले ये लोग अचानक कड़कती बिजली की चपेट में आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों के घरों में कोहराम मच गया है, वहीं प्रशासन ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र स्थित कटैया मुसहरी गांव में 68 वर्षीय जवाहर चौपाल की उस वक्त मौत हो गई, जब वह खेत से गेहूं समेटने लौट रहे थे। खेत में हो रही थ्रेशिंग के बाद जब वे गेहूं का बोझा लेकर लौट रहे थे, तभी आसमान से गिरी बिजली ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी घटना रोहार पंचायत के महमूदा गांव में घटी, जहां अजित यादव का आठ वर्षीय बेटा सत्यम कुमार घर के पास खेल रहा था। अचानक मौसम बदला और वज्रपात की चपेट में आकर उसकी जान चली गई। तीसरी घटना अलीनगर प्रखंड के लील-पुर गांव की है, जहां वज्रपात से समीना खातून की मौत हो गई है। वहीं, उसका बेटा मो. अकबर जख्मी हो गया है, जिसका इलाज डीएमसीएच में चल रहा है।

दोनों घटनाओं की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह और सीओ आदित्य शंकर मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा गया है। सीओ आदित्य शंकर ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सरकारी सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा।

मधुबनी जिले में भी बुधवार का दिन काल बनकर आया। अंधराठाढ़ी प्रखंड के ननौर पंचायत के अलपुरा गांव में 62 वर्षीय मो. जाकिर और उनकी 18 वर्षीय पुत्री आयशा की उस समय मौत हो गई जब वे दोनों खेत में जमा गेहूं के बोझे को ढकने के लिए त्रिपाल लेकर जा रहे थे। नहर के पास पहुंचते ही तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी और दोनों बुरी तरह झुलस गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पास के ग्रामीण लियाकत ने दी। खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजन दहाड़ें मारकर रोने लगे और आसपास के लोग सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच गए।

इसी दिन एक अन्य हादसे में झंझारपुर प्रखंड के पिपरौलिया गांव में रमन कुमार महतो की 45 वर्षीय पत्नी दुर्गा देवी की मौत वज्रपात से हो गई। जिला परिषद सदस्य मोहम्मद रेजाउद्दीन मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने हर संभव सरकारी सहायता देने की बात कही।

बारिश और लगातार हो रहे वज्रपात के मद्देनजर जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान खुले में न जाएं, खेतों और ऊंचे स्थानों से दूरी बनाकर रखें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। बारिश के दौरान मोबाइल फोन और धातु की वस्तुओं के प्रयोग से भी बचने की सलाह दी गई है।

पति ने अपनी पत्नी को मार डाला

गया (एजेंसियां)। बिहार के गया जिला अंतर्गत अतरी थाना क्षेत्र के टेटुआ गांव में पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला की हत्या कर दी गई। यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके पति ने ही की। बताया जा रहा है कि मंगलवार की देर रात पति रमेश कुमार ने अपनी पत्नी सुषमा कुमारी को गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब रमेश कुमार ने अपनी पत्नी को एक अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में अपने ही घर में देख लिया। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुषमा कुमारी का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी भनक रमेश को पहले से ही थी। इस कारण मानसिक रूप से काफी परेशान था। मंगलवार की देर रात जब वह अचानक घर पहुंचा, तो उसने अपनी पत्नी को उस युवक के साथ कमरे में देखा। इसके बाद पति-पत्नी के बीच काफी देर तक कहासुनी और बहस होती रही।

एनएच पर भीषण हादसे में तीन की मौत

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया के बेलदौर थाना क्षेत्र के बेलानौवाद एनएच 107 पर बस और ट्रक की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बस के कंडक्टर और दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं करीब 10 लोग घायल हो गए। घटना के बाद एक मृतक की पहचान की गई है। जिसका नाम सुशील सिंह बताया जा रहा, जो सहरसा जिले के धबौली गांव का निवासी थे। जबकि दो अन्य मृतकों की पहचान पुलिस द्वारा अभी नहीं बताई गई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण दोनों आमने-सामने से टकरा गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटना स्थल पर जमा हो गए। इनके द्वारा बस व ट्रक के अंदर से लोगों को निकाला गया। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई। जहां पुलिस ने पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खगड़िया भेजा है। जबकि इस घटना में करीब एक दर्जन अन्य बस सवार लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं। बस सहरसा से भागलपुर के लिए जा रही थी।

घटना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि तेज रफ्तार के कारण चालक ने गाड़ी पर से अपना नियंत्रण खो दिया। इस कारण यह हादसा हुआ है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करे। इधर, बेलदौर पुलिस ने बताया कि घटना के बाद सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। पुलिस ने बताया कि एक मृतक की पहचान की गई है। वहीं दो अन्य मृतक की पहचान की जा रही है। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहन के तेज रफ्तार में रहने के कारण घटित हुई है। मरने वालों के परिजनों को सूचना भेज दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त बस शिवजी ट्रेवल्स का कहा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजे प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com